Page 11

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

Page 10

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

खेल

सूर्यवंशी ने 63 बॉल पर सेंचुरी बनाई, आरोन के साथ 200+ रन की ओपनिंग पार्टनरशिप

देश

सिद्धारमैया ने बतौर मुख्यमंत्री रिकॉर्ड किया बराबर पांच साल के कार्यकाल को पूरा करने पर भरोसा ...

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • गुरूवार • 08 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 324 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

एक-दो नहीं, इस साल 19 युद्धपोत शामिल करेगी नौसेना

चीन की चुनौती को भारत का जवाब, डाइविंग सपोर्ट पोत भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना अपने इतिहास की सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि की ओर अग्रसर है। इस वर्ष 2026 में नौसेना 19 युद्धपोतों को कमीशन करने जा रही है, जो एक वर्ष में सबसे बड़ी वृद्धि होगी। पिछले वर्ष 2025 में नौसेना ने 14 जहाजों को कमीशन किया था, जिसमें एक पनडुब्बी भी शामिल थी। सूत्रों के अनुसार, यह उत्पादन गति इतिहास में अभूतपूर्व है और यह स्वदेशी जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को दर्शाती है। ट्रिब्यून ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि 2026 नौसेना के विस्तार का शिखर वर्ष रहेगा। इस दौरान नीलगिरी श्रेणी के मल्टी-रोल स्टेल्थ फ्रिगेट्स की संख्या में भी इजाफा होगा। इस श्रेणी का अग्रणी पोत जनवरी 2025 में सेवा में आया था, जिसके बाद अगस्त 2025 में आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि का कमीशनिंग हुआ। चालू वर्ष में इस

श्रेणी के कम से कम दो और पोत नौसेना में शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, सूची में इक्षाक श्रेणी का सर्वे पोत और निस्तार श्रेणी का डाइविंग सपोर्ट पोत भी शामिल हैं। इतने बड़े पैमाने पर कमीशनिंग को संभव बनाने में 'इंटीग्रेटेड कंस्ट्रक्शन' पद्धति की अहम भूमिका है। इस प्रक्रिया में जहाज के ढांचे, सुपर-स्ट्रक्चर और आंतरिक प्रणालियों को 250 टन के ब्लॉक्स में तैयार किया जाता है, जिन्हें बाद में जोड़ा जाता है। इन ब्लॉक्स को इस तरह सटीकता से बनाया जाता है कि वेल्डिंग के बाद केबल और पाइपिंग सहज रूप से फिट हो सके। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से निर्माण के लिए 'सीक्वेंस' तैयार किया जाता है- जिसमें सामग्री की सोर्सिंग से लेकर उत्पादन समय-सीमा तक शामिल होती है।

भारतीय शिपयार्ड्स अब छह साल में जहाज तैयार कर रहे

नए डिजाइन सॉफ्टवेयर, एआई और आधुनिक निर्माण तकनीकों के चलते अब भारतीय शिपयार्ड्स छह साल में जहाज तैयार कर रहे हैं, जबकि पहले यह अवधि 8–9 साल होती थी। सॉफ्टवेयर मशीनरी के लेआउट, उपकरणों और फ्लुइड डायनेमिक्स तक का पूर्वानुमान लगाता है। बताया जाता है कि रक्षा मंत्रालय ने 10–12 वर्ष पहले युद्धपोतों के लिए इंटीग्रेटेड कंस्ट्रक्शन को अपनाया था, जिसके अब ठोस नतीजे सामने आ रहे हैं। रणनीतिक स्तर पर, भारत के लक्ष्य चीनी नौसैनिक विस्तार का सामना करना, महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर नैविगेशन की स्वतंत्रता बनाए रखना, क्वॉड और ब्रिक्स के साझेदारों का समर्थन करना और इंडो–पैसिफिक में शक्ति–प्रक्षेपण को सुदृढ़ करना है। हालांकि, नौसेना का यह विस्तार अभी भी चीन से कम है।

बंगाल सहित 5 राज्यों में बीजेपी ने झोंकी ताकत

यूपी का भी फीडबैक, पंजाब के लिए अलग तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व भले ही अभी इस साल अप्रैल में होने वाली पांच विधानसभाओं के चुनाव के लिए पूरी ताकत झोंके हुए हैं, लेकिन उसकी संगठनात्मक तैयारी वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भी शुरू हो गई है। इसके लिए संगठन स्तर पर व्यापक फीडबैक लिया जा रहा है। भावी

संगठनात्मक ढांचे को उसी के अनुरूप तैयार किया जाएगा। यह इसलिए भी अहम है, क्योंकि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के चुनाव भी वर्ष 2027 में होने हैं। इससे पहले भाजपा के सामने अभी अप्रैल में होने वाले पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु एवं पद्दुचेरी के विधानसभा चुनाव हैं, जिसमें उसने पूरी ताकत झोंकी हुई है। चूंकि भाजपा की संगठनात्मक तैयारी दीर्घावधि की होती है इसलिए उसने अभी से यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, गोवा और गुजरात से चुनावी फीडबैक लेना शुरू कर दिया है। संगठन के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का विधिवत चुनाव भी इसी माह हो जाएगा।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की मौत

लोगों ने चोरी के आरोप में पीछा किया, बचने के लिए पानी में कूदा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के नाओगांव जिले में नहर में कूदने से 25 साल के हिंदू युवक की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक की पहचान भंडारपुर गांव निवासी मिथुन सरकार के तौर पर हुई है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि, कुछ लोगों ने हाट चकगौरी बाजार इलाके में मिथुन पर चोरी का आरोप लगाते हुए उसका पीछा किया। बचने की कोशिश में वह पास की नहर में कूद गया और लापता हो गया।

बाद में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब चार घंटे बाद शाम 4 बजे गोताखोरों की मदद से मिथुन का शव नहर से बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि मृतक वास्तव में चोरी में शामिल था या नहीं। बांग्लादेश में पिछले कुछ महीने में हिंदुओं के खिलाफ हमले लगातार बढ़े हैं। सोमवार रात नरसिंदी जिले में एक हिंदू दुकानदार की हत्या कर दी गई।

हिजाब पहनकर ज्वेलरी खरीदने नहीं जा सकेंगे

बिहार ज्वेलर्स एसोसिएशन का फैसला आरजेडी बोली-हिजाब निशाना

पटना (एजेंसी)। यूपी के झांसी के बाद बिहार ज्वेलर्स एसोसिएशन ने बुधवार यानी 7 जनवरी को सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बिहार की सभी ज्वेलरी शॉप में अब हिजाब, नकाब या घूंघट पहनकर आने वालों को सोने–चांदी की दुकानों में एंट्री नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही हेलमेट, मुरेठा पहनकर आने वाले पुरुषों

की भी एंट्री बैन की गई है। इसकी कॉपी ज्वेलरी शॉप के बाहर लगाई जा रही है। इस पर साफ लिखा है कि मास्क, बुर्का, हेलमेट और नकाब पहनकर दुकान में आना मना है। इस फैसले पर विवाद भी शुरू हो गया है। राजद का कहना है कि सुरक्षा के नाम पर हिजाब और नकाब को निशाना बनाना गलत है। बीजेपी ने राजद को जवाब देते हुए कहा है कि, ये भारत है इस्लामिक कंट्री नहीं। यहां हिजाब का क्या काम है। सर्राफा कारोबारियों का कहना है कि यह कदम किसी समुदाय या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि सुरक्षा कारणों से लिया है।

हरियाणा में कांग्रेस को एक और झटका देगी भाजपा !

- राज्यसभा चुनाव में होगा खेला, बना लिया है बड़ा प्लान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने दिसंबर 2024 में बड़ा खेल किया था। उसके पास एक ही सीट जीतने के लिए विधायकों की संख्या थी, लेकिन उसने अपने समर्थन वाले एक निर्दलीय कैंडीडेट को जिता दिया था और इस तरह कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। अब मार्च 2026 में एक बार फिर से दो सीटों पर राज्यसभा का चुनाव होने वाला है और यहां भी भाजपा पहले की तरह ही खेल कर सकती है। हरियाणा की दो राज्यसभा

सीटें 9 अप्रैल को खाली हो रही हैं। भाजपा की किरण चौधरी और रामचंदर जांगड़ा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। विधायकों की मौजूदा संख्या के अनुसार हरियाणा में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही एक-एक सीट जीतने की स्थिति में हैं। एक सीट पर जीत के लिए 31 विधायकों की संख्या चाहिए। भाजपा के पास अपने 48 विधायक हैं। कांग्रेस के पास 37 की संख्या है।

स्कूल और कोर्ट कैंपस में कुत्तों की क्या जरूरत

- सुप्रीम कोर्ट बोला-कुत्तों के चलते लोग कब तक परेशानी झेलेंगे

न्यायालय ने कहा-कुत्ते बच्चों और बड़ों को काट रहे, लोग मर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई। बहस में कुत्तों के मूड, कुत्तों की काउंसलिंग, कम्युनिटी डॉग्स और इंस्टीट्यूशन लाइज्ड डॉग्स जैसे शब्द सामने आए। कोर्ट ने कहा कि मामला सिर्फ कुत्ते के काटने का नहीं है। वो जब सड़क पर दौड़ते हैं या किसी का पीछा करते हैं उससे एक्सीडेंट का खतरा रहता है। इसलिए रोकथाम इलाज से बेहतर है। इसको लेकर बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा कि लोग सेंटर पर फोन कर सकते हैं ताकि उन्हें पकड़कर नसबंदी की जा सके। फिर कोर्ट ने कहा, अब तो बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना। ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं। कोर्ट ने आगे सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कुत्तों के कारण आम लोगों को आखिर

कब तक परेशानी झेलनी पड़ेगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका आदेश सड़कों के लिए नहीं, बल्कि केवल संस्थागत क्षेत्रों के लिए है। पीठ ने सवाल उठाया कि स्कूलों, अस्पतालों और अदालत परिसरों के भीतर आवारा कुत्तों की क्या आवश्यकता है और उन्हें वहां से हटाने पर क्या आपत्ति हो सकती है। इस बीच सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं। बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी। सीनियर एडवोकेट सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा कि सवाल यह नहीं है कि स्कूल या सुप्रीम कोर्ट कैंपस में कुत्तों की जरूरत है या नहीं। लेकिन कुत्ते एक सच्चाई हैं। सवाल यह है कि वे इंसानों को नुकसान कैसे न पहुंचाएं और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका क्या है।

मौतें 20 हुई, प्रशासन 6 बता रहा, मुआवजा 18 को दिया

- इंदौर दूषित पानी कांड पर सीएम बोले-हर मौत पीड़ादायक

डॉक्टर मोहन यादव ने कहा- हम आंकड़ों में नहीं पड़ रहे

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों की संख्या 18 से बढ़कर 20 हो गई है। सरकार ने हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट में सिर्फ चार मौतें भर होना माना है, जबकि 18 मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की सहायता दी जा चुकी है। प्रशासन ने परिजन को मुआवजा देने के लिए बनाई गई सूची में बुधवार को दो नए नाम जोड़े हैं। इनमें रामकली जगदीश और श्रवण नत्यु खुपराव शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि दूषित पानी से भले ही 6 लोगों की मौत हुई है, लेकिन जहां भी मौत

की सूचना मिल रही है, वहां क्रॉस चेक कर आर्थिक सहायता दी जा रही है। इधर, जिस जगह ड्रेनेज लाइन का काम हुआ था, वहां बुधवार को नर्मदा लाइन चालू होते ही पानी लीक होकर कॉलोनी में भरने लगा।

- **भागीरथपुरा में लोग टैंकर के पानी पर निर्भर**–बुधवार सुबह से दोपहर 2 बजे तक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 18 मरीज डायरिया की शिकायत लेकर पहुंचे थे। इनमें से 6 को अस्पताल रेफर किया गया है। इससे पहले आईसीयू में 16 मरीजों के भर्ती होने की जानकारी सामने आई थी। इनमें से 3 वेंटीलेटर पर हैं। भागीरथपुरा में इतनी मौतों के बाद लोग डरे–सहमे हैं। बड़ी संख्या में लोगों ने बोरिंग का यूज बंद कर दिया है। स्थानीय रहवासी टैंकरों और आरओ के पानी पर निर्भर हैं। अब तक 429 लोग अस्पतालों में भर्ती हुए थे, जिनमें से मंगलवार शाम तक 330 डिस्चार्ज हो चुके हैं। बुधवार को 6 मरीज और भर्ती हुए हैं, यानी अब 105 मरीज ही एडमिट हैं।

दिल्ली में आधी रात को बवाल, जमकर उत्पात

- पुलिस-एमसीडी टीम पर पथराव, 5 पुलिसकर्मी घायल

अवैध निर्माण हटाने पहुंची थी पुलिस, 5 उपद्रवी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में मंगलवार रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हिंसा भड़क गई। कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके, जिससे 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मस्जिद को गिराया जा रहा है। इसके तुरंत बाद, कई लोग वहां जमा हो गए, और कुछ ने पुलिस और एमसीडी कर्मचारियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं। पुलिस ने मंगलवार रात प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। मामले में अब तक एक नाबालिग समेत 5 उपद्रवियों को हिरासत लिया गया है। एमसीडी के डिप्टी

कमिश्नर विवेक कुमार ने कहा कि अभियान के दौरान एक डायग्नोस्टिक सेंटर और बैंक्वेट हॉल और दुकानों को तोड़ा गया है।

'कांप' रहा आधा भारत

- पहाड़ हो या मैदानी इलाका हर तरफ मौसम का सितम जारी
- राजस्थान और एमपी समेत 9 राज्यों में पारा 5 डिग्री से नीचे
- कश्मीर में बर्फबारी जारी, उत्तराखंड में जमा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी राज्यों की तरफ चल रही सर्द हवाओं से पूरे देश में तापमान में गिरावट आई है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ में तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। इन राज्यों के कई जिलों में घना कोहरा छाया है, जिसके कारण 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। स्कूलों का टाइम भी बदला है। यूपी में 20 फ्लाइट्स और 100 ट्रेनें लेट चल रही हैं। जयपुर में आज विजिबिलिटी जीरो है, इसके कारण 8 फ्लाइट देरी से चल रही हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल में जनवरी की सर्दी का 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया है।

यहां मंगलवार को 3.8 डिग्री तापमान रहा। बुधवार को छिंदवाड़ा में 2 डिग्री तापामान रहा। दमोह, गुना, मुरैना में ओस जम गई। कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होने से एक बार फिर ठंड बढ़ गई है। अगले 15 दिन भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। उत्तराखंड में पारा माइनस 9 डिग्री पहुंच गया, यहां पाइपलाइनों में पानी जम गया है। जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, दौसा समेत कई जिलों में आज भी घना कोहरा है। जयपुर में विजिबिलिटी जीरो है। कड़ाके की ठंड की वजह से राजस्थान के 26 जिलों में 8वीं क्लास तक स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

ड्रोन हमलों के लिए बन रहा सीयूएएस ग्रिड

आबादी वाले क्षेत्रों में होंगी एयर डिफेंस गन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिले अनुभवों से सबक लेते हुए भारतीय रक्षा बल हवाई खतरों, विशेषकर दुश्मन ड्रोन हमलों, से निपटने के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत कर रहे हैं। एक ओर सेना आबादी वाले क्षेत्रों में हवाई रक्षा तोपों की तैनाती पर काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार मिशन सुदर्शन चक्र के तहत देशभर में एक व्यापक हवाई सुरक्षा कवच विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में तीनों सेनाएं मिलकर एक संयुक्त काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम (सीयूएएस) ग्रिड तैयार कर रही हैं, जिससे दुश्मन या संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों पर प्रभावी

निगरानी और त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। सूत्रों के अनुसार, यह संयुक्त सीयूएएस ग्रिड तीनों सेनाओं- थल सेना, नौसेना और वायुसेना- द्वारा पिछले पांच से 10 वर्षों में हासिल किए गए विभिन्न काउंटर-ड्रोन सिस्टम को नेटवर्क के जरिए जोड़ेगी। यह ग्रिड भारतीय वायुसेना की इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम (आइएसीसीएस) जैसी मौजूदा हवाई रक्षा प्रणालियों से अलग और स्वतंत्र होगी। इस ग्रिड को ज्वाइंट एयर डिफेंस सेंटर्स (जेएडीसी) के माध्यम से संचालित किया जाएगा, जिसमें तीनों सेवाओं की भागीदारी होगी। इसका उद्देश्य छोटे ड्रोन की निगरानी करना है।

आधुनिक युद्ध में तकनीक और रक्षा सहयोग पर जोर: द्विवेदी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और आधुनिक युद्ध के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तीव्र तकनीकी विकास ने आज के संघर्षों की प्रकृति को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सैन्य नेतृत्व को निरंतर स्वयं को विकसित और अनुकूलित करना होगा। यूएई के नेशनल डिफेंस कालेज (एनडीसी) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जटिल होती सुरक्षा चुनौतियों के दौर में दूरदर्शिता जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में पीएम श्री स्कूल होंगे अपग्रेड: हर जिले के 3 विद्यालय मेंटर बनेंगे

रांची, एजेंसी। प्रत्येक जिला के तीन-तीन पीएम श्री स्कूल मेंटर के रूप में विकसित किए जाएंगे। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा गठित स्टेट पीएमयू द्वारा 24 जिलों से कुल 144 उच्च प्रदर्शन वाले स्कूल चिन्हित किए जाएंगे। इसके बाद प्रत्येक जिले को अपने जिले के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन स्कूलों का चयन करना होगा। स्कूलों का चयन राज्य पीएमयू द्वारा उपलब्ध कराई जानेवाली सूची के आधार पर किया जाएगा। सभी जिलों से कुल 72 विद्यालयों का चयन कर उन्हें गहन निगरानी, सतत मार्गदर्शन एवं मेंटरिंग प्रदान की जाएगी, जिससे चयनित विद्यालय अन्य पीएमश्री स्कूलों के लिए सीखने और अपनाने योग्य मानक के साथ मेंटर स्कूल बन सके। इन स्कूलों की प्रगति की नियमित निगरानी की जाएगी, ताकि गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक शशि रंजन के अनुसार, पीएम श्री का उद्देश्य केवल स्कूलों को अपग्रेड करना नहीं, बल्कि ऐसे मॉडल स्कूल विकसित करना है, जहां बच्चों को उत्कृष्ट, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। इसी स्पष्ट सोच के साथ पीएमश्री 'आदर्श विद्यालय पहल' शुरू की गई है। इसके माध्यम से पीएमश्री स्कूल केवल ढांचागत उन्नयन नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मानक बन सकेंगे।

रांची में अपहृत दो मासूमों का तीन दिन बाद अब तक सुराग नहीं

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के शालीमार बाजार से 2 जनवरी को अपहरण किए गए 5 वर्षीय अंश और 4 वर्षीय अंशिका का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। घटना के तीन दिन बीत जाने के बावजूद बच्चों की सुरक्षित बरामदगी नहीं होने से परिजनों और आम लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को प्रशासन की कथित सुस्त कार्यशैली के विरोध में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष शहीद चौक पर धरना-प्रदर्शन पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से दोनों मासूम बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित बरामद करने की मांग की और खोज अभियान में तेजी लाने का आग्रह किया। बच्चों के पिता सुनील यादव एक गरीब गोपालक हैं। धरना स्थल पर मौजूद राजद नेता और समाजसेवियों ने आरोप लगाया कि यदि किसी वीवीआईपी या बड़े उद्योगपति के बच्चों का अपहरण होता, तो प्रशासन पूरी ताकत झोंक देता, लेकिन गरीब परिवार होने के कारण कार्रवाई में ढिलाई बरती जा रही है। धरना-प्रदर्शन में बच्चों के परिजन, स्थानीय लोग और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की मांग की, ताकि दोनों मासूमों को सुरक्षित उनके परिवार से मिलाया जा सके।

गिरिडीह में सीसीएल वर्कशॉप लूट, रात डेढ़ बजे वर्कशॉप में घुसे 20-25 अपराधी

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के सीसीएल कोलयरी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए हथियारबंद चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बीती रात करीब 1:30 बजे 20 से 25 की संख्या में अपराधी सीसीएल वर्कशॉप परिसर में घुस आए। सभी अपराधी हथियारों से लैस थे। उन्होंने वहां तैनात सुरक्षा गार्डों को अपने कब्जे में ले लिया और एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद अपराधियों ने पूरी रात बेखौफ होकर वर्कशॉप में लूटपाट की। अपराधियों ने वर्कशॉप में रखे लाखों रुपए मूल्य के लोहे और अन्य कीमती सामान को निशाना बनाया। भारी मात्रा में सामान को वाहनों में लादकर चोर फरार हो गए। सुरक्षा गार्ड श्याम सुंदर महतो ने बताया कि गार्डों को विरोध करने का कोई मौका नहीं दिया गया। हथियारों के बल पर सभी को बंधक बना लिया गया था, जिससे वे किसी तरह की सूचना भी नहीं दे सके। सुबह होने पर घटना की जानकारी सीसीएल प्रबंधन को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही सीसीएल के वरीय पदाधिकारी और मुफस्सिल थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने वर्कशॉप परिसर का निरीक्षण किया। चोरी गए सामान की सूची तैयार की जा रही है। घटनास्थल से कुछ अहम सुराग भी मिले हैं, जिनके आधार पर अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश तेज कर दी गई है। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। इस वारदात के बाद पूरे सीसीएल इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। इतनी बड़ी संख्या में अपराधियों का हथियारों के साथ वर्कशॉप में घुसना सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर रहा है। सीसीएल प्रबंधन ने घटना को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने की बात कही है। वहीं पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोरोना रोकथाम में बोकारो ने प्रचार-प्रसार में

डीएमएफटी से खर्च किये 10 करोड़

धनबाद, एजेंसी। बोकारो जिला ने कोरोना से बचाव के लिए प्रचार-प्रसार पर 10।90 करोड़ रुपये खर्च किये। कोविड़-19 के दौरान बोकारो जिला ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान खर्च का ब्यौरा और ऑडिट रिपोर्ट दिया है। 10 करोड़ की राशि पांच बार में होर्डिंग लगाने, पंप्लेट बांटने और जीओ टैगिंग पर खर्च की गयी है। जिले में प्रचार प्रसार पर पहली बार 2 करोड़ 19 हज़ार, दूसरी बार में 1।16 करोड़, तीसरी बार में 2।75 लाख, चौथी बार में 7।54 करोड़ और पांचवी बार में 18।35 लाख रुपये खर्च किया गया है। कोविड के दौरान राज्य को विभिन्न जिलों ने निजी डाक्टरों की सेवा लेना का जिक्र किया है। इन डॉक्टरों को डीएमएफटी फंड से ही भुगतान किया गया।

विशेषज्ञ डॉक्टरों को 1।50 लाख प्रति माह और सामान्य एमबीबीएस डॉक्टर को 1।05 लाख रुपये प्रति माह की दर से भुगतान किया गया। डीएमएफटी फंड से जिला में समाहरणालय और उपायुक्त कार्यालय को चमकाने का भी काम हुआ। रामगढ़ जिले में 10।20 लाख रुपये के खर्च पर उपायुक्त कार्यालय के चहारदीवारी की

रंगाई पुताई की गयी।इसी जिला में डीएमएफटी फंड से 24।79 लाख की लागत से समाहरणालय परिसर में स्ट्रीट लाइट लगाने का उल्लेख किया गया है। 22।51 लाख रुपये खर्च कर उपायुक्त कार्यालय में कार पार्किंग शेड का निर्माण किया गया। उपायुक्त कार्यालय के गोपनीय शाखा के लिए 2।22 लाख रुपये की सामग्रियां खरीदी गयीं। 15।95 लाख रुपये की लागत पर समाहरणलाय में हाईस्पीड इंटरनेट लगाया गया। इस तरह सिर्फ समाहरणालय पर डीएफटी का खर्च का 75।67 लाख खर्च किया गया। जिलों ने इससे संबंधित ब्यौरा रिपोर्ट में दी है।

बोकारो जिले ने कोविड-19 के दौरान डीएमएफटी के खर्च में विभिन्न क्षेत्रों में खर्च ब्यौरा दिया है। जिले की रिपोर्ट में सदर अस्पताल के लिए 16।96 करोड़ रुपये की लागत पर चिकित्सीय उपकरण खरीदे थे। रामगढ़ जिले द्वारा 2020-21 में डीएमएफटी से किये गये खर्चों का जो ब्योरा तैयार किया गया है। उसमें 67।52 लाख रुपये की लगत पर मास्क और सेनेटाइजर खरीदने का उल्लेख किया गया है। उसमें कोविड-19 के दौरान पीड़ितों के इलाज के लिए 1।53 करोड़ रुपये की लागत से सदर अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकीय उपकरण खरीदने का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा धनबाद जिले द्वारा तैयार डीएमएफटी की रिपोर्ट में कोविड-19 के दौरान पीड़ितों के इलाज के लिए आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों की ख़रीद पर 75।86 लाख रुये खर्च का जिक्र किया गया है। जिला में 1।14 करोड़ रुपये की लागत से रैपिड एंटीजेन टेस्ट खरीदने का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने एक महीने में तीन लाख लोगों का टेस्ट करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए एक लाख किट उपलब्ध कराया था। टेस्ट के लक्ष्य के पूरा करने के लिए गुड़गांव की कंपनी बायोजर हेल्थ केयर से 25 हजार किट 1।14 करोड़ रुपये में खरीदे गये।

कोविड-19 के दौरान व्यापारिक गतिविधियों के बंद होने की वजह से सरकार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा था। राज्य सरकारों से कोरोना महामारी से बचाव और पीड़ितों को इलाज के लिए सरकार को पैसे की जरूरत थी। इस स्थिति को देखते हुए केंद्रीय खान मंत्रालय ने राज्यों को डीएमएफटी में उपलब्ध कुल राशि में से 30 प्रतिशत राशि कोविड से निपटने पर खर्च करने की अनुमति दी। कोविड-19 से निपटने के लिए राज्य में पीएम केयर फंड के अलावा डीएमएफटी के पैसों का उपयोग किया गया।

गुमला में तेज रफ्तार ने ली युवक की जान, टकरा कर पेड़ से ही लटक गई बाइक और बॉडी

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी लगातार जानलेवा साबित हो रही है। ताजा मामला जिला मुख्यालय से करीब 85 किलोमीटर दूर डुमरी थाना क्षेत्र के नटावल गांव के पास सामने आया है, जहां मंगलवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे से इलाके में शोक का माहौल है।

मृतक की पहचान कांजी गांव निवासी अंजलैश मिंज (26 वर्ष), पिता भक्ति मिंज के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अंजलैश मिंज मंगलवार रात बाइक से कहीं जा रहा था। नटावल गांव के आगे पहाड़ी इलाके में उनकी बाइक तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक और बॉडी पेड़ पर ही टंग गई।

सुबह ग्रामीणों ने देखा शव, मौके पर ही हुई थी मौत

हादसा देर रात होने के कारण किसी की नजर तुरंत इस पर नहीं पड़ी। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने सड़क किनारे युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। आशंका जताई जा रही है कि दुर्घटना के कुछ ही देर बाद युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत डुमरी थाना पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही डुमरी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है।

चतरा में नवजात बच्ची का शव बरामद
कठौतिया तालाब के पास नाले में मिला शव

चतरा, एजेंसी। चतरा में एक नवजात बच्ची का शव कठौतिया तालाब के पास एक नाले से बरामद किया गया है। बच्ची ने दुनिया में आने से पहले ही दम तोड़ दिया था। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। यह घटना चतरा सदर थाना क्षेत्र के कठौतिया तालाब के पास मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे की है।

स्थानीय ग्रामीण और समाजसेवी अनुज कुमार प्रधान की नजर नाले में पड़ी एक छोटी आकृति पर पड़ी। करीब जाकर देखने पर पता चला कि गंदे पानी और कीचड़ के बीच एक नवजात बच्ची का शव पड़ा था। इस खबर के फैलते ही मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है और बच्ची के माता-पिता की पहचान करने का प्रयास कर रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ संदीप कुमार सुमन और थाना प्रभारी विपिन सिंह पुलिस बल और सदर अस्पताल की एम्बुलेंस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

अमेरिका के खिलाफ भारत में प्रदर्शन, वेनेजुएला राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण पर जताया विरोध

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न जिलों में वामदलों ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और लैटिन अमरीकी देश वेनेजुएला के साथ एकजुटता व्यक्त की।

रांची में वामदलों के कार्यकर्ताओं ने अल्बर्ट एक्का चौक पर एकत्रित होकर अमेरिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका ले जाए जाने की घटना की कड़ी भर्त्सना की।

वक्ताओं ने कहा की अमरीका की यह आतंकी कार्रवाई संयुक्त राष्ट्रसंघ के चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन है, लेकिन भारत सरकार का इस मुद्दे पर वेनेजुएला के पक्ष में नहीं खड़ा होना काफी चिंताजनक है।

इस मौके पर सीपीएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, भाकपा (माले) के शुभेंदु सेन, सीपीआई के अजय सिंह, फिल्मकार मेघनाथ, सामाजिक कार्यकर्ता फादर टोनी, दिप्ती मिंज अफजल अनीस, विरेन्द्र कुमार, सुखनाथ लोहरा, एसके राय समेत छात्र संगठन आइसा, एसएफआई, सीटू, एटक और एक्टू के सदस्य भी मौजूद थे। सभा की अध्यक्षता नंदिता

भट्टाचार्य ने की।

अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर कथित हमले और वहां के निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो तथा उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स के अपहरण के विरोध में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) पटना जिला कमिटी की ओर से सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। पटना जंक्शन गोलंबर के पास अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन किया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व सीपीएम के केंद्रीय कमिटी सदस्य अवधेश कुमार और राज्य सचिव मंडल सदस्य मनोज चंद्रवंशी ने किया। नेताओं ने इसे साम्राज्यवादी बर्बरता बताते हुए मादुरो और उनकी पत्नी की रिहाई की मांग की तथा भारत सरकार से अमेरिका की कार्रवाई की कड़ी निंदा करने की अपील की।

रिम्स जमीन अतिक्रमण में बड़ा एक्शन : हाईकोर्ट के आदेश पर बिल्डर-माफिया पर दर्ज की एफआईआर

रांची, एजेंसी। रिम्स की जमीन पर अतिक्रमण मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को प्राथमिक की दर्ज कर ली है। झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में मंत्रिमंडल निगरानी एवं सचिवालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिम्स की जमीन पर अतिक्रमण मामले में पांच जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की है।

जिनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है, उनमें राजेंद्र इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस (रिम्स) रांची प्रबंधन, राजस्व कार्यालय रांची, रांची नगर निगम, निबंधन कार्यालय रांची, रियल इस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (रेरा), रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार (आरआरडीए) के पदाधिकारियों, कर्मियों व अन्य अज्ञात लोग शामिल हैं।

अब एसीबी रिम्स की जमीन का निबंधन करने वाले, म्यूटेशन करने वाले अधिकारियों, कर्मियों, उक्त जमीन पर अपार्टमेंट खड़ी करने वाले बिल्डर, जमीन माफिया आदि के विरुद्ध अपनी जांच तेज करेगी। फिलहाल, सभी अज्ञात हैं। जांच में चिह्नित सरकारी अधिकारियों-कर्मियों के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में भी जांच होगी।

गौरतलब है कि झारखंड हाई कोर्ट के आदेश के बाद रिम्स की जमीन पर बने चार मंजिले मकान व अन्य अवैध अतिक्रमण को हाल ही में प्रशासन ने हटाया है। जिन मकान, अपार्टमेंट को तोड़ा गया है उनके मालिकों के नाम से निबंधन भी हुआ था, उसका दाखिल खारिज भी हो गया था और बैंक से ऋण लेकर लोगों ने अपना घर, मकान बनवाया था।

झारखंड उच्च न्यायालय ने इस साजिश में शामिल बिल्डर, अधिकारी, जमीन माफिया व अन्य सभी को आरोपित बनाते हुए उनके विरुद्ध एसीबी को जांच का आदेश दिया था। इस आदेश के आलोक में यह प्राथमिकी दर्ज की गई है।

लातेहार के जामडीह में जल जीवन मिशन ठप, नल-जल के दावों के बीच आदिवासी गांव प्यास से जूझ रहा

लातेहार, एजेंसी। झारखंड में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। लातेहार जिले के अनुसूचित जनजाति बहुल जामडीह गांव में सरकारी दस्तावेजों में नल-जल योजना से पूर्ण आच्छादन का दावा किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी है।

जल मीनारें बनीं शोपीस : गांव में स्थापित जल मीनारें वर्षों से निष्क्रिय बताई जा रही हैं। मोटर बंद हैं, टंकियां खाली हैं और पाइपलाइन से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, लंबे समय से किसी तकनीकी टीम ने मरम्मत या जांच नहीं की, जिससे पूरी संरचना अनुपयोगी बनी हुई है।

दूषित जल पर निर्भरता : नल-जल व्यवस्था ठप होने के कारण ग्रामीण पास के चुआरी से पानी लेने को मजबूर हैं। इसी पानी का उपयोग पीने, खाना बनाने और बच्चों को पिलाने में किया जा रहा है। बरसात के मौसम में पानी में कीचड़ और गंदगी बढ़ जाती है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और बढ़ जाते हैं।

महिलाओं और बच्चों की बढ़ती कठिनाई : गांव की महिलाएं रोज कई

किलोमीटर पैदल चलकर पानी लाती हैं और कई बार छोटे बच्चों को साथ ले जाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि दूषित पानी के सेवन से बच्चों में उल्टी-दस्त, पेट दर्द और बुखार जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।

शिकायतें और प्रशासनिक प्रतिक्रिया : ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत से लेकर प्रखंड कार्यालय तक कई बार शिकायत की गई, लेकिन न तो कोई अधिकारी गांव पहुंचा और न ही जल मीनारों की तकनीकी जांच हुई। हर बार आश्वासन देकर मामले को टाल दिया गया, जिससे योजना की निगरानी और जवाबदेही पर प्रश्न उठते हैं।

खर्च और जवाबदेही पर सवाल : जल जीवन मिशन पर बड़े पैमाने पर खर्च के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि पानी की आपूर्ति क्यों शुरू नहीं हो सकी। राशि के उपयोग, जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों की भूमिका को लेकर ग्रामीणों में असंतोष है। इसे केवल लापरवाही नहीं, बल्कि जवाबदेही की कमी के रूप में देखा जा रहा है। स्वच्छ पेयजल के अभाव में गांव में स्वास्थ्य संकट गहराता जा रहा है। पेयजल और स्वास्थ्य विभाग की ओर से ठोस पहल नहीं होने से स्थिति और गंभीर प्रतीत होती है। जामडीह की स्थिति यह संकेत देती है कि योजना का लाभ कागजों तक सीमित रह गया है।

झारखंड में 2 से 3 डिग्री तक और गिरेगा पारा, 7 जनवरी तक शीतलहर का अलर्ट, ठंड से कांपेंगे लोग

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के 10 जिलों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया जिसके बाद मंगलवार को राज्य में शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने जिन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है उनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और चतरा शामिल है। इन जिलों में सात जनवरी तक शीतलहर का प्रकोप बना रह सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में गुमला में राज्य का सबसे कम तापमान 2।2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद खूंटी में 3।7 डिग्री और लोहरदगा में 3।9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा। राज्य की राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान 7।2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया, क्षोभमंडल के निचले स्तरों पर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की हवाओं के कारण तापमान में यह गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की कमी आ सकती है। हालांकि उसके बाद दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

झारखंड हाईकोर्ट ने विद्युत शुल्क अधिनियम किया निरस्त, 1000 प्रतिशत बिल बढ़ोतरी पर रोक

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य के औद्योगिक और बिजली क्षेत्र को बड़ी राहत देते हुए सोमवार को एक अहम फैसला सुनाया। हाई कोर्ट ने झारखंड विद्युत शुल्क (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 2021 तथा उससे जुड़े विद्युत शुल्क नियम 2021 को असंवैधानिक और मनमाना करार देते हुए निरस्त कर दिया है।

चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने यह फैसला मेसर्स पाली हिल ब्रुअरीज प्राइवेट लिमिटेड समेत 30 से अधिक याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई के बाद दिया। इन याचिकाओं में बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों, कैप्टिव पावर उत्पादकों, स्टील और खनन कंपनियों तथा औद्योगिक संगठनों ने राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी थी।

हाई कोर्ट ने माना कि राज्य सरकार ने मूल कानून बिहार विद्युत शुल्क अधिनियम, 1948 (जिसे झारखंड ने अपनाया है) की चार्जिंग धारा में संशोधन किए बिना ही बिजली शुल्क की गणना की पद्धति बदल दी गई।

बिजली शुल्क केवल खपत या बिक्री की गई बिजली की इकाइयों (यूनिट) पर ही लगाया जा सकता है। नेट चार्जेज के आधार पर शुल्क लगाने का कोई कानूनी प्रविधान नहीं है। नेट चार्जेज शब्द की परिभाषा कानून में नहीं दी गई, जिससे यह व्यवस्था अस्पष्ट और मनमानी बन जाती है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि एक मामले में नई व्यवस्था के कारण किसी औद्योगिक उपभोक्ता पर बिजली शुल्क में लगभग 1000 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो गई थी। नेट चार्जेज के आधार पर शुल्क लगाने का कोई कानूनी प्रविधान नहीं है।

खंडपीठ ने उस प्रविधान को भी निरस्त कर दिया, जिसके तहत राज्य सरकार को अधिसूचना जारी कर बिजली शुल्क की दरें बदलने का अधिकार दिया गया था। अदालत ने इसे बिना किसी स्पष्ट नीति के विधायी शक्तियों का अत्यधिक हस्तांतरण बताया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा तय टैरिफ से बिजली शुल्क को जोड़ना समान परिस्थितियों वाले उपभोक्ताओं के बीच असमानता पैदा कर सकता है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।

हालांकि, कोर्ट ने झारखंड विद्युत शुल्क (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2021 को वैध ठहराया। इस संशोधन के तहत कैप्टिव पावर प्लांट्स पर 17 फरवरी 2022 से 50 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली शुल्क लगाया गया है।

अदालत ने कहा कि कर दर तय करना राज्य की आर्थिक नीति का विषय है और जब तक इसमें संवैधानिक उल्लंघन न हो, न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है। प्रार्थियों की ओर से अदालत को बताया गया कि राज्य सरकार ने कानून की मूल संरचना को बदले बिना ही टैक्स लगाने की पूरी प्रणाली बदल दी, जो संविधान और स्थापित न्याय सिद्धांतों के विपरीत है।

नगर निकाय चुनाव में देरी के खिलाफ राजमहल में भाजपा का महाधरना; दलगत आधार और EVM से चुनाव कराने की हुंकार

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। झारखंड में नगर निकाय चुनावों को लेकर बढ़ते राजनीतिक विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी ने अपनी आवाज बुलंद कर दी है। राज्य सरकार द्वारा चुनाव कराने में की जा रही लगातार देरी के विरोध में मंगलवार को राजमहल के ऐतिहासिक गांधी चौक पर भाजपा की ओर से एक दिवसीय 'महाधरना' का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से भाजपा ने सरकार से अविलंब चुनाव की तिथि घोषित करने और मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने की मांग की। महाधरना में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक सोची-समझी साजिश के तहत लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित कर रही है। उन्होंने कहा, "सरकार चुनाव कराने से भाग रही है और इसकी मंशा लोकतंत्र के लिए घातक है। यदि शीघ्र ही चुनाव की तिथियां घोषित नहीं की गई, तो भाजपा राज्यव्यापी उग्र आंदोलन शुरू करने को विवश होगी।" विशिष्ट अतिथि सह कार्यक्रम प्रभारी और राजमहल के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा ने चुनावों में हो रही देरी को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद प्रक्रिया तो शुरू हुई है, लेकिन सरकार इसे दलगत आधार (Party basis) पर कराने और EVM के उपयोग से हिचक रही है। ओझा ने आरोप लगाया कि पूर्ण बहुमत की सरकार होने के बावजूद सत्तापक्ष दलगत आधार पर चुनाव लड़ने से भयभीत है। भाजपा की अडिग मांग है कि चुनाव EVM के माध्यम से और दलगत आधार पर ही हों ताकि पारदर्शिता बनी रहे। महाधरना की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष दीपक चंद्रवंशी ने की, जबकि संचालन कार्तिक साहा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल, जिला परिषद सदस्य रणधीर सिंह, संजीव दे, प्रदीप अग्रवाल, पार्थ कुमार दत्ता, रामानंद साह, मंटा मंडल, मधु मंडल, अनीता बसाक और मंजू सिंह सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने सभा को संबोधित किया और सरकार की नीतियों की आलोचना की। धरना प्रदर्शन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद तानबीर शेख, किशोर जैन, संजय प्रामणिक, सोनेलाल ठाकुर, आशुतोष विश्वास, उमा मंडल, फकीरचंद्र मंडल, राजकुमार मंडल, वरुण साहा, कंचन बनर्जी, शेखर बर्मन, सिंटू घोष और मुन्ना साहा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने अंत में स्पष्ट किया कि यह केवल एक चेतावनी है और यदि जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का इसी तरह हनन होता रहा, तो यह आंदोलन प्रखंड से लेकर राजधानी तक फैलेगा।

राजमहल मॉडल कॉलेज में 'बाल विवाह मुक्त भारत' की गूँज: छात्र-छात्राओं ने लिया इस सामाजिक कुरीति को मिटाने का संकल्प

संवाददाता

साहिबगंज। भारत सरकार एवं सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय (दुमका) के दिशा-निर्देशानुसार, बुधवार को राजमहल मॉडल कॉलेज में "बाल विवाह मुक्त भारत" अभियान के तहत एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को बाल विवाह के गंभीर सामाजिक, स्वास्थ्यगत और कानूनी दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. रमजान अली ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि बालिकाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यह न केवल उनके शारीरिक और मानसिक विकास को रोकता है, बल्कि उन्हें शिक्षा के मौलिक अधिकार से भी वंचित कर देता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे समाज में इस कुरीति के खिलाफ 'ब्रैंड एंबेसडर' बनकर खड़े हों और अपने आसपास ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवाज बुलंद करें। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह** ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा, आज जब हमारा देश डिजिटल इंडिया और आधुनिकता की ओर तेजी से बढ़ रहा है, तब भी समाज में बाल विवाह का अस्तित्व चिंताजनक है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति तभी संभव है जब उसकी बेटियां शिक्षित और आत्मनिर्भर हों। उन्होंने 'बाल विवाह निषेध अधिनियम' के कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि यह एक दंडनीय अपराध है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब रहा जब महाविद्यालय की छात्राओं— इशिता दत्ता, मसर्रत जहाँ और सिमरन परवीन ने बाल विवाह पर केंद्रित प्रभावशाली कविताएं प्रस्तुत कीं। उनकी कविताओं में बाल विवाह के कारण टूटने वाले सपनों और शिक्षा की तड़प को सुनकर उपस्थित शिक्षकों और छात्रों की आंखें नम हो गईं। इन कविताओं ने समाज की संवेदनशीलता को झकझोरने का काम किया। कार्यक्रम के अंत में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने एक स्वर में *'बाल विवाह मुक्त समाज'* बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। उन्होंने प्रण किया कि वे न केवल स्वयं जागरूक रहेंगे, बल्कि अपने मोहल्लों और गांवों में जाकर लोगों को कानूनी जानकारी भी देंगे। इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में डॉ. अमित कुमार, सौरभ साहा, नरेश मंडल, सुमन सिंह, ऋतु कुमारी, सुमित साहा, प्रकाश महतो और बबलू हेम्ब्रम सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षकों और कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राजमहल: पंचायत समिति की बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा, प्रमुख लक्ष्मी उरांव ने कहा— 'योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। राजमहल प्रखंड सभागार में मंगलवार को प्रखंड प्रमुख लक्ष्मी उरांव की अध्यक्षता में पंचायत समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रखंड क्षेत्र के विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई और लंबित योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं स्वच्छता, मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। संबंधित विभागीय अधिकारियों ने अपनी-अपनी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पेश की। समीक्षा के दौरान पंचायत समिति सदस्यों ने जमीनी स्तर पर व्याप्त समस्याओं, जैसे कि योजनाओं में हो रहे विलंब और गुणवत्ता की कमी, को पूरी प्रखरता के साथ उठाया। पंचायत समिति के सदस्यों ने मांग की कि मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी लाभकारी योजनाओं का चयन और क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता के साथ हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि पात्र लाभुकों को समय पर किश्तें प्राप्त हों ताकि निर्माण कार्यों में बाधा न आए। अपने संबोधन में प्रखंड प्रमुख लक्ष्मी उरांव ने उपस्थित अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिया। उन्होंने कहा, "प्रखंड की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंचायत समिति हर योजना पर निरंतर और पैनी नजर रखेगी।" बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) मो. युसुफ ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर त्वरित संज्ञान लेने को कहा। बैठक में पंचायत समिति सदस्य सूर्य नारायण चौधरी, अभिजीत कुमार, गगन बापू सहित सभी सदस्य और विभिन्न विभागों के कनीय अभियंता एवं अधिकारी मौजूद रहे। बैठक एक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सभी सदस्यों और अधिकारियों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे राजमहल प्रखंड की विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए एकजुट होकर काम करेंगे।

उधवा: अबुआ और पीएम आवास योजना की समीक्षा, लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने का अल्टीमेटम

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा। उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में मंगलवार को प्रखंड आवास समन्वयक संदीप कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आवास योजनाओं की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में लंबित पड़े अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में तेजी लाना और उन्हें समय पर पूरा करना था। समीक्षा के दौरान प्रखंड समन्वयक संदीप कुमार गुप्ता ने पंचायतवार कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 103 और वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 145 आवास फिलहाल लंबित हैं। समन्वयक ने स्पष्ट किया कि इन सभी लंबित आवासों के लाभुकों को तृतीय किस्त की राशि भेज दी गई है। उन्होंने संबंधित आवास कर्मियों को कड़ा निर्देश दिया कि राशि हस्तांतरित होने के बावजूद काम में देरी न हो और इन आवासों को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की स्थिति पर चर्चा करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि जिन लाभुकों को प्रथम किस्त प्राप्त हो चुकी है, वे तत्काल निर्माण कार्य शुरू करें। वहीं, द्वितीय किस्त प्राप्त कर चुके लाभुकों को हर हाल में निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सभी आवास कर्मियों को फील्ड में जाकर कार्यों की निगरानी करने और आवास निर्माण में तेजी लाने को कहा ताकि लाभुकों को समय पर उनका आशियाना मिल सके। इस समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से जनसेवक ओमप्रकाश साहा, सिकंदर अली, शशि कपूर दुबे, निर्मल कुमार, उदय कुमार मंडल, संतोष कुमार सुमन सहित प्रखंड के अन्य आवास कर्मी और संबंधित अधिकारी मौजूद थे। समन्वयक ने अंत में चेतावनी दी कि आवास योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लक्ष्य के अनुरूप समय पर कार्य पूरा करना अनिवार्य होगा।

उधवा: बीडीओ ने जलसहियाओं के साथ की समीक्षा बैठक, जल शुद्धता जांच और शौचालय निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

संथाल संध्या

साहिबगंज/उधव। उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में प्रखंड क्षेत्र की सभी जलसहियाओं की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और लंबित कार्यों को समय पर पूरा करना था। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने सभी जलसहियाओं को कड़ा निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से *'झारजल ऐप'* के माध्यम से अपलोड करें। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग से कार्यों में पारदर्शिता आएगी और प्रगति की निगरानी करना आसान होगा। समीक्षा के दौरान बीडीओ ने अबुआ आवास योजना के लाभार्थियों के लिए शौचालय निर्माण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि आवास के साथ-साथ शौचालय का निर्माण भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि स्वच्छता मिशन का लक्ष्य पूरा हो सके। इसके अलावा जल जांच कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। प्रभारी जीपीएस जनकदेव यादव ने संगठनात्मक निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक गांव में विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए हर माह की 2 और 19 तारीख को मुखिया की अध्यक्षता में बैठक आयोजित करना अनिवार्य है। इन बैठकों में जलसहिया के साथ-साथ ग्रामीण और पंचायत सचिव भी मौजूद रहेंगे, ताकि गांव की समस्याओं का मौके पर समाधान हो सके। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रखंड समन्वयक राजेश कुमार ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 100 चापाकालों के जल की शुद्धता की जांच 'फील्ड टेस्ट किट' के माध्यम से की गई है। राहत की बात यह है कि सभी स्थानों पर जल शुद्ध पाया गया है और कोई भी हानिकारक तत्व नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि जिन जलसहियाओं को अभी तक जांच किट नहीं मिली है, उन्हें एक सप्ताह के भीतर किट उपलब्ध करा दी जाएगी ताकि शेष क्षेत्रों में भी जल जांच का कार्य पूरा किया जा सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में पंचायत सचिव संतोष कुमार सुमन, मोनिका मूर्मू, उपस्थित रहीं।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-ईटीएन-सुखदेव-हाल्ट-25, दिनांक: 05.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा **निविदा सं.: एसडीएसटीई-ईटीएन-सुखदेव-हाल्ट-25** के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल की बैण्डेल-कटवा शाखा में दाँईहाट और कटवा जंक्शन स्टेशनों के बीच सुखदेव हाल्ट का निर्माण। **बोली प्रणाली** : एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 79,08,788.06, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु. 1,58,200/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 9 माह। **प्रस्ताव की वैधता** : 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 05.01.2026 को 18.23 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 14.01.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 28.01.2026 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
HWH-514/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

16 जनवरी से शुरू होगा मनरेगा योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण: तालझारी बीडीओ ने दिए तैयारी के सख्त निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज/तालझारी। तालझारी प्रखंड में मनरेगा योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगामी 16 जनवरी से सामाजिक अंकेक्षण (Social Audit) का कार्य शुरू होने जा रहा है। इसकी पूर्व तैयारी को लेकर प्रखंड मुख्यालय स्थित अंचल अधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने स्पष्ट निर्देश दिया कि 16 जनवरी से 22 जनवरी तक चलने वाले इस सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक दस्तावेजों को रिकॉर्ड में समय रहते सम्मिलित कर लिया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऑडिट के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बीडीओ ने सभी पंचायत सचिवों और रोजगार सेवकों को निर्देशित किया कि प्रखंड में आने वाली सोशल ऑडिट टीम के ठहरने और भोजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि टीम द्वारा मांगे गए सभी संबंधित दस्तावेज और फाइलें तुरंत उपलब्ध कराई जाएं, ताकि अंकेक्षण प्रक्रिया में कोई बाधा उत्पन्न न हो। बैठक के दौरान यह संदेश दिया गया कि मनरेगा योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचे और कार्य में पूरी पारदर्शिता बनी रहे, यही सामाजिक अंकेक्षण का मुख्य उद्देश्य है। अधिकारियों को योजनाओं के भौतिक सत्यापन और मस्टरोल के मिलान के लिए तैयार रहने को कहा गया। इस समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से डीआरपी शंकर दास, मनरेगा बीपीओ रजनीश पराशर, विभिन्न पंचायतों केमुखिया, पंचायत सेवक, कनीय अभियंता (JE) और रोजगार सेवक उपस्थित रहे। बैठक में सभी कर्मियों ने बीडीओ के निर्देशों के अनुपालन का भरोसा दिलाया।

नशा उन्मूलन के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

गुमला । नालसा एवं झालसा के ड्रग्स अवेयरनेस एंड वैलनेस प्रोग्राम के तहत तीसरे दिन डीएलएसए गुमला के सचिव राम कुमार लाल गुप्ता के नेतृत्व में पीएलवियों ने जिले के विभिन्न पंचायत एवं स्वास्थ्य केंद्र में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहिया दीदी के साथ नशा उन्मूलन हेतु जागरूकता अभियान चलाया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत सदर अस्पताल गुमला में भी नशा के खिलाफ एकजुट होते हुए जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें बिंदेश्वर गोप एल ए डी सी ने कहा कि नशा न केवल एक व्यक्ति की जिंदगी खराब करता है। वरण इसे पूरा परिवार एवं समाज भी प्रभावित होता है। हम ऐसे माहौल में रहकर एक सुनहरे समाज के निर्माण की कल्पना भी नहीं कर सकते। अतः हमें नशा के खिलाफ एकजुट होना पड़ेगा और नशा मुक्ति गुमला बनाने हेतु संघ हम सभी को संकल्प लेना पड़ेगा कि हम ना नशा करेंगे और ना ही अपने आसपास में किसी भी व्यक्ति को नशा से दूर रखने का पूरा प्रयास करेंगे।

गिरिडीह में अतिक्रमण और नो-पार्किंग पर एसडीओ की सख्ती

गिरिडीह। शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने और अतिक्रमण रोकने के लिए बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) श्रीकांत यशवंत विस्पुते स्वयं सड़क पर उतरे। इस दौरान झंडा मैदान रोड पर नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों और सड़कों पर अवैध रूप से लगे ठेला-खोमचा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल पिन-713301 द्वारा आसनसोल मंडल के तहत आसनसोल रेलवे स्टेशन में ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन और कुलटी, दुबराजपुर एवं अंडाल रेलवे स्टेशनों में मॉडुलर कैटरिंग स्टॉल के प्रावधान के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। विवरण इस प्रकार है:
(क) ऑक्शन कैटलॉग सं.: एएसएन-एवीएम-26-1
क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, ई-नीलामी की तिथि और समय और कार्य का विवरण निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1, एमएसएस-एएसएन-एएसएन-एवीएम-128-26-1,** 22.01.2026 को 12.00 बजे और पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए आसनसोल स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 02 पर स्थित, कैटरिंग सेवाओं के लिए स्टैंडअलोन आधार पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन (एवीएम) (5 फीट X 3 फीट=15 वर्गफीट) की स्थापना एवं परिचालन के लिए आवंटन। (2) **एए/2, एमएसएस-एएसएन-एएसएन-एवीएम-130-26-1,** 22.01.2026 को 12.10 बजे और पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए आसनसोल स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 05 पर स्थित, कैटरिंग सेवाओं के लिए स्टैंडअलोन आधार पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन (एवीएम) (5 फीट X 3 फीट=15 वर्गफीट) की स्थापना एवं परिचालन के लिए आवंटन। (3) **एए/3, एमएसएस-एएसएन-एएसएन-एवीएम-129-26-1,** 22.01.2026 को 12.20 बजे और पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए आसनसोल स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 3-4 पर स्थित, कैटरिंग सेवाओं के लिए स्टैंडअलोन आधार पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन (एवीएम) (5 फीटX 3 फीट=15 वर्गफीट) की स्थापना एवं परिचालन के लिए आवंटन।
(ख) ऑक्शन कैटलॉग सं.: सीएटीजी-जीएमयू-26-1
क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, ई-नीलामी की तिथि और समय, कार्य का विवरण निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1, सीएटीजी-एएसएन-यूएलटी-जीएमयू-72-24-2,** 22.01.2026 को 13.30 बजे और 05 (पाँच) वर्ष की अवधि के लिए कुलटी (कैटेगरी डी) रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर, एसएम-स्टोर के पास मॉडुलर कैटरिंग स्टॉल (माप 6'X10'=60 वर्गफीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। (2) **एए/2, सीएटीजी-एएसएन-डीयूजे-जीएमयू-13-26-1,** 22.01.2026 को 13.40 बजे और जनरल माइनर यूनिट के अंतर्गत 05 वर्ष की अवधि के लिए दुबराजपुर रेलवे स्टेशन (कैटेगरी ई) में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर यूडीएल छोर पर प्लेटफॉर्म शेड के नीचे मॉडुलर कैटरिंग स्टॉल 10'X6' (60 वर्गफीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। (3) **एए/3, सीएटीजी-एएसएन-यूडीएल-एसएमयू-144-26-2,** 22.01.2026 को 13.50 बजे और स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू) के अंतर्गत 05 वर्ष की अवधि के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित अंडाल रेलवे स्टेशन (कैटेगरी डी) में प्लेटफॉर्म नं. 3-4 पर प्लेटफॉर्म शेड के पास मॉडुलर कैटरिंग स्टॉल 10'X6' (60 वर्गफीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान।
ASN-297/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गुमानी प्रीमियम लीग के दूसरे सेमीफाईनल मैच जीतकर अगलोई की टीम पहुंची फाइनल में

संवाददाता

साहेबगंज, बरहरवा। प्रखंड क्षेत्र के श्रीकुंड स्थित मिल्लत हाई स्कूल मैदान में खेले जा रहे गुमानी प्रीमियर लीग सीजन-8 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अगलोई पंचायत की टीम ने रोमांचक संघर्ष में श्रीकुंड पंचायत को 2 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। टॉस जीतकर अगलोई पंचायत ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीकुंड पंचायत की टीम ने निर्धारित 16 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाए। श्रीकुंड की ओर से अब्दुल रहमानी ने 22 गेंदों पर 41 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जबकि अकीब जावेद (रुबेल) ने 23 रन और जितेश शर्मा ने नाबाद 20 रनों का योगदान दिया। अगलोई की ओर से गेंदबाजी में कार्तिक शर्मा ने 3 विकेट झटके, वहीं नवीद अंजुम और दीपू गायल को 2-2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अगलोई पंचायत की टीम की शुरुआत साधारण रही, लेकिन दीपू गायल ने एक छोर संभालते हुए मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने मात्र 25 गेंदों में 8 छक्के और 4 चौकों की मदद से नाबाद 69 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनके अलावा अजाद ने 19 रन और कार्तिक शर्मा ने 19 रनों का अहम योगदान दिया। श्रीकुंड की ओर से कप्तान नवीद अंजुम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए, जबकि अब्दुल रहमानी और विक्की को 2-2 सफलता मिली। अंततः अगलोई पंचायत की टीम ने 15.2 ओवर में 8 विकेट खोकर 160 रन बनाते हुए मुकाबला 2 विकेट से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अगलोई पंचायत ने फाइनल में जगह बना ली है, जहां उसका मुकाबला 11 जनवरी को कोटालपोखर पंचायत से होगा। मैच के दौरान मैदान पर दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा और मुकाबला अंत तक बेहद रोमांचक बना रहा। मैच में उल्लेखनीय प्रदर्शन को देखते हुए दीपू गेल को मैन ऑफ़ द मैच से सम्मानित किया गया। वहीं टीम के कप्तान सफाउर रहमान ने कहा कि जीपीएल में अगलोई पंचायत टीम ने दूसरी बार फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन अब तक खिताब से दूर हैं। इस सीजन खिताब अपने नाम करेंगे। वहीं टीम के मैनेजर और मुखिया प्रतिनिधि रमजान अली ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए फाइनल के लिए शुभकामनाएं दी।

पूर्व रेलवे

बिड संख्या: जीईएम/2026/बी/7063052, दिनांक: 02.01.2026, सहायक पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक, पूर्व रेलवे, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए बोली आमंत्रित की जाती है: **वस्तु श्रेणी**: सेवाओं के लिए कस्टम बिड-हावड़ा स्टेशन ओल्ड कॉम्प्लेक्स प्लेटफॉर्म 1 से 15 एवं संबंधित क्षेत्रों की 2 वर्ष या 730 दिनों की अवधि के लिए परिणाम आधारित रैग पिकिंग सहित यंत्रचालित सफाई एवं निर्धारित कचरापेटी में गंदगी को उठाना, **समान श्रेणी**: सफाई, स्वच्छता एवं कीटाणुरोधन सेवा-परिणाम आधारित। **अनुमानित बिड मूल्य** : रु.7,32,42,563.17, **ईएमडी विवरण: एडवाइजरी बैंक**: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। **ईएमडी राशि** : रु.5,16,220/-, **अनुबंध अवधि**: 2 वर्ष। **बिड पेशकश वैधता (बंद होने की तारीख से) :** 90 दिन। **बिड बंद होने की तारीख/समय**: दिनांक 23.01.2026 को 14.00 बजे। **बिड खुलने की तारीख/समय**: दिनांक 23.01.2026 को 14.30 बजे। **बिडर का न्यूनतम औसत वार्षिक टर्नओवर (3 वर्षों का)**: रु.367 लाख। **उन्हीं/समान सेवाओं के लिए अपेक्षित विगत अनुभव के वर्ष** : 3 वर्ष। **इसी तरह की सेवाओं का पिछला आवश्यक अनुभव है :** हाँ। **एमएसएमई के लिए अनुभव के वर्षों और टर्नओवर से छूट प्रदान की गई है**: नहीं। **स्टार्टअप के लिए अनुभव के वर्षों और टर्नओवर से छूट प्रदान की गई है** : नहीं। **विक्रेता से मांगे गए दस्तावेज़** : अनुभव मापदंड, बिडर टर्नओवर, प्रमाणपत्र (एटीसी में अनुरोध किया गया), *यदि कोई बिडर अनुभव/टर्नओवर के मानदंड से छूट चाहता है, तो ऐसी छूट के लिए उनकी पात्रता को प्रमाणित करने वाले समर्थित दस्तावेज क्रेता द्वारा अवश्य ही मूल्यांकन के लिए अपलोड किए जाएं। **क्या आप निविदाकारों द्वारा अपलोड किए गए दस्तावेज़ों को निविदा में भाग लेने वाले सभी निविदाकारों को दिखाना चाहते हैं?:** हाँ (निविदा/बोली प्रक्रिया के दौरान स्पष्टीकरण/प्रतिनिधित्व के अंश के तौर पर जमा किए गए दस्तावेज़ लॉगिन के बाद भाग लेने वाले अन्य निविदाकारों को भी प्रदर्शित किए जाएंगे)। **बिड से रिवर्स नीलामी सक्रिय किया**: नहीं। **बिड का प्रकार** : दो पैकेट बिड। **तकनीकी मूल्यांकन के दौरान तकनीकी स्पष्टीकरण हेतु अनुमत समय** : 2 दिन। **मूल्यांकन पद्धति :** कुल मूल्यवार मूल्यांकन। **ईपीबीजी विवरण : एडवाइजरी बैंक** : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। **ईपीबीजी प्रतिशत(%)** : 5.00
HWH-517/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

खेतों में उगाई मेहनत की फसल, बनी सफलता की कहानी

» वैज्ञानिक खेती से प्रगतिशील किसान बने जामिरुल शेख

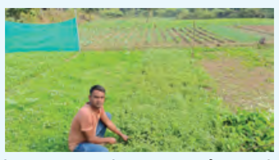

पाकुड़ ।पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने से किसान किस प्रकार अपनी आय और सामाजिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं, इसका प्रेरणादायक उदाहरण हैं प्रगतिशील किसान श्री जामिरुल शेख। श्री जामिरुल शेख, पिता स्व. शेख लखीपुर, ग्राम लखीपुर, पंचायत रामपुर, प्रखंड महेशपुर, जिला पाकुड़ के निवासी हैं। वे लगभग 1.33 एकड़ सिंचित भूमि पर खेती करते हैं। प्रारंभिक दौर में वे खरीफ में धान तथा रबी में गेहूं, सरसों, चना एवं पारंपरिक सब्जियों की खेती करते थे। उस समय खेती पारंपरिक तरीकों से होने के कारण आय सीमित थी, जिससे परिवार का भरण-पोषण चुनौतीपूर्ण हो गया था आत्मा से जुड़ाव ने बदली तस्वीर वर्ष 2020 में आत्मा, महेशपुर के सहायक तकनीकी प्रबंधक शांतनु कुमार शील के संपर्क में आकर उन्होंने कृषि विभाग से प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने वैज्ञानिक विधियों को अपनाकर खेती करना शुरू किया। इस बदलाव ने न केवल उन्हें एक प्रगतिशील किसान के रूप में पहचान दिलाई, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ। सब्जी और फल उत्पादन से बढ़ी आमदनी आज जामिरुल शेख गेहूं-धान के साथ-साथ ब्रोकली, मटर, खीरा, ओल, अदरक, मिर्च सहित विभिन्न उन्नत किस्म की सब्जियों और फसलों का उत्पादन कर रहे हैं। आत्मा, पाकुड़ के माध्यम से उन्हें 100 प्रतिशत अनुदान पर उन्नत सब्जी बीज उपलब्ध कराया गया। वहीं उद्यान विभाग से मल्चिंग पेपर, वर्मी कम्पोस्ट इकाई एवं कीट-रहित सब्जी उत्पादन इकाई का भी लाभ मिला। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से वैज्ञानिक खेती को मिला आधार सहायक तकनीकी प्रबंधक के मार्गदर्शन में शेख ने मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना के अंतर्गत खेत की मिट्टी की जांच कराई। मोबाइल ऐप के माध्यम से मिट्टी नमूना संग्रह कर प्रयोगशाला भेजा गया, जिसके उपरांत उन्हें मृदा स्वास्थ्य कार्ड (SHC) प्राप्त हुआ। कार्ड में दी गई अनुशंसाओं के अनुसार उर्वरकों के संतुलित उपयोग से फसल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। समाज के लिए प्रेरणा बने जामिरुल शेख जामिरुल शेख स्नातक शिक्षित हैं और खेती के प्रति विशेष रुचि रखते हैं। वे समूह गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं और अन्य किसानों को वैज्ञानिक खेती के लिए प्रेरित करते हैं। उनके प्रयासों से गांव में कृषि को लेकर नई सोच और उत्साह का संचार हुआ है। *निष्कर्ष जामिरुल शेख बताते हैं कि आत्मा, कृषि विभाग एवं उद्यान विभाग के संयुक्त प्रयासों से सीमित भूमि पर भी उत्पादन और आय में वृद्धि संभव हो सकी है। उनकी सफलता की कहानी यह सिद्ध करती है कि सही प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और मेहनत से किसान न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त कर सकते हैं।

सदर अनुमंडल क्षेत्र में विधि-व्यवस्था एवं नगर निगम चुनाव की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक

हज़ारीबाग ।आज सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय की अध्यक्षता में सदर अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत विधि-व्यवस्था संधारण तथा आसन्न नगर निगम चुनाव को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के सभी अंचल अधिकारी (सीओ) एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर विशेष सतर्कता बरतने तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही, नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने निर्वाचन संबंधी तैयारियों की समीक्षा करते हुए मतदान केंद्रों की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, आदर्श आचार संहिता के अनुपालन तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों पर विशेष जोर दिया। बैठक में सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में नियमित निगरानी रखें एवं समय-समय पर अद्यतन प्रतिवेदन अनुमंडल कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि सदर अनुमंडल क्षेत्र में कानून-व्यवस्था एवं निर्वाचन प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराई जा सके।

होटल चाणक्या बी.एन.आर. में आयोजित राष्ट्रीय बहुभाषी शिक्षा कॉन्क्लेव का उद्घाटन

परिहार। राजधानी रांची के होटल चाणक्या बी.एन.आर. में आयोजित राष्ट्रीय बहुभाषी शिक्षा कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि झारखंड भाषायी विविधता का जीवंत उदाहरण है और बहुभाषी शिक्षा ही राज्य की सांस्कृतिक पहचान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि माँ ही बच्चे की पहली शिक्षिका होती है, इसलिए मातृभाषा आधारित शिक्षा से ही बच्चों की समझ और व्यक्तित्व का सही विकास संभव है। मंत्री ने चिंता जताई कि जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएँ लुप्त होने के कगार पर हैं और इन्हें बचाने के लिए बच्चों को उनकी अपनी भाषा में शिक्षा देना जरूरी है। सुदिव्य कुमार ने पलाश परियोजना को आठ से बढ़ाकर चौबीस जिलों तक ले जाने और खोरठा, नागपुरी, कुरमाली व पंचपरगनिया जैसी भाषाओं को शिक्षा व्यवस्था में मजबूत रूप से शामिल करने की मांग की उन्होंने विश्वास जताया कि यह दो दिवसीय कॉन्क्लेव झारखंड की स्कूली शिक्षा को नई दिशा देगा

आदिवासी संस्कृति और परंपरा का उल्लासपूर्ण संगम

संवाददाता

पाकुड़। बुधवार को पुलिस केंद्र, पाकुड़ स्थित शहीद अमरजीत बलिहार स्टेडियम में सोहराय महापर्व मिलन समारोह का भव्य एवं उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल आदिवासी संस्कृति और परंपरा का उत्सव बना, बल्कि पुलिस परिवार और समाज के बीच आपसी भाईचारे एवं सामाजिक समरसता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता नजर आया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निधि द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक, पाकुड़ रहीं। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया और उपस्थित सभी पदाधिकारियों, जवानों एवं अतिथियों को सोहराय महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।प्रकृति और मानव के संतुलन का पर्व है सोहराय अपने संबोधन में एसपी निधि द्विवेदी ने कहा कि सोहराय महापर्व आदिवासी समाज की गहरी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा पर्व है, जो प्रकृति, पशुधन और मानव जीवन के बीच संतुलन का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने की प्रेरणा देते हैं।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों को आत्मसात करें और आने वाली पीढ़ियों तक इन्हें संरक्षित रखें। साथ ही उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सोहराय पर्व को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।पारंपरिक गीत-नृत्य ने मोहा मन मिलन समारोह के दौरान प्रस्तुत पारंपरिक सोहराय गीतों और नृत्यों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियों से पूरा परिसर उत्सवमय हो उठा। कार्यक्रम स्थल को पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया गया था, जिससे आदिवासी संस्कृति की झलक हर ओर दिखाई दे रही थी। पुलिस परिवार में सांस्कृतिक एकता का संदेश इस अवसर पर वरीय पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी, पुलिसकर्मी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस परिवार के भीतर आपसी सद्भाव, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक जुड़ाव को और मजबूत करना रहा। सोहराय महापर्व मिलन समारोह ने यह संदेश दिया कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत का सम्मान और संरक्षण भी समाज की मजबूती का आधार है।

» पाकुड़ पुलिस केंद्र मे हर्ष उल्लास के साथ पारम्परिक पुजा अर्चना के साथ शुरू हुई सोहराय पर्व

वेबिनार के माध्यम से धान अधिप्राप्ति की समीक्षा, उपायुक्त ने दिए कड़े निर्देश

संवाददाता

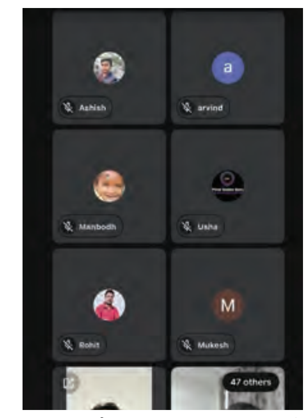

हज़ारीबाग ।उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं जिले के सभी पैक्सों में प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों के साथ वेबिनार के माध्यम से धान अधिप्राप्ति कार्य की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिला स्तर पर प्रतिनियुक्त सभी दण्डाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि आर्थिक रूप से पिछड़े किसानों के धान की अधिप्राप्ति प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि किसी भी परिस्थिति में बिचौलियों को हावी नहीं होने दिया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि क्रय किए गए धान को किसी भी सूरत में खुले स्थान में नहीं रखा जाए। ऐसा पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पैक्स में रखे गए धान की सुरक्षा का पूर्ण दायित्व संबंधित दण्डाधिकारी का होगा, जिसके लिए सतत निगरानी बनाए रखना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अवकाश के दिन धान क्रय का कार्य नहीं किया जाएगा। यदि किसी भी किसान को समय पर भुगतान नहीं होता है तो इसकी सूचना अविलंब जिला आपूर्ति पदाधिकारी को दी जाए। जिला आपूर्ति पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि धान अधिप्राप्ति का कार्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही संपन्न हो। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में निर्धारित 3,50,000 क्विंटल धान अधिप्राप्ति लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 1,03,000 क्विंटल, अर्थात लगभग 30 प्रतिशत धान की अधिप्राप्ति की जा चुकी है। उपायुक्त ने शेष लक्ष्य को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

9 जनवरी को पतना सीएससी में प्रखंड स्वास्थ्य मेला का होगा आयोजन, चिकित्सा प्रभारी ने प्रचार प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता

साहेबगंज, पतना । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतना, रांगा में दिनांक 9 जनवरी 2026 दिन शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य रूप से सामान्य चिकित्सा, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन परामर्श के अलावा अन्य तरह का स्वास्थ्य लाभ दिया जाएगा। साथ ही 9 जनवरी को लगने वाले प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार प्रसार हेतु आज दिनांक 7/1/26 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतना से प्रचार रथ को चिकित्सा प्रभारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर बीपीएम तदाशा मिश्रा, बीडीएम मधुसूदन महतो, एमओ कुणाल किशोर, केएसटी आशिमुल हक, एसआईएस संजय किस्कू, बीटीटी कृपा सिंधु रजक के अलावा सहिया साथी दुलारी बेसरा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पाकुड़ की पंचायतों में दिखेगा बदलाव: रिवैंप्ड RGSA के तहत 70 सदस्यीय दल दो दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर गोड्डा रवाना

संवाददाता

पाकुड़। पंचायती राज विभाग, झारखंड सरकार के निर्देशों के आलोक में पाकुड़ जिले के ग्रामीण नेतृत्व को आधुनिक और सक्षम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। रिवैंप्ड राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत, जिले के 70 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को दो दिवसीय 'एक्सपोजर विजिट' हेतु गोड्डा जिले के लिए रवाना किया गया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया। इस अवसर पर प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक (ई-पंचायत) ई० आनंद प्रकाश भी उपस्थित थे। क्षमतावर्धन और 'मॉडल पंचायत' का लक्ष्य इस दल में पंचायत राज व्यवस्था के सभी महत्वपूर्ण स्तरों का प्रतिनिधित्व शामिल है, जिसमें मुखिया, उप-मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत सचिव, पंचायत सहायक और प्रखंड समन्वयक,पंचायत राज स्वशासन परिषद के सदस्य शामिल हैं। साथ ही महिला सशक्तिकरण की कड़ी को मजबूत करने हेतु जेएसएलपीएस सीएलएफ की दो दीदियों को भी विशेष रूप से दल का हिस्सा बनाया गया है। जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने दी शुभकामनाएं- रवानगी के दौरान जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने कहा कि यह विजिट प्रतिनिधियों के विजन को बदलने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि रिवैंप्ड आरजीएसए का मुख्य उद्देश्य पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना है। गोड्डा में संचालित बेहतर मॉडल, स्वच्छता प्रबंधन और सामुदायिक विकास के कार्यों को देखकर हमारे जनप्रतिनिधि पाकुड़ की पंचायतों में भी सकारात्मक बदलाव लाएंगे। दो दिनों तक चलेगा 'सीखने का सफर' यह 70 सदस्यीय दल गोड्डा जिले की आइएसओ ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेगा। इस दौरान वहां के पंचायत सचिवालयों के सफल संचालन, सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग की बारीकियों को समझा जाएगा। दल की वापसी के बाद, प्राप्त अनुभवों को पाकुड़ की पंचायतों में कार्ययोजना बनाकर लागू किया जाएगा।

स्वास्थ्य मेला निरीक्षण में विधायक चुन्ना सिंह नायक फिल्म के अंदाज में सख्त डॉक्टर और सिविल सर्जन को लगाई कड़ी फटकार 24 घंटे डॉक्टर दवा और एंबुलेंस व्यवस्था के निर्देश

संवाददाता

जामताड़ा। करमाटांड़ प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करमाटांड़ में आयोजित स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन सारठ विधानसभा के विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने जिला परिषद उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी के साथ दीप प्रज्वलित कर किया स्वास्थ्य मेले में बाल स्वास्थ्य टीकाकरण परिवार नियोजन मोतियाबिंद जांच पोषण जांच दंत चिकित्सा पोस्ट विशेषज्ञ टीवी नियंत्रण आयुष चिकित्सा सामान्य ओपीडी विकलांगता आयुष्मान व आभा कार्ड धूम्रपान और तंबाकू नियंत्रण चिकित्सा सहित कई स्टॉल लगाए गए थे जहां विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहे उद्घाटन के दौरान ग्रामीणों की शिकायतों पर विधायक की नाराजगी खुलकर सामने आई और उन्होंने सिविल सर्जन आनंद मोहन सोरेन को कड़े निर्देश दिए साथ ही अस्पताल प्रभारी को सख्ती से कहा कि करमाटांड़ अस्पताल में प्रतिदिन 24 घंटे दो डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए दवाओं की पूरी व्यवस्था हो और पिछले दो महीने से खराब पड़ी एंबुलेंस को दो दिनों के भीतर दुरुस्त कर 24 घंटे सेवा शुरू कराई जाए विधायक चुन्ना सिंह ने महिला डिग्री कॉलेज को करमाटांड़ मुख्य स्थान से हटाकर बगरूडीह में स्थानांतरित करने के फैसले पर भी नाराजगी जताते हुए वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री पर निशाना साधा उन्होंने कहा कि करमाटांड़ के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है करमाटांड़ प्रखंड की छह पंचायत जामताड़ा विधानसभा और बारह पंचायत सारठ विधानसभा के अंतर्गत आती हैं इसके बावजूद मुख्य स्थान पर डिग्री कॉलेज नहीं बनाया गया जबकि कॉलेज को उन्होंने स्वयं करमाटांड़ के मुख्य क्षेत्र में स्वीकृत कराया था उन्होंने कहा कि बगरूडीह जैसे असुविधाजनक स्थान पर कॉलेज बनाए जाने से छात्राओं को आने जाने में भारी परेशानी होगी जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से जुड़कर दीपक कुमार सिंह बने पशुपालन क्षेत्र की पहचान

संवाददाता

पाकुड़ ।महेशपुर प्रखंड के सिमपुर गांव निवासी दीपक कुमार सिंह ने यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत, लगन और सरकारी योजनाओं का सही उपयोग किसी भी व्यक्ति को सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँचा सकता है। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से जुड़कर सिंह ने न केवल दुग्ध उत्पादन को एक सशक्त स्वरोजगार के रूप में विकसित किया, बल्कि क्षेत्र के अन्य पशुपालकों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का माध्यम भी बने हैं पशुपालन में रुचि बनी सफलता की नींव दीपक कुमार सिंह को बचपन से ही पशुपालन में विशेष रुचि रही है। पूर्व में उनके पिता वीरेंद्र प्रताप सिंह एवं माता विमला देवी अपने फार्म में देसी नस्ल की गायों का पालन करते थे। इसी पारिवारिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सिंह ने आधुनिक दृष्टिकोण अपनाया और अपने फार्म में विदेशी नस्ल की गायों को भी शामिल करने का निर्णय लिया। *गव्य विकास योजना से मिली नई पहचान मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत गव्य विकास योजना से जुड़कर दीपक कुमार सिंह ने 10 गायों का लाभ प्राप्त किया। वर्तमान में उनके फार्म में देसी एवं विदेशी नस्लों की विविध गायें उपलब्ध हैं, जिनमें गिर, साहिवाल, थारपारकर, गिरोलैंडो, जर्सी, फ्रीजियन सहित अन्य उन्नत नस्लें शामिल हैं। *दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि सिंह ने बताया कि वर्तमान में उनके फार्म से प्रतिदिन 100 लीटर से अधिक दूध का उत्पादन हो रहा है। गायों की नस्ल सुधार एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए वे हरियाणा से उन्नत बीर्य मंगवाकर कृत्रिम गर्भाधान भी करवा रहे हैं। बढ़ते दुग्ध उत्पादन को देखते हुए उन्होंने भविष्य में डेयरी फार्म एवं पैकेट दूध बिक्री की योजना भी तैयार की है। *अन्य पशुपालकों के लिए बने मार्गदर्शक अपनी सफलता के साथ-साथ दीपक कुमार सिंह क्षेत्र के अन्य पशुपालकों को भी मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना एवं गव्य विकास योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग पशुपालन के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें। आभार एवं निष्कर्ष दीपक कुमार सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री एवं जिला गव्य विकास पदाधिकारी डॉ अनिल कुमार सिन्हा, गव्य नोडल पदाधिकारी, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. कलीमुद्दीन अंसारी एवं भ्रमणशील पशु चिकित्सक डॉ मन्नू जायसवाल को देते हुए उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। यह सफलता कहानी दर्शाती है कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना ग्रामीण युवाओं के लिएस्वरोजगार,आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रही है।

पशुपालन दे रहा उपहार—अपने घर में अपना रोजगार

संवाददाता

पाकुड़ । पाकुड़ जिले में पशुपालन स्वरोजगार की दिशा में एक नई इबारत लिख रहा है। वन एवं पहाड़ियों से आच्छादित यह क्षेत्र जहाँ कृषि कार्य में आंशिक चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है, वहीं दूसरी ओर पशुपालन के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण भी प्रदान करता है। पशुपालन गतिविधियाँ न केवल आय का सशक्त स्रोत बन रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर व्यापक स्वरोजगार का सृजन कर पलायन रोकने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना दे रही स्वरोजगार को नए पंख ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने, पलायन पर रोक लगाने तथा राज्य को दूध, अंडा एवं मांस उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना संचालित की जा रही है। इस बहुउद्देशीय योजना के अंतर्गत गाय पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन (ब्रॉयलर एवं लेयर) तथा बत्तख पालन हेतु अनुदानित दर पर पशु/पक्षी, आवश्यक उपकरण, बीमा एवं अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।सुकर पालन से आत्मनिर्भरता की मिसाल छोटी प्रजनन इकाई से शुरू हुआ सफर, आज 30,000 प्रतिमाह की आय पाकुड़ प्रखंड के शहरकोल पंचायत अंतर्गत ग्राम आसनडिप्पा निवासी बेंजामिन किस्कु ने स्वरोजगार के रूप में सुकर पालन को अपनाया। पशुपालन विभाग से मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत सुकर विकास योजना के तहत उन्हें चार मादा एवं एक नर सुकर की लघु प्रजनन इकाई अनुदानित दर पर प्राप्त हुई। साथ ही योजना के प्रावधानों के अनुसार पशुओं का बीमा एवं खाद्यान्न भी उपलब्ध कराया गया। पिछले लगभग डेढ़ वर्षों से श्री किस्कु पशुपालन विभाग द्वारा प्रदान किए गए निःशुल्क प्रशिक्षण एवं उन्नत तकनीकों के माध्यम से सुकर पालन कर रहे हैं। प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. अभिषेक यादव ने उनके फार्म निरीक्षण के दौरान बताया कि अब तक किस्कु द्वारा लगभग 30 व्यस्क सुकरों का उत्पादन किया जा चुका है, जिनमें से कई का सफलतापूर्वक विक्रय भी किया गया है। इस गतिविधि से उन्हें औसतन 30,000 प्रतिमाह की आय हो रही है आर्थिक सशक्तिकरण और प्रेरणा का स्रोत बेंजामिन किस्कु ने बताया कि पशुपालन ने उनके आर्थिक जीवन को पूरी तरह बदल दिया है और अब वे स्वयं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महसूस करते हैं। उन्होंने जिले के अन्य युवाओं से अपील किया कि वे भी पशुपालन को अपनाकर स्वरोजगार की राह चुनें और राज्य के विकास में अपना योगदान दें

राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में जामताड़ा के खिलाड़ियों का परचम

संवाददाता

जामताड़ा ।झारखंड टीम बनी द्वितीय उपविजेता उपायुक्त ने किया सम्मानित उड़ीसा के राउरकेला में आयोजित आठवीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में झारखंड राज्य की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया जिसमें जामताड़ा जिले के खिलाड़ियों की भूमिका सराहनीय रही इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जामताड़ा जिले की सामर्थ्य सेल्फ डिफेंस एकेडमी के कुल छह खिलाड़ियों ने अपने अपने भार वर्ग में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर जिले और राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों एवं उनके कोच को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में उपायुक्त रवि आनंद द्वारा माला पहनाकर एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया सम्मान समारोह के दौरान उपायुक्त ने खिलाड़ियों की मेहनत लगन और अनुशासन की प्रशंसा की और कहा कि कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी उपायुक्त ने खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन के बल पर ये खिलाड़ी आने वाले समय में जिला राज्य और देश के लिए पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करेंगे उन्होंने सभी खिलाड़ियों से बारी बारी परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल भी बढ़ाया इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार सामर्थ्य सेल्फ डिफेंस एकेडमी के निदेशक सह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दीपक दुबे डॉ भास्कर चांद सूरज कुमार पासवान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे खिलाड़ियों के कोच दीपक दुबे ने कहा कि जब जिले के उपायुक्त स्वयं खिलाड़ियों को सम्मानित करते हैं तो यह खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों दोनों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय होता है उन्होंने इसके लिए आभार प्रकट किया और विश्वास जताया कि जामताड़ा के खिलाड़ी भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 के पदक विजेता खिलाड़ी समृद्ध आर्य स्वर्ण पदक देवव्रत मंडल स्वर्ण पदक वीरा शर्मा स्वर्ण पदक अमित शर्मा स्वर्ण पदक सुब्रदीप सरकार रजत पदक रुद्र प्रताप चौहान कांस्य पदक सभी खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जामताड़ा जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया

राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप: जामताड़ा के खिलाड़ियों ने बिखेरा जलवा, उपायुक्त रवि आनंद ने किया सम्मानित

संवाददाता

जामताड़ा। उड़ीसा के राउरकेला में आयोजित 'आठवीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप–2025' में जामताड़ा जिले के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राज्य और जिले का नाम रोशन किया है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में झारखंड की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए 'द्वितीय उपविजेता' का खिताब अपने नाम किया, जिसमें जामताड़ा के सामर्थ्य सेल्फ डिफेंस एकेडमी के खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। राष्ट्रीय स्तर पर चार स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर लौटे इन नन्हे चैंपियन और उनके कोच को आज समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में सम्मानित किया गया। जिले के उपायुक्त श्री रवि आनंद ने सभी विजेता खिलाड़ियों को माला पहनाकर और विशेष उपहार भेंट कर उनका हौसला बढ़ाया। सम्मान समारोह के दौरान उपायुक्त ने हर खिलाड़ी से व्यक्तिगत रूप से परिचय प्राप्त किया और उनकी इस उपलब्धि की सराहना की। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त रवि आनंद ने कहा, "इतने कम उम्र में जब खिलाड़ी राष्ट्रीय मंच पर पदक जीतते हैं, तो यह पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण होता है। इन बच्चों की मेहनत और अनुशासन निश्चित रूप से जामताड़ा के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करेगी।" उन्होंने उम्मीद जताई कि ये खिलाड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का तिरंगा लहराएंगे। सामर्थ्य सेल्फ डिफेंस एकेडमी के निदेशक सह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दीपक दुबे ने उपायुक्त के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा इस तरह का सम्मान मिलने से खिलाड़ियों का मनोबल दोगुना हो जाता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जामताड़ा के खिलाड़ी आने वाली प्रतियोगिताओं में और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपनी चमक बिखेरने वाले पदक विजेता खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

समृद्ध आर्य: स्वर्ण पदक (Gold)

देवव्रत मंडल: स्वर्ण पदक (Gold)

वीरा शर्मा: स्वर्ण पदक (Gold)

अमित शर्मा: स्वर्ण पदक (Gold)

सुब्रदीप सरकार: रजत पदक (Silver)

रुद्र प्रताप चौहान: कांस्य पदक (Bronze)

इस गौरवशाली अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी श्री तूफान कुमार पोद्दार, डॉ. भास्कर चांद, श्री सूरज कुमार पासवान सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिन्होंने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

झारखंड की अस्मिता के असली नायक हैं शहीद शेख भिखारी और राजा टिकट उरांव: मौलाना अब्दुल रकीब अंसारी

संवाददाता

जामताड़ा। ऑल इंडिया पसमांदा उलेमा बोर्ड के राष्ट्रीय प्रवक्ता मौलाना अब्दुल रकीब अंसारी ने 1857 के महासंग्राम के अमर शहीदों को याद करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि शहीद शेख भिखारी अंसारी और राजा टिकट उरांव झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के वे महानायक हैं जिनकी कुर्बानी ने आजादी की बुनियाद रखी, लेकिन विडंबना यह है कि इतिहास के पन्नों में उन्हें वह स्थान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। मौलाना अंसारी ने जामताड़ा में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अक्सर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को मेरठ, दिल्ली और लखनऊ तक सीमित मान लिया जाता है। जबकि हकीकत यह है कि तत्कालीन छोटानागपुर (वर्तमान झारखंड) में इसका सबसे प्रचंड और संगठित रूप देखने को मिला था। यहाँ आदिवासी समाज, किसान और पसमांदा समुदाय ने मिलकर अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला दी थीं। शेख भिखारी अंसारी और राजा टिकट उरांव ने इस जनांदोलन का नेतृत्व कर हिंदू-मुस्लिम-आदिवासी एकता की एक बेमिसाल मिसाल कायम की थी। शेख भिखारी अंसारी के योगदान पर प्रकाश डालते हुए मौलाना अंसारी ने कहा कि वे एक निडर और जनप्रिय नेता थे। उन्होंने गांव-गांव जाकर लोगों को अंग्रेजों की शोषणकारी नीतियों, भारी लगान और बेगारी प्रथा के खिलाफ जागरूक किया। उनका एकमात्र लक्ष्य 'स्वदेशी राज' की स्थापना था। उनकी बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर अंग्रेजों ने धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया, लेकिन वे अंत तक अडिग रहे। वहीं, राजा टिकट उरांव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे उरांव समाज के सम्मानित मुखिया और महान योद्धा थे। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों से लोहा लिया। शेख भिखारी अंसारी के साथ उनकी जोड़ी ने यह साबित कर दिया कि आजादी की लड़ाई किसी एक वर्ग की नहीं, बल्कि साझी विरासत थी। मौलाना अंसारी ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए बताया कि 8 जनवरी 1858 को रामगढ़ की चुटूपालू घाटी में इन दोनों वीरों को सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई थी। फांसी के फंदे को चूमते हुए भी इन नायकों ने अंग्रेजों से माफी नहीं मांगी। उनका अंतिम संदेश 'मर मिटेंगे पर गुलामी स्वीकार नहीं करेंगे' आज भी झारखंड की मिट्टी में गूंजता है।

मौलाना अब्दुल रकीब अंसारी ने अफसोस जताते हुए कहा कि आजादी के बाद भी इन शहीदों को उचित सम्मान नहीं मिला। उन्होंने मांग की कि:

इन अमर शहीदों की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए।

इनके योगदान पर सार्वजनिक विमर्श और शोध को बढ़ावा दिया जाए।

युवा पीढ़ी को बताया जाए कि देश की आजादी में पसमांदा और आदिवासी समाज का बलिदान कितना गहरा है। उन्होंने अंत में कहा कि इन महानायकों की एकता और चेतना ही आज के समय में समाज को एकजुट रखने का सबसे बड़ा सबक है।

करमाटांड़ स्वास्थ्य मेला: 'नायक' अवतार में दिखे विधायक चुन्ना सिंह, अव्यवस्था पर सीएस और डॉक्टरों को लगाई कड़ी फटकार

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा जिले के करमाटांड़ प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य मेला उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सारठ विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह का 'नायक' फिल्म जैसा तेवर देखने को मिला। ग्रामीणों की शिकायतों को सुनकर विधायक ने स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों और डॉक्टरों की जमकर क्लास लगाई। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह और विशिष्ट अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वास्थ्य मेले में बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, मोतियाबिंद जांच, पोषण, दंत चिकित्सा, टीवी नियंत्रण और आयुष चिकित्सा जैसे विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे। मेले में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद थी और आयुष्मान व आभा कार्ड बनाने की भी सुविधा दी गई थी। उद्घाटन के दौरान जब विधायक को स्थानीय समस्याओं की जानकारी मिली, तो उनकी नाराजगी साफ दिखी। उन्होंने सिविल सर्जन आनंद मोहन सोरेन और अस्पताल प्रभारी को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि करमाटांड़ अस्पताल में प्रतिदिन 24 घंटे दो डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। विधायक ने इस बात पर गहरा रोष व्यक्त किया कि अस्पताल की एंबुलेंस पिछले दो महीनों से खराब पड़ी है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि एंबुलेंस को दो दिनों के भीतर दुरुस्त किया जाए ताकि ग्रामीणों को 24 घंटे आपातकालीन सेवा मिल सके। साथ ही उन्होंने अस्पताल में दवाओं की संपूर्ण व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। कार्यक्रम के दौरान विधायक चुन्ना सिंह ने राजनीतिक मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी बात रखी। महिला डिग्री कॉलेज को करमाटांड़ मुख्य स्थान से हटाकर बगरूडीह स्थानांतरित करने पर उन्होंने वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री पर तीखा हमला बोला। विधायक ने कहा, "कर्माटांड़ के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। मैंने इस डिग्री कॉलेज को मुख्य स्थान पर बनाने के लिए स्वीकृत करवाया था ताकि छात्राओं को आने-जाने में सुविधा हो। लेकिन अब इसे ऐसी जगह ले जाया गया है जहाँ छात्राओं को सुरक्षा और यातायात की भारी असुविधा होगी।" उन्होंने आगे जोड़ा कि कर्माटांड़ प्रखंड के 12 पंचायत सारठ विधानसभा में आते हैं और 6 जामताड़ा में, इसके बावजूद जनहित के स्थान को बदलकर ग्रामीणों के साथ अन्याय किया जा रहा है। विधायक द्वारा मौके पर ही अधिकारियों को फटकार लगाने और त्वरित समाधान के निर्देश देने से ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। लोगों का कहना था कि यदि जनप्रतिनिधि इसी तरह सक्रिय रहें, तो सरकारी व्यवस्थाओं में सुधार निश्चित है।

सड़क सुरक्षा माह: ओवरलोडिंग और ट्रिपल लोडिंग पर चला प्रशासन का डंडा, "सेफ ड्राइव-सेव लाइफ" के स्टिकर लगा किया जागरूक

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) के निर्देशानुसार जिले में 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026' के तहत जागरूकता और जांच अभियान तेज कर दिया गया है। अभियान के सातवें दिन बुधवार (07.01.2026) को जिला परिवहन पदाधिकारी श्री मुकेश कुमार के नेतृत्व में पोसोई मोड़ एवं मिहिजाम क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान टीम ने मुख्य रूप से भारी वाहनों में क्षमता से अधिक माल (ओवरलोडिंग) और दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी (ट्रिपल लोडिंग) पर फोकस किया। इसके अलावा चारपहिया वाहनों में भी यातायात नियमों के उल्लंघन की जांच की गई। नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों को केवल जुर्माना ही नहीं लगाया गया, बल्कि मौके पर उनकी काउंसिलिंग कर उन्हें सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया। अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा टीम और मोटरयान निरीक्षक द्वारा जांच किए गए वाहनों पर *"सेफ ड्राइव, सेव लाइफ"* के स्टीकर लगाए गए। चालकों को बताया गया कि भारी वाहनों में ओवरलोडिंग से वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है, जो गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनता है। प्रशासन का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई से ज्यादा लोगों की जान-माल की रक्षा करना और उन्हें जागरूक बनाना है। जिला परिवहन पदाधिकारी मुकेश कुमार ने सभी वाहन मालिकों और चालकों से अपील करते हुए कहा, "सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु दर को कम करने के लिए नियमों का पालन अनिवार्य है। ओवरलोडिंग और ट्रिपल लोडिंग न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह आपकी और दूसरों की जान को खतरे में डालता है। सुरक्षित ड्राइविंग को अपनी आदत बनाएं।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान इस तरह के औचक निरीक्षण और जागरूकता कार्यक्रम पूरे जिले में निरंतर जारी रहेंगे। इस महत्वपूर्ण जांच अभियान में मुख्य रूप से मोटरयान निरीक्षक बरकत अंसारी, सड़क सुरक्षा टीम के तौसीफ जलीली, सतीश कुमार सिंह, माज आलम, विमलेश कुमार एवं अन्य कर्मी सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

राजकीयकृत गुलाब राय गुटगुटिया प्लस टू विद्यालय में सड़क सुरक्षा की अलख: हेलमेट पहनने वाले चालकों का कराया गया मुंह मीठा

संवाददाता

जामताड़ा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को करमाटाड़ प्रखंड के राजकीयकृत गुलाब राय गुटगुटिया प्लस टू विद्यालय में 'सड़क सुरक्षा सह जागरूकता कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने बड़े उत्साह के साथ सड़क पर उतरकर लोगों को सुरक्षा का संदेश दिया। विद्यालय के सड़क सुरक्षा नोडल शिक्षक नीतेश सेन के कुशल निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखे पोस्टर और बैनर लेकर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी। विद्यालय परिवार ने आम जनता से अपील की कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। साथ ही, अभिभावकों को विशेष हिदायत दी गई कि वे 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी परिस्थिति में बाइक या अन्य वाहन न दें। जागरूकता अभियान के दौरान एक प्रेरक पहल देखने को मिली। सड़क पर जो भी बाइक चालक हेलमेट पहनकर और यातायात नियमों का पालन करते हुए पाए गए, विद्यालय परिवार ने उनका मुंह मीठा कराकर उन्हें प्रोत्साहित किया। शिक्षकों ने उनसे निवेदन किया कि वे भविष्य में भी इसी तरह नियमों के प्रति सजग रहें और दूसरों के लिए मिसाल बनें। इस अनूठी पहल की स्थानीय लोगों ने काफी सराहना की। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक और शिक्षकों ने संयुक्त रूप से कहा कि जागरूकता ही सड़क दुर्घटनाओं को कम करने का एकमात्र उपाय है। शिक्षक संजय कुमार, लालन भैया, महादेव गोराई, और सीता दास ने बताया कि सड़क सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि जीवन बचाने की एक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के नोडल शिक्षक नीतेश सेन के साथ-साथ शिक्षक संजय कुमार, लालन भैया, महादेव गोराई, सीता दास एवं अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने इस अभियान को एक जन-आंदोलन का रूप दिया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह: साहिबगंज के चौक-चौराहों पर जागरूकता की गूंज, DTO के नेतृत्व में चला सघन अभियान

संवाददाता

साहिबगंज। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के सातवें दिन बुधवार को साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी (DTO) श्री मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में विभाग की पूरी टीम ने जिले के विभिन्न बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशन, टेंपो-टोटो स्टैंड और प्रमुख चौराहों पर उतरकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने आधुनिक संसाधनों का सहारा लिया। जिले भर में सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ और LED वैन को रवाना किया गया। इन वैनों के माध्यम से ऑडियो क्लिप्स का प्रसारण कर और वीडियो दिखाकर लोगों को यातायात नियमों की सरल जानकारी दी गई। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले का कोई भी नागरिक जानकारी के अभाव में दुर्घटना का शिकार न हो।

अभियान के दौरान विशेष रूप से बस चालकों, कंडक्टरों और टेंपो-टोटो चालकों के साथ संवाद किया गया। DTO मिथिलेश कुमार चौधरी ने स्वयं उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि वाहन चालकों की थोड़ी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे सकती है। उन्होंने चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनने और दुर्घटना दर को न्यूनतम करने के लक्ष्य में सहयोग करने की अपील की। आम जनमानस के बीच सड़क सुरक्षा से संबंधित पम्पलेट, बुकलेट और हैंडबिल का वितरण किया गया। इन सामग्रियों में सड़क संकेतों, ड्राइविंग लाइसेंस की अनिवार्यता और सुरक्षित ड्राइविंग के सुझाव दिए गए थे।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन ही सुरक्षित जीवन की एकमात्र कुंजी है। विशेष रूप से:

दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना।

चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट का प्रयोग।

बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाना।

नशे की हालत में ड्राइविंग से बचना।

इस जागरूकता कार्यक्रम में एम.वी.आई. अभिषेक मुंडा एवं कुमार उत्कर्ष, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, आरपीएफ एसआई रविन्द्र तिवारी, सड़क सुरक्षा योद्धा ओम प्रकाश पंडित (प्रजापति बाबा), अभिषेक वत्स, कार्तिक कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर और आईटी सहायक राजहंस सहित परिवहन विभाग के कई कर्मी उपस्थित रहे।

सक्सेस स्टोरी: मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से आत्मनिर्भर बने पाकुड़ के दीपक, डेयरी क्षेत्र में पेश की नई मिसाल

संवाददाता

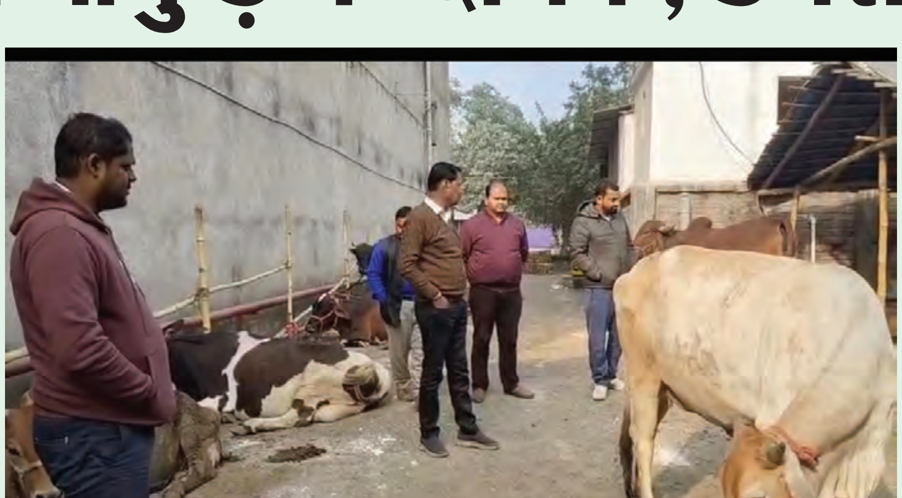

पाकुड़। कड़ी मेहनत और सरकारी योजनाओं के सही समन्वय से कैसे जीवन बदला जा सकता है, इसकी मिसाल पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड निवासी दीपक कुमार सिंह ने पेश की है। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना का लाभ उठाकर दीपक ने न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि आज वे क्षेत्र के अन्य पशुपालकों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में उभर रहे हैं। सिमपुर गांव के रहने वाले दीपक कुमार सिंह को पशुपालन की प्रेरणा अपने माता-पिता, श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह और श्रीमती विमला देवी से मिली। उनके माता-पिता पारंपरिक रूप से देसी नस्ल की गायों का पालन करते थे। दीपक ने इस पारिवारिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इसमें आधुनिक दृष्टिकोण जोड़ा और उन्नत नस्ल की गायों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को व्यवसाय के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया। दीपक की सफलता में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना (गव्य विकास योजना) ने संजीवनी का काम किया। इस योजना के माध्यम से उन्हें 10 उन्नत नस्ल की गायों का लाभ प्राप्त हुआ। वर्तमान में उनके फार्म में न केवल देसी नस्लें जैसे गिर, साहिवाल और थारपारकर मौजूद हैं, बल्कि विदेशी नस्ल की गिरोलैंडो, जर्सी और फ्रीजियन गायें भी उनके फार्म की शोभा बढ़ा रही हैं। दीपक सिंह ने बताया कि आधुनिक तकनीकों और गायों की बेहतर देखभाल के कारण उनके फार्म में प्रतिदिन 100 लीटर से अधिक दूध का उत्पादन हो रहा है। वे अपनी गायों की नस्ल को और बेहतर बनाने के लिए हरियाणा से उन्नत वीर्य मंगवाकर कृत्रिम गर्भाधान भी करवा रहे हैं। भविष्य की योजनाओं के बारे में उन्होंने कहा कि वे जल्द ही एक बड़ी डेयरी यूनिट स्थापित कर पैकेट दूध की बिक्री शुरू करने वाले हैं। अपनी सफलता के साथ-साथ दीपक क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी इस योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनका मानना है कि सरकार की इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं। दीपक ने अपनी इस सफलता का श्रेय झारखंड के मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन को दिया है। उन्होंने विशेष रूप से जिला गव्य विकास पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. कलीमुद्दीन अंसारी और पशु चिकित्सक डॉ. मन्नू जायसवाल के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। यह कहानी साबित करती है कि यदि सही दिशा में प्रयास किया जाए और सरकारी योजनाओं का लाभ लिया जाए, तो पशुपालन ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है।

अच्छा टेलीमार्केटर बनने के लिए आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए

एक टेलीमार्केटर वह शख्स है जो कि फोन पर किसी उत्पाद या सेवा को बेचने के लिए जिम्मेदार होता है। टेलीमार्केटर्स प्राइवेट ऑफिस, कॉल सेंटर या घर से भी काम कर सकते हैं। चूंकि टेलीमार्केटर्स अपने ग्राहकों से फेस-टू-फेस नहीं मिलते हैं इसलिए अच्छी टेली मार्केटिंग स्किल होना बहुत जरूरी है। अच्छा टेलीमार्केटर बनने के लिए आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए

जो आप बेच रहे हैं उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानें। आपको इस बात की अच्छी समझ होनी चाहिए कि यह क्या है, कैसे काम करता है और किस तरह से संभावित ग्राहकों के लिए उपयोगी है। इसके अलावा, जो आप बेच रहे हैं उसे लेकर आपमें विश्वास होना जरूरी है।

जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी रखें। एक अच्छा टेलीमार्केटर केवल उत्पाद या सेवा नहीं बेचता बल्कि वह कंपनी का भी प्रतिनिधित्व करता है। आपको यह बताने योग्य होना चाहिए कि ग्राहकों को उनके प्रतिद्वंदियों की बजाए उन्हें क्यों चुनना चाहिए। कंपनी का इतिहास, उसकी सोच, मिशन, ग्राहकों के रिव्यूज और इंडस्ट्री रेटिंग्स पता होना चाहिए। आप यह समझें कि सेल्स प्रोसेस क्या है। इसमें क्लोजिंग पेपरवर्क, बिलिंग, शिपिंग, रिफंड/रिटर्न पॉलिसी, कस्टमर सर्पोट और उन्हें जरूरी फॉलोअप शामिल है। अपनी स्क्रिप्ट की प्रैक्टिस कर लें। जब तक आप इसमें सहज न हो जाएं इसे तेज पढ़े।

कॉन्फिडेंस दिखाएं

एक अच्छा टेलीमार्केटर अधिकार से बोलता है जिससे ग्राहकों के दिमाग में बात अच्छे से चले जाती है। अगर आपकी तैयारी पूरी है तब आपको आपके कॉल करने और आपकी कंपनी के बारे में विश्वास के साथ बात करना चाहिए।

प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स

धीरे लेकिन तेज और साफ बोले ताकि आपके कस्टमर को बात आसानी से समझ आ जाएं। बुदबुदाएं नहीं। अपना परिचय दें और बातचीत में जितनी जल्दी हो सके कॉल का मकसद बताएं। रूके और आगे बढ़ने के लिए उनकी प्रतिक्रिया का इंतजार करें। बहुत ज्यादा या बहुत कम बोलने से बचे बल्कि संतुलित वार्तालाप करें। बहुत ज्यादा फिलर्स का उपयोग करने से बचें।

सपाट न हो टोन

टेलीमार्केटिंग में स्क्रिप्ट्स बहुत आम बात है विशेषकर कॉल सेंटर के माहौल में। लेकिन यह संभव है कि आप उस तरह बोले कि ऐसा न लगे कि आप पेपर से पढ़कर बोल रहे हैं। धीरे-धीरे सांस लें और कॉल करने से पहले रिलेक्स हो जाएं।

पॉजिटिव मेंटल एटिट्यूड

याद रखे कि कुछ लोग आपका कॉल एक्सपेक्ट नहीं कर रहे होंगे और इसके लिए ग्रहणशील न हो। इसमें कोई नई बात नहीं है कि आपकी बात में एक रूचि लेने वाले ग्राहक के पहले कई ग्राहक अच्छे टेलीमार्केटर को भी रिजेक्ट कर देंगे।

दुबई में चाहिए नौकरी तो इन चीजों की तैयारी करना अभी से कर दें शुरू

दुबई में नौकरी करने का सपना कई लोगों का होता है। हालांकि यहां नौकरी पाने के लिए आपको कुछ चीजों के बारे में जान लेना चाहिए।

ज्यादातर लोग अपने करियर के किसी ना किसी पड़ाव पर विदेश जाकर नौकरी करने का सोचते हैं। विदेश में नौकरी करना कई लोगों का सपना होता है। खासकर भारत से दुबई जाने में ज्यादा खर्च नहीं आता है। यह भी एक कारण है जिसके वजह से लोग दुबई जाकर नौकरी करते है। अगर आप भी दुबई में नौकरी करने का प्लान कर रहे हैं तो इन चीजों के बारे में जान लें।

अंग्रेजी सीख लें

अगर आपको दुबई में नौकरी करना है तो आपकी अंग्रेजी ठीक होनी चाहिए। अगर आपकी अंग्रेजी ठीक नहीं है तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत हो सकती हैं। अगर आपकी अंग्रेजी ठीक है तो आपको आसानी से किसी भी पोस्ट की नौकरी मिल जाएगी।

कम्युनिकेशन स्किल्स

आपको अपने कम्युनिकेशन स्किल्स पर विशेष ध्यान देने की जरूरत हैं। अगर आपका कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छा है तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत नहीं होगी। दुबई में अच्छी नौकरी के साथ आपको काफी अच्छा सैलरी भी दी जाती हैं।

दुबई में नौकरी कैसे ढूंढें

- कई लोग को यह समझ नहीं आता है कि उन्हें दुबई में नौकरी की तलाश कैसे करनी हैं। अगर आपको दुबई में नौकरी चाहिए तो आपको LinkedIn की मदद से नौकरी की तलाश करना चाहिए।
- इसके अलावा आप चाहे तो Indeed की मदद से भी नौकरी मिल सकती हैं।
- जब तक आपको नौकरी नहीं मिलती हैं तब तक आप टूरिस्ट वीजा पर दुबई जाकर नौकरी की तलाश कर सकते हैं।

युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर कारगर है बैचलर ऑफ वोकेशन डिग्री

बैचलर ऑफ वोकेशन डिग्री उन युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर कारगर साबित होता है जो अच्छी नौकरी और बेहतर लाइफस्टाइल के नवीन अवसरों व स्किल्ड जॉब्स की तलाश में रहते हैं।

सभी लोग एजुकेशन के बाद अच्छी नौकरी, वेतन और करियर के साथ बेहतर भविष्य चाहते हैं। इसके लिए छात्र देश से लेकर विदेश तक जाकर पढ़ाई भी जमकर करते हैं। क्योंकि जितनी अच्छी नौकरी होगी, उतना अच्छा जीवन होगा। अच्छे करियर के लिए ज्यादातर स्टूडेंट्स साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या मैथमेटिक्स स्ट्रीम को चुनते है। इसकी एक सबसे बड़ी वजह है कन्वेंशनल इंजीनियरिंग डिग्री में सभी तरह के इम्पोर्टेन्ट अध्यन का न मिल पाना। इसी अपूर्ण को पूर्ण करने के लिए भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी अपने विभिन्न कोर्सो के माध्यम से स्टूडेंट्स को बीवोक कोर्स कराता है। जिस से सभी स्टूडेंट्स अपने स्किल को डेवलप कर अपना करियर बना सकें।

क्या है बीवोक कोर्स

यह एक तीन साल का डिग्री कोर्स होता है, जिसे विभिन्न विषयों जैसे होटल मैनेजमेंट, मेटल कन्स्ट्रक्शन, उद्यमिता विकास, हेल्थकेयर में स्किल डेवलप कराया जाता है। इसका का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है और छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण के साथ विभिन्न आधुनिक क्षेत्रों में कार्य करने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना है। इससे युवा अपने भीतर छिपे हुए हुनर को विकसित कर पाएंगे।

बीवोक कोर्स करने की योग्यता

यह कोर्स आप 10वीं के बाद भी कर सकते हैं, बशर्ते आपको दसवीं के बाद 2 साल की आईटीआई का कोर्स करना होगा, उसके बाद आप वोकेशन कोर्स कर सकते है। वहीं अगर आप 12वीं के बाद करना चाहते हैं, लेकिन कुछ सब्जेक्ट्स के लिए आपकी स्ट्रीम उस सब्जेक्ट से संबंधित होनी चाहिए। वोकेशन कोर्स की एडमिशन हर साल होता है, इसके लिए आपको इंटर्नशिप एग्जाम देना आवश्यक है। इंटर्न्स एग्जाम पास होने वाले स्टूडेंट्स का ही एडमिशन लिया जाता है। इस कोर्स में 3 साल में 6 सेमेस्टर होते है और हर सेमेस्टर में आपका एग्जाम होता है तथा आपको हर सेमेस्टर में एग्जाम पास करने के बाद आपको सर्टिफिकेट दिया जाता है। अगर आप किसी कारणवश पहले साल में इस कोर्स को छोड़ देते है तो आपको डिप्लोमा का सर्टिफिकेट भी मिलता है। वहीं तीनों साल को पूरा करेंगे तो आपको ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त होगी।

बीवोक कोर्स क्यों करें

आज के समय में छात्र अपनी स्किल डेवलप करने वाले कोर्स करने के लिए विदेश जाते हैं, क्योंकि वहां जो भी पढ़ाई होता है स्किल बेस्ड होता है। हमारे देश की सबसे बड़ी कमी है कि हम जो भी पढ़ाई करते हैं उसमें हमें जरूरी स्किल नहीं मिल पाता है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी अपने विभिन्न कोर्सेज के जरिए बच्चों को स्किल्ट्रेनिंग प्रदान करना चाहती है जिससे सभी विद्यार्थी एक बेहतर भविष्य के लिए पूर्ण रूप से तैयार हो पाए।

बीवोक कोर्स कैसे करे

आज का समय बीवोक कोर्स का है। क्योंकि एक समान होटल मैनेजमेंट या सामान्य इंजीनियरिंग की डिग्री इतनी वैल्यू नहीं रखती जितनी एक बीवोक डिग्री होती है। इसका कारण है, इसमें पढ़ाई के साथ-साथ आप स्किल्स भी सीख लेते हैं। इसमें आप विभिन्न सब्जेक्ट जैसे कि हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, होटल मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, आर्ट्स, कॉमर्स, डेयरी फार्मिंग कोर्स कर सकते हैं। वहीं टेक्निकल कोर्सेज जैसे मेडी कंस्ट्रक्शन और टेक्नीशियन जैसे कोर्स भी होते हैं। इसमें छात्रों को बेहतर ट्रेनिंग के लिए मशीन दी जाती है। हर छात्र काम की बारीकी को अच्छे से समझ सके इसके लिए स्विस ट्रेनर की निगरानी में हर छात्र को व्यक्तिगत तौर पर मशीन पर ट्रेनिंग दी जाती है। हर वर्ष छात्र को 6 महीने यूनिवर्सिटी में और बाकी 6 महीने इंडस्ट्री में ट्रेनिंग दी जाती है।

बीवोक कोर्स के बाद सैलरी

सभी चाहते हैं कि पढ़ाई पूरी होने के बाद एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी मिले। वोकेशनल कोर्स करने के बाद आप किसी भी कंपनी में फ्रेशर के तौर पर 20,000 से 30,000 से नौकरी शुरू कर सकते हैं। जिसके बाद आप अनुभव व अपने स्किल के साथ आगे बढ़ सकते हैं।

मुख्य संस्थान

- एसएमएस, लखनऊ
- एचआईएमसीएस, मथुरा
- एचआईटीएस, चेन्नई
- जैन यूनिवर्सिटी, बंगलौर
- पारूल यूनिवर्सिटी

आप भी बन सकते हैं बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन (आईबीपीएस) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में स्पेशलिस्ट ऑफिसर्स की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करता है।

इस परीक्षा में चयनित होने वाले उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। फिर रिटन एग्जाम और इंटरव्यू में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार होती है। इस परीक्षा का प्रश्नपत्र 4 भागों में बंटा होता है : रीजनिंग, इंग्लिश लैंग्वेज, प्रोफेशनल नॉलेज तथा बैंकिंग के विशेष संदर्भ में जनरल अवेयरनेस (केवल लॉ ऑफिसर स्केल 1 व 2 तथा राजभाषा अधिकारी हेतु)/ क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड (अन्य सभी स्पेशलाइजेशंस हेतु)। चलिए, जानते हैं कि इन सेक्शंस में किस तरह अच्छा स्कोर किया जा सकता है।

इंग्लिश लैंग्वेज

यह इस परीक्षा का सबसे स्कोरिंग सेक्शन है। इसमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ग्रामर तथा लैंग्वेज पर अच्छी पकड़ जरूरी होती है। आपके ग्रामर संबंधी कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होने चाहिए। साथ ही आपकी वोकैब्युलरी भी मजबूत होनी चाहिए। इस सेक्शन में आम तौर पर पैसेज बेस्ड क्वेश्चन, कॉमन एरर इन सेंटेंस, रैपिड फिलर, क्लोज टेस्ट, एंटॉनिम्स एंड सिनॉनिम्स शामिल होते हैं।

क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड

इस सेक्शन के प्रश्नों को हल करने के लिए उम्मीदवार को परीक्षा में शामिल किए गए सभी टॉपिक्स के बेसिक कॉन्सेप्ट्स की जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही इस सेक्शन में स्पीड भी महत्वपूर्ण होती है। ध्यान रहे, इस सेक्शन में कोई भी प्रश्न छोड़ें नहीं। इसकी तैयारी के दौरान किसी भी टाइप के प्रश्न को कम न आंकें। यह कभी नहीं कहा जा सकता कि किस साल किस टाइप के प्रश्नों को इस परीक्षा में ज्यादा महत्व मिल जाए। इसमें आम तौर पर नंबर सिस्टम, रेश्यो, प्रॉफिट-लॉस एंड डिस्काउंट, पर्सेंटेज, एवरेज, डेटा इंटरप्रिटेशन, टाइम एंड वर्क आदि से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया डेटा इंटरप्रिटेशन के प्रश्नों पर अधकि जोर देता है।

रीजनिंग एप्टिट्यूड

रीजनिंग सेक्शन की तैयारी के लिए मानसिक सतर्कता और लॉजिकल स्किल जरूरी है। इस सेक्शन में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति समझने के लिए मॉडल पेपर तथा पिछले वर्षों के पेपर हल करें। इसमें वर्बल एंड नॉन-वर्बल रीजनिंग के टॉपिक शामिल होते हैं, जैसे एनालॉजी, इनपुट-आउटपुट, क्लासिफिकेशन, इंफेरेंस आदि।

प्रोफेशनल नॉलेज

यह आपको अपना कंफर्ट जोन लग सकता है क्योंकि इसमें आपकी स्ट्रीम या स्पेशलाइजेशन से संबंधति प्रश्न ही पूछे जाएंगे। यहां भी आपके बेसिक कॉन्सेप्ट क्लियर होने से आप फायदे में रहेंगे।

जनरल अवेयरनेस

जनरल अवेयरनेस सेक्शन की तैयारी के लिए तो आपको लगातार समसामयिक घटनाओं से अपडेटेड रहना होगा। नियमित रूप से अखबार पढ़ते रहें। साथ ही बैंकिंग संबंधी ताजा घटनाक्रम पर नजर रखें।

15 खेलों के लिए 14 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोले जाएंगे

8 जिलों में सेंटर के लिए टेंडर के बाद वर्क ऑर्डर हो चुका

पटना, एजेंसी। नेशनल-इंटरनेशनल खिलाड़ी तैयार करने के लिए बिहार में 14 खेलों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की कवायद शुरू हो गई है। फिलहाल 8 सेंटरों के लिए टेंडर के बाद वर्क ऑर्डर भी हो गया है। जबकि जमुई में दो सेंटर खुलेंगे, जहां बाउंड्री वॉल का काम शुरू हो गया है। ये सेंटर इस साल दिसंबर तक तैयार होंगे और अगले साल यानी 2027 से फंक्शनल होंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान 14 खेलों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोलने की घोषणा की थी। सभी जिलों में खुलेंगे खेल विभाग के सूत्रों के अनुसार भविष्य में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की संख्या 14 तक ही सीमित नहीं रहेगी। सभी 38 जिलों में ऐसे सेंटर बनाने की योजना पर काम चल रहा है। शुरुआती लक्ष्य 14 है, जिसे 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की विशेषताएं स्थानीय लोकप्रिय खेलों को बढ़ावा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोलने की योजना है। इसमें खिलाड़ियों को अपने क्षेत्र में ही उच्चस्तरीय कोचिंग और तकनीकी प्रशिक्षण के साथ खेल विज्ञान, पोषण और फिटनेस सहायता भी मिलेगी। जहां जरूरत होगी, वहां खिलाड़ियों के लिए आवासीय सुविधाएं भी रहेंगी। स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा और उन्हें प्रतिभाओं की पहचान से लेकर उनके निरंतर विकास तक का मार्गदर्शन मिलेगा। उद्देश्य है खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों या विदेश नहीं जाना पड़े। कुल मिलाकर बिहार को साल 2036 के ओलिंपिक खेलों के लिए तैयारी केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ इन सेंटरों को खोलने की योजना है।

इन खेलों के सेंटर होंगे

फुटबॉल, रेसलिंग, आर्चरी, बैडमिंटन, स्वीमिंग, एथलेटिक्स, तलवारबाजी, वेटलिफ्टिंग, साइकिलिंग, बॉक्सिंग, हॉकी, टेबुल टेनिस, रग्बी, सेपक टाकरा और कबड्डीइन जिलों में खुलेंगे कटिहार, भागलपुर, खगड़िया, औरंगाबाद, जहानाबाद, कैमूर, बक्सर, अरवल, पश्चिमी चंपारण के बेतिया में, सहरसा, सुपौल, पूर्णिया में एक-एक और जमुई में दो।

जीआई टैग से चमकेगी टिकुली पेंटिंग :हजारों कारीगरों को मिलेगा वैश्विक बाजार

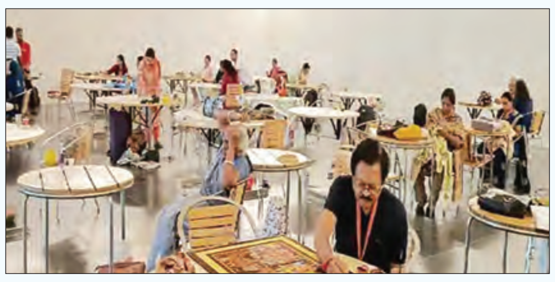

पटना, एजेंसी बिहार की पारंपरिक और विशिष्ट लोककला टिकुली पेंटिंग अब वैश्विक पहचान की दहलीज पर है। इसे भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) जल्द मिलेगा। बिहार म्यूजियम सोसायटी ने इसके लिए विधिवत आवेदन कर दिया है। आवेदन पर अब तक दो बार क्वेरी आई और सभी ज़रूरी दस्तावेजों के साथ जवाब दे दिया गया है। उम्मीद है कि मार्च 2026 तक टिकुली पेंटिंग को जीआई टैग मिल जाएगा। इस कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी और कारीगरों के लिए रोजगार, बाजार और बेहतर कीमत के नए अवसर खुलेंगे। कलाकारों और कला प्रेमियों की नज़र मार्च 2026 पर टिकी है। क्या होगा फायदा... टिकुली पेंटिंग को वैश्विक मान्यता मिलेगी।झ्र हजारों कारीगर परिवारों को स्थायी काम मिलेगा। कलाकारों को अपनी कला की उचित कीमत मिलेगी। देश-विदेश में मांग और लोकप्रियता बढ़ेगी। पारंपरिक कला की मौलिकता सुरक्षित रहेगी।झ्र टिकुली कला किस उद्देश्य से शुरू हुई बिंदी बनाने वाले कलाकारों ने रोजगार को बढ़ाने के लिए शुरुआत की। टिकुली का ऐतिहासिक काल किससे जुड़ता है? मौर्य काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। मुगल काल में इसका प्रमुख केंद्र कहाँ था पटना सिटी टिकुली का बड़ा केंद्र था। टिकुली पेंटिंग का आधुनिक रूप कब बना 1950 के बाद नवाचार से नया रूप बना और नया बाजार विकसित हुआ।

आज टिकुली पेंटिंग किस माध्यम पर बनती है मुख्य रूप से एमडीएफ बोर्ड पर बनती है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के सामने ही समर्थकों में चले लाठी-डंडे :कांग्रेस में मची अंतर्कलह का असर अब भी दिख रहा

मधुबनी, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी में मची अंतर्कलह का असर अब प्रदेश से लेकर जिले तक दिखने लगी है। मंगलवार को मधुबनी जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की ओर से आयोजित समीक्षा बैठक का आयोजन किया जाना था। वहीं बैठक से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के गाड़ी से उतरते ही नाराज दूसरे समर्थकों की ओर से नारेबाजी की जाने लगी। कुछ ही सेकेंड में यह उग्र रूप ले लिया। दोनों गुटों की ओर से लाठी डंडे बरसने लगे। कई चोटिल हुए। बाहर समर्थकों के बीच महाभारत होती रही, वहीं अंदर प्रदेश अध्यक्ष बैठक करते रहे। तकरीबन 20 मिनट तक यह खेल चलता रहा। बाद में नगर थाना की पुलिस पहुंचकर मामले को शांत करवाया। मालूम हो कि मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में मनरेगा का नाम बदलने पर प्रदर्शन का आयोजन किया गया था।

दरभंगा में आज 67 वाहनों की होगी नीलामी :अधिक बोली लगाने वाले को मिलेगी गाड़ी, उत्पाद विभाग ने जब्त की थी

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिला प्रशासन की से बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम-2016 (संशोधित 2018/2022) के तहत जब्त किए गए कुल 67 छोटे-बड़े वाहनों की नीलामी आगामी 8 जनवरी को आयोजित की जाएगी। नीलामी दरभंगा समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में पूर्वाह्न 10:30 बजे से शुरू होगी। नीलामी में शामिल वाहन पुलिस विभाग और उत्पाद विभाग की ओर से विभिन्न मामलों में जब्त किए गए थे, जिन्हें सक्षम न्यायालय एवं समाहर्त्ता-सह-जिला दंडाधिकारी की ओर से राज्यसात घोषित किया जा चुका है। विभागीय निर्देश के आलोक में गठित नीलामी समिति के माध्यम से यह प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। नीलामी में 2 पहिया, 3 पहिया सहित अन्य छोटे-बड़े विभिन्न प्रकार के वाहन शामिल हैं। इस संबंध में सहायक आयुक्त, उत्पाद विभाग, दरभंगा प्रदीप कुमार ने बताया कि नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुसार और पारदर्शी तरीके से कराई जाएगी। नीलामी में भाग लेने के लिए इच्छुक आवेदकों से आवेदन 6 जनवरी तक कार्यालय अवधि में प्राप्त किए गए थे। नीलामी के दौरान सभी पात्र आवेदक बोली लगाएंगे और सर्वाधिक बोली लगाने वाले को वाहन आवंटित किया जाएगा। जो वाहन बचेंगे उनकी नीलामी 21 जनवरी को होगी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि 8 जनवरी को किसी कारणवश सभी वाहनों की नीलामी पूरी नहीं हो पाती है, तो शेष बचे वाहनों की नीलामी 21 जनवरी को पुनः विज्ञप्ति की शर्तों के अनुसार कराई जाएगी। इसके लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 19 जनवरी निर्धारित की गई है। वहीं, किसी अपरिहार्य कारण से नीलामी तिथि में बदलाव होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस या समाहर्त्ता के आदेशानुसार नई तिथि घोषित की जाएगी। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि नीलामी में भाग लेने के इच्छुक लोग समय पर निर्धारित स्थल पर पहुंचें और सभी नियमों एवं शर्तों का पालन करें। प्रशासन के अनुसार यह नीलामी मद्य निषेध अभियान को प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पटना में दुकानदार की बीच सड़क पर पिटाई

पटना, एजेंसी। पाटलिपुत्र इलाके के केसरी नगर में एक दुकानदार के साथ मारपीट और लूट की घटना हुई है। यह घटना 5 जनवरी की रात 9:34 बजे की है। दुकानदार गिरधर झा का आरोप है कि अपनी दुकान बंदकर के घर जा रहे थे। इसी बीच किसी ने पीछे से उन्हें आवाज दी। पलटकर देखा तो पास की दुकान से 4 से 5 की संख्या में उनकी ओर कुछ लोग आते दिखे। पास में पहुंचकर सभी अभद्रता और गाली गलौज करने लगें। जब मैं इसका विरोध किया तो मुझे खींचकर मारने लगें। बीच सड़क पर घसीट घसीटकर पीटा। इसी में से एक ने मेरे पेट में पिस्टल सटा दी और जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट के दौरान ही मेरे कैश काउंटर से 8900 रुपए, मेरी हाथ की घड़ी और सोने की अंगूठी छीन ली। सीसीटीवी फुटेज आया सामने घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें दुकानदार को खींचकर मारते पीटते सभी आरोपी दिख रहे हैं। फिलहाल पीड़ित की ओर से राजीव नगर थाने में लिखित शिकायत की गई है। इसमें कुछ लोगों को नामजद आरोपी भी बनाया गया है। पीड़ित को आशंका है कि पूर्व के विवाद में इस घटना को अंजाम दिया गया है। आवेदन बदलने का दबाव पीड़ित गिरिधर झा का आरोप है कि जब वो थाने पर शिकायत लेकर पहुंचें तो आवेदन बदलने के लिए कहा गया। जब वो अपने साथ हुई घटना का सीसीटीवी फुटेज दिए तो आवेदन लेकर कल आने के लिए बोला गया। गवाही देने को लेकर विवाद: गिरधर झा ने बताया कि पूर्व में गवाही देने को लेकर विवाद हुआ था। इसमें से कुछ लोग जानने वाले हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले एक मामले में गवाही देने के लिए बोला गया था।

हिजाब पहनी महिलाओं की सराफा दुकानों में नो-एंट्री: नक़ाब-घूंघट

पटना, एजेंसी। बिहार में सराफा कारोबार से जुड़े व्यापारियों ने सुरक्षा को लेकर एक अहम फैसला लिया है। अब राज्य में हिजाब, नक़ाब या घूंघट पहनकर आने वाली महिलाओं को, साथ ही हेलमेट या मुरेठा पहनकर आने वाले पुरुषों को सोना-चांदी की दुकानों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस निर्णय के बाद कई सराफा दुकानों के बाहर साफ तौर पर सूचना चस्पा कर दी गई है कि हिजाब, नक़ाब, घूंघट, हेलमेट और मुरेठा पहनकर प्रवेश वर्जित है। यह फैसला किसी समुदाय या वर्ग के खिलाफ नहीं सराफा कारोबारियों का कहना है कि यह कदम किसी समुदाय या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरी तरह से सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

झ्र बीते कुछ समय से बिहार के अलग-अलग जिलों में सराफा दुकानों में लूट और चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कई मामलों में अपराधी पहचान छिपाने के लिए चेहरे ढककर दुकान में घुसते हैं और वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। ऐसे में दुकानदारों की सुरक्षा के साथ-साथ ग्राहकों की जान-माल की रक्षा भी एक बड़ी चुनौती बन गई है।

सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया निर्णय- अशोक कुमार वर्मा-इस मामले में ऑल इंडिया गोल्ड एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि, 'सराफा कारोबार हमेशा से अपराधियों के निशाने पर रहा है। हमने यह निर्णय पूरी तरह से सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया है। आए दिन दुकानों में लूटपाट की घटनाएं हो रही हैं। चेहरे ढके होने के कारण अपराधियों की पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है। इसी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।' फेस आईडेंटिफाई कराना होगा अनिवार्य सराफा एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया कि ग्राहक चाहें तो दुकान में एंट्री से पहले अपना चेहरा दिखाकर या पहचान स्पष्टकरके खरीदारी कर सकते हैं। सराफा कारोबारियों का मानना है कि इस फैसले से लूट की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और बाजार में सुरक्षा का माहौल बेहतर होगा।

नवादा मंडल कारा में कैदी की संदिग्ध मौत, परिवार ने जेल प्रशासन पर लगाया लापरवाही का आरोप

नवादा, एजेंसी। बिहार के नवादा जिले से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। नवादा मंडल कारा में बंद एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतक की पहचान हिसुआ थाना क्षेत्र के अंदर बाजार तेली टोला निवासी मनोज साव उर्फ टुनटुन साव के रूप में की गई है। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और उन्होंने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

परिजनों का कहना है कि मनोज साव को पूरी तरह स्वस्थ हालत में हिसुआ थाना पुलिस ने 21 दिसंबर 2025 की शाम करीब 6 बजे उनके घर से गिरफ्तार किया था। अगले दिन 22 दिसंबर को उन्हें न्यायिक हिरासत में नवादा मंडल कारा भेज दिया गया। मृतक की पत्नी संजू देवी ने बताया कि उनके पति को किसी तरह की कोई बीमारी नहीं थी और वे पूरी तरह स्वस्थ थे। बावजूद इसके मंगलवार, 06 जनवरी 2026 को जेल प्रशासन की ओर से उन्हें सूचना दी गई कि जेल में मनोज साव की मौत हो गई।

मृतक के पुत्र सन्नी कुमार ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को उन्होंने अपने पिता से जेल में मुलाकात की थी। उस समय पिता ने किसी भी तरह की तबीयत खराब होने की बात नहीं बताई थी और न ही किसी परेशानी का जिक्र किया था। अचानक मौत की खबर ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। परिजनों का आरोप है कि उन्हें अब तक यह स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई कि मनोज साव की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई।

घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि मनोज साव की मौत हो चुकी है। इसके बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जेल में उनके साथ प्रताड़ना की गई होगी, जिससे उनकी मौत हो गई।

मृतक की पत्नी संजू देवी ने भावुक होते हुए कहा कि उनके पति ही परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उन्होंने कहा, 'मेरे पति हमारे घर को मेहनत से चलाते थे। आज हमारे सिर से छत छिन गई है। मैं इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग करती हूं। जो भी लोग मेरे पति की मौत के जिम्मेदार हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मुझे न्याय चाहिए और मेरे परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।'

इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जेलों में बंद कैदियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर प्रशासन को गंभीर होना चाहिए। सवाल उठ रहे हैं कि अगर कैदी पूरी तरह स्वस्थ था, तो कुछ ही दिनों में उसकी मौत कैसे हो गई। वहीं इस मामले पर जेल प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। प्रशासन के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अब सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्रशासनिक जांच पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि क्या मृतक के परिजनों को न्याय मिल पाता है या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

बिहार के जनजातीय खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 15 जनवरी तक राज्य स्तरीय चयन, सात खेलों में मिलेगा मौका

नालंदा, एजेंसी। देश में पहली बार आयोजित होने जा रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2025-26 में बिहार के अनुसूचित जनजाति समुदाय के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। छत्तीसगढ़ में संभवतः 14 फरवरी से शुरू होने वाली इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने चयन प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि राज्य स्तर पर खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 15 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि चूंकि यह प्रतियोगिता केंद्र सरकार की ओर से पहली बार आयोजित की जा रही है, इसलिए चयन प्रक्रिया पारंपरिक तरीके से अलग होगी।

शंकरण के अनुसार, इस बार किसी खेल संघ या स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से सीधे खिलाड़ियों का चयन नहीं होगा। पहले चरण में राज्य स्तर पर खिलाड़ियों का चयन कर 15 जनवरी तक उनका ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इसके बाद दूसरे चरण में राष्ट्रीय खेल महासंघों के माध्यम से अंतिम चयन किया जाएगा, जिसके बाद ही खिलाड़ी खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में भाग ले सकेंगे।

सात खेलों में मिलेगा मौका- इस प्रतियोगिता में सात प्रमुख खेल विधाओं को शामिल किया गया है – तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती। महिला और पुरुष दोनों वर्गों के लिए खुली यह चैंपियनशिप आयु वर्ग की बाध्यता से मुक्त है, जो इसे और अधिक समावेशी बनाती है।

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के पास अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र और बिहार का अधिवास प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। इन दस्तावेजों के बिना कोई भी खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकेगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक ने राज्य के समस्त जिला खेल संघों से विशेष अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने जिलों में अधिक से अधिक अनुसूचित जनजाति के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों तक इस सुनहरे अवसर की जानकारी पहुंचाएं। उनका मानना है कि व्यापक प्रचार-प्रसार से ही राज्य की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाया जा सकेगा और बिहार एक मजबूत टीम के साथ राष्ट्रीय मंच पर अपना प्रतिनिधित्व कर सकेगा।

जल जीवन हरियाली प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

जमुई, एजेंसी। जमुई में जल जीवन हरियाली जागरूकता अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मंगलवार शाम 4 बजे समाहरणालय स्थित जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में एक समारोह में जिलाधिकारी नवीन ने छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। यह प्रतियोगिता 22 दिसंबर 2025 को जल जीवन हरियाली अभियान, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार के तत्वावधान में आयोजित की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण, जल संचयन, स्वच्छ जल के महत्व और भावी पीढ़ी के लिए जल संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था। आईशा कुमारी ने प्रथम स्थान किया प्राप्त प्रतियोगिता में प्लस टू जनता उच्च विद्यालय, सतायन की छात्रा आईशा कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्क्रमित उच्च विद्यालय, सिमरिया के राजू कुमार को द्वितीय स्थान मिला, जबकि उच्च विद्यालय, दौलतपुर ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी नवीन ने बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने और समाज में इसके महत्व को प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कई पदाधिकारी रहे मौजूद समारोह में उप विकास आयुक्त सुभाष चंद्र मंडल, जिला पंचायत राज पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार, निदेशक राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम सह जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, जमुई के बलवंत कुमार पांडेय, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा सहित अन्य पदाधिकारी, शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे।

पोखर में डूबकर चार साल के मासूम की हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र में खेलते समय एक मासूम बच्चे की डूबकर मौत हो गई, जिससे इलाके में मातम छा गया। मृतक बच्चे की पहचान अयांश कुमार (4) के रूप में हुई है। अयांश के पिता हीरा कुमार और माता सलोनी कुमारी हैं। घटना जिराती टोला रोड स्थित धर्मेश्वर नाथ महादेव मंदिर के पास दास पोखड़ के निकट हुई। मिली जानकारी के अनुसार, अयांश की मां सलोनी कुमारी पूजा-अर्चना के लिए अपने बेटे के साथ मंदिर गई थीं। पूजा में व्यस्त रहने के दौरान अयांश खेलते-खेलते मंदिर के पास स्थित पोखर में चला गया और डूब गया। घटना के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग बच्चे की खोजबीन में जुट गए, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की संयुक्त खोजबीन के बाद बच्चे को डूबा हुआ पाया गया और पानी से बाहर निकाला गया। मौके पर बच्चा का शव निकलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और माता-पिता रो-रोकर बुरा हाल हैं। साहेबगंज थाना प्रभारी ने बताया कि अयांश कुमार मंदिर के पास पोखर में डूब गया था। शव को मौके से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नशे में धुत मनचलों का तांडव, घर के पास 5 राउंड फायरिंग ग्रामीणों के डर के बाद बाइक छोड़ भागे

बाढ़, एजेंसी। बाढ़ थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रतिदिन गोलीबारी, मारपीट और अवैध शराब की बिक्री जैसी घटनाओं से आम लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थिति यह है कि थाना क्षेत्र में फायरिंग और मारपीट अब आम बात हो गई है, जबकि पुलिस पर मूकदर्शक बने रहने के आरोप लग रहे हैं। ताजा मामला थाना क्षेत्र के बलीपुर गांव का है, जहां मंगलवार को नशे में धुत मनचले युवकों ने जमकर उत्पात मचाया और इलाके में दहशत फैलाने के लिए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से गोलियों के खोखे बरामद किए। स्थानीय निवासी मोहम्मद अहसान ने बताया कि कुछ युवक आपस में गाली-गलौज करते हुए उनके घर के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनका छोटा बच्चा घर से बाहर निकल गया। जब वे और उनके भाई मोहम्मद इमरान बच्चे को घर के अंदर लाने के लिए बाहर आए, तो मनचले युवकों ने बिना किसी उकसावे के दोनों भाइयों पर फायरिंग शुरू कर दी। मोहम्मद इमरान और मोहम्मद अहसान के अनुसार, अपराधियों ने करीब 4 से 6 राउंड गोलियां चलाईं। गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर जब ग्रामीण एकजुट हुए और अपराधियों को पकड़ने के लिए दौड़े, तो आरोपी अपनी मोटरसाइकिल मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए।

मैट्रिक-इंटरमीडिएट परीक्षा की तैयारी में तेजी9 जनवरी से मॉक टेस्ट का आगाज

- 282 हाई स्कूलों के बच्चे लेंगे भाग

नालंदा, एजेंसी। बिहार बोर्ड की आने वाली मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 को लेकर शिक्षा विभाग ने अंतिम तैयारियों में तेजी ला दी है। नालंदा में 9 जनवरी से मॉक टेस्ट की शुरुआत होगी, जो छात्र-छात्राओं की परीक्षा पूर्व तैयारियों को परखने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी आनंद विजय ने इस संबंध में विस्तृत आदेश जारी किया है। नालंदा लाइव क्लासेज के तहत संचालित क्रैश कोर्स की सफलता का आकलन करने के लिए यह मॉक टेस्ट आयोजित किया जा रहा है। यह परीक्षा 13 जनवरी तक जारी रहेगी और जिले के कुल 282 हाई स्कूलों में संपन्न होगी। विशेष बात यह है कि इस परीक्षा में केवल सेंटअप परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले मेधावी छात्रों को ही नहीं, बल्कि प्रत्येक स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं को सम्मिलित होने का अवसर दिया जाएगा। यह कदम समावेशी शिक्षा नीति की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। विषयवार परीक्षा कार्यक्रम 9 जनवरीः पहली पाली में मैट्रिक के लिए हिंदी/उर्दू तथा दूसरी पाली में संस्कृत की परीक्षा होगी। इंटरमीडिएट (विज्ञान एवं कला वर्ग) के लिए रसायन विज्ञान, इतिहास, भौतिकी और राजनीति विज्ञान के पेपर लिए जाएंगे। 10 जनवरीः इस दिन इंटर के परीक्षार्थी गणित और जीव विज्ञान की परीक्षा देंगे, जबकि मैट्रिक के छात्रों के लिए गणित और विज्ञान विषय निर्धारित हैं। 12 जनवरीः इंटर के लिए अंग्रेजी-हिंदी तथा मैट्रिक के लिए सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी की परीक्षा संपन्न होगी। 13 जनवरीः अंतिम दिन इंटरमीडिएट के उर्दू और अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा ली जाएगी। तत्काल मूल्यांकन की व्यवस्था परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए विभाग ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिले के 20 उच्च माध्यमिक विद्यालयों को मूल्यांकन केंद्र के रूप में चिह्नित किया गया है। उल्लेखनीय है कि परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन उसी दिन अथवा अगले दिन से प्रारंभ कर दिया जाएगा। मूल्यांकन काम 10 जनवरी से 14 जनवरी तक निर्बाध रूप से जारी रहेगा। बिहारशरीफ, अस्थावां, राजगीर, हिलसा सहित सभी प्रमुख प्रखंडों में मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए गए हैं और प्रत्येक केंद्र पर मूल्यांकन निदेशक की तैनाती की जा चुकी है।

विचार-मंथन

संपादकीय

एनआरआई शादियां- विदेश की चकाचौंध या जिंदगी भर की परेशानी?

देश में पिछले कुछ वर्षों से एनआरआइ यानी अनिवासी भारतीयों से शादी रचाने का चलन बढ़ रहा है। विदेश की चकाचौंध यहां के परिवारों को अपनी ओर आकर्षित करती है। मगर कई बार उनके ये सपने तब डरावनी हकीकत में बदल जाते हैं, जब उन्हें धोखाधड़ी, शोषण, परित्याग, और मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वार्षिक रपट से पता चलता है कि इस तरह की परेशानियां सबसे ज्यादा पंजाब की महिलाओं को झेलनी पड़ रही हैं, क्योंकि यहां अनिवासी भारतीयों से विवाह का आंकड़ा भी ज्यादा है। इसके बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, और केरल सहित दूसरे राज्यों का स्थान आता है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि ऐसे मामलों में दो देशों के शामिल होने से कानूनी प्रक्रिया भी जटिल हो जाती है। हालांकि, सरकारी तंत्र में इस तरह की शिकायतों के निपटारे के लिए व्यवस्था मौजूद है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका प्रभावी असर कम ही दिखाई देता है।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रपट के मुताबिक, वर्ष 2024 में देशभर से ऐसे मामलों से जुड़ी चार सौ से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। जबकि, इस वर्ष एक जनवरी से 31 मार्च तक यह आंकड़ा सौ से ज्यादा रहा। वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष पंजाब में अनिवासी भारतीयों से विवाह के विवाद को लेकर सबसे ज्यादा 49 शिकायतें मिली। इसी तरह, महाराष्ट्र से 37 और दिल्ली से 31 मामले सामने आए। पंजाब में इस तरह के मामले अधिक होने के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक पहलू भी शामिल हैं। सरकार का दावा है कि ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया को विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय करके तेज किया जाता है।विदेश में भारतीय दूतावासों और मिशनों के जरिए भी समाधान तलाशने की कोशिश की जाती है। मगर हकीकत यह है कि विदेश में भाषा, कानून और सामाजिक सहयोग के अभाव में पीड़ित महिलाओं के लिए मदद पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सरकार को चाहिए कि इस तरह के मामलों में कानूनी प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाया जाए, ताकि दोषियों को जल्द न्याय के कठघरे में लाया जा सके।

विपक्षी दलों पर लोगों को भरोसा नहीं

लोगों को विपक्षी दलों पर किंचित भी भरोसा नहीं। किसी मनोवैज्ञानिक से दरयाफ्त करें, कहीं यह खुद पर अविश्वास का सूचक तो नहीं! अमूमन लोग दूसरों के बारे में वैसी ही धारणा बनाते हैं, जैसे खुद होते हैं। मनुष्य की अपनी मानसिक सीमा होती है। मामला यहीं तक सीमित होता, तब भी कोई बात थी। बात आगे बढ़ गई है। थोड़ा सच और ढेर सारा झूठ मिलाकर ऐसे गैर-जिम्मेदाराना आरोप गढ़ लेना, जिनकी कल्पना भी सामान्य आदमी के जेहन में कठिन है। हो सकता है, ऐसा करते समय वे अपनी ही (आपराधिक) मानसिकता का परिचय दे रहे हों। उनकी कल्पना में वही आता हो, जो ऐसी स्थिति में वे खुद करते। सब्र और जिम्मेदारीपूर्ण आलोचना तो भारतीय जनतंत्र की शब्दावली से हटा ही देनी चाहिए। फेसबुक पर भी ऐसे ही गैर-जिम्मेदार और सच-झूठ की मिलावट से निःसृत कुत्सित आरोपों से भरी पोस्ट बहुतायत में दिख जाएंगी। जैसे निखालिस इसी एजेंडे के तहत सोशल मीडिया पर अवतरित हुए हों। मगर सबसे खतरनाक पहलू दूसरा है। मीडिया-वर्चस्व के इस युग में सामान्य जनता राजनीतिक दलों से सीधे प्रभाव ग्रहण करती है। उनके नेताओं का विचलन सामान्य जनता के विचलन को आश्वस्ति प्रदान करता है। पूरे देश की चारित्रिक गिरावट का पूरा सरंजाम मौजूद है। विपक्ष की हताशा देखकर लगता तो यही है कि बेहतर विकल्प देने की सारी संभावनाएं खर्च हो चुकीं। अब तो यही कहा जाएगा कि सत्ता पक्ष जाएगा, तो अपने ही 'कर्मों', अंतर्विरोधों व कदाचारों से जाएगा। विपक्ष के बूते की बात नहीं कि उसे टस से मस कर सके। हाल में बिहार में उन्मत्त और बेलगाम घोड़ों (मोटर साइकिलों) पर सवार युवा सेनानियों ने ऐसा समां बांधा कि लगा, चंद्रगुप्त मौर्य और अशोक के समय का बिहार अंगड़ाई ले रहा है और बस जागने ही वाला है, मगर ढाक के वही तीन पात। 'एसआईआर' न हुआ, ब्रह्मास्त्र हो गया। अब वही दंगल पश्चिम बंगाल में चलने वाला है। वहां एक अजेय वीरांगना का सेनापतित्व है और 'इंडिया' ब्लॉक के नामचीन और अनाम घटकों की सेनाओं का जमावड़ा। तलवारें खिंच गई हैं। उधर सीमा पार के देश में सत्ता-सदनों पर हमले आयोजित हो रहे हैं।

आसियान के साथ भारत का जुड़ाव उसकी 'एक्ट ईस्ट' नीति का मुख्य स्तंभ बना रहेगा, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, आर्थिक एकीकरण और समुद्री सुरक्षा के साझा हितों पर आधारित है। सहयोग के क्षेत्र में व्यापार व निवेश, आपूर्ति-श्रृंखला की मजबूती, डिजिटल कनेक्टिविटी और क्षमता-निर्माण भी शामिल हैं। 'भारत-अफ्रीका फोरम' के आयोजन से अफ्रीकी संघ के साथ भारत की साझेदारी को इस साल नई ऊर्जा मिलेगी। यह दशकों के विकास सहयोग और 'दक्षिण-दक्षिण एकता' पर आधारित है। क्षमता निर्माण, विकास, वित्त, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल सार्वजनिक ढांचा और कनेक्टिविटी के मामले में सहयोग के अतिरिक्त शांति व सुरक्षा के साथ बढ़ता व्यापार-निवेश इस साझेदारी का अभिन्न अंग बना रहेगा।

भारतीय विदेश नीति पर रहेगी नजर

(हर्षवर्धन शृंगला)

हम नए साल में प्रवेश कर गए हैं। इस समय दुनिया में अनिश्चितता, शक्ति संतुलन में बदलाव और बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति बनी हुई है। साल के पहले दिन ही चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ताइवान संबंधी बयान ने स्पष्ट कर दिया कि यह वर्ष काफी जटिल स्थितियां जनने जा रहा है। जिनपिंग का दो टूक लहजे में यह कहना कि ताइवान का चीन में विलय होकर रहेगा और ताइवानी राष्ट्रपति का अपनी संप्रभुता से किसी किस्म का समझौता करने से इनकार करना साल 2026 में टकराव की आशंकाओं की एक बानगी भर है। ऐसे माहौल में भारत की विदेश नीति पर सबकी निगाह रहने वाली है। हालांकि, अपने उद्देश्य की स्पष्टता, रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय-वैश्विक हितों को साधने वाली साझेदारियों के प्रति हमारी नीति पूरी तरह साफ है। इस साल अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ, जापान, ऑस्ट्रेलिया, आसियान, अफ्रीकी संघ और खाड़ी के देशों से रिश्ते हमारी विदेश नीति के केंद्र में रहेंगे। भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी, खासकर रक्षा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्थिर रहने की उम्मीद है। अमेरिका के साथ व्यापार और टैरिफ पर जारी मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मित्रता और ट्रंप के सबसे करीबी सलाहकारों में से एक सर्जियो गोर को भारत में अमेरिकी राजदूत नियुक्त किए जाने से दोनों देशों के संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। अमेरिका ने अपनी 'राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति 2025' में भारत के साथ वाणिज्यिक संबंधों और हिंद-प्रशांत रणनीतिक संबंधों को एक साथ विकसित करने के प्रति भी रुचि जताई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इन दिनों रूस से बाहर कम यात्रा करते हैं। इसके बावजूद बीते दिसंबर में उनकी भारत यात्रा हुई। यह अपवाद था। उस यात्रा ने भारत के साथ रूस के संबंधों की अहमियत को एक बार फिर रेखांकित किया। यूरेशियाई आर्थिक संघ के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत रूस से व्यापारिक रिश्ते को विस्तार देने पर इस साल फोकस रहेगा। चीन के साथ संबंधों में कुछ विवादों और सीमा-संघर्ष के कारण गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। बढ़ते व्यापार घाटे के अलावा दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में उसके बढ़ते कदमों के कारण भी कई चुनौतियां पैदा हुई हैं, फिर भी उसके साथ रिश्ते सामान्य बनाने की दिशा में इस वर्ष नई कोशिशें हो सकती हैं। ब्रिटेन और ओमान के साथ तरजीही व्यापार समझौतों से भारतीय निर्यात, पूंजी निवेश और भारतीय युवाओं के लिए वैश्विक आवागमन के द्वार खुलने के संकेत हैं।

इसी तरह, गणतंत्र दिवस पर यूरोपीय नेताओं की भारत यात्रा और यूरोपीय संघ के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित आर्थिक समझौते को संपन्न कराने की दिशा में उठाए गए कदमों से यूरोपीय संघ के साथ हमारा जुड़ाव बढ़ेगा। भारतीय विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण कारक 'कनेक्टिविटी' रहा है। इससे आर्थिक एकीकरण और रणनीतिक साझेदारियों में घनिष्ठता आती है। इस साल हमारा ध्यान 'भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे' (आईएमईसी) पर केंद्रित होगा, जो एकीकृत परिवहन, ऊर्जा और डिजिटल नेटवर्क के जरिये इन देशों के साथ हमारे संबंधों को काफी मजबूत कर सकता है। इसके लागू होने से व्यापारिक कुशलता बढ़ेगी, आपूर्ति-शृंखला मजबूत हो सकेगी और भारत उभरती क्षेत्रीय मुहिम में अहम भूमिका निभा सकता है। पश्चिम एशिया से शुरू होने वाली 'लुक वेस्ट' नीति सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान समेत खाड़ी के अन्य देशों व इजरायल के साथ भारत के संबंधों को और मजबूती देगी। आसियान के साथ भारत का जुड़ाव उसकी 'एक्ट ईस्ट' नीति का मुख्य स्तंभ बना रहेगा, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, आर्थिक एकीकरण और समुद्री सुरक्षा के साझा हितों पर आधारित है। सहयोग के क्षेत्र में व्यापार व निवेश, आपूर्ति-शृंखला की मजबूती, डिजिटल कनेक्टिविटी और क्षमता-निर्माण भी शामिल हैं। 'भारत-अफ्रीका फोरम' के आयोजन से अफ्रीकी संघ के साथ भारत की साझेदारी को इस साल नई ऊर्जा मिलेगी। यह दशकों के विकास सहयोग और 'दक्षिण-दक्षिण एकता' पर आधारित है। क्षमता निर्माण, विकास, वित्त, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल सार्वजनिक ढांचा और कनेक्टिविटी के मामले में सहयोग के अतिरिक्त शांति व सुरक्षा के साथ बढ़ता व्यापार-निवेश इस साझेदारी का अभिन्न अंग बना रहेगा। भारत के निकट पड़ोस में घट रही घटनाओं को कम करके नहीं आंका जा सकता, इसलिए भारत 'पड़ोस पहले' की अपनी नीति को इस साल भी प्राथमिकता देना जारी रखेगा। हमें नहीं भूलना चाहिए कि भूटान में पनबिजली परियोजनाओं से लेकर नेपाल में सड़क व बुनियादी ढांचा निर्माण की पहल के साथ-साथ श्रीलंका व मालदीव से समुद्री व रक्षा सहयोग ने एक क्षेत्रीय भागीदार के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत बनाया है। भारत बांग्लादेश में हो रहे राजनीतिक और संस्थागत बदलाव से तालमेल बिठा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में विदेश मंत्री एस जयशंकर का शरीक होना इसका ठोस प्रमाण है। भारत नेपाल के साथ अपने आर्थिक संबंधों को और गहरा कर रहा है, तो भूटान के प्रमुख रणनीतिक भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को मजबूती दे रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में आगे बढ़कर कार्रवाई करने के प्रयासों ने भारत की स्थिति एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में मजबूत बनाई है। जाहिर है, वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत के तहत दुनिया के गरीब देशों में कल्याणकारी कार्यों में योगदान भारतीय विदेश नीति का अहम पहलू है। भारत 'ग्लोबल साउथ' की एक प्रमुख आवाज के रूप में उभरा है। भारत इस क्षेत्र की विकास प्राथमिकताओं, न्यायसंगत विकास और वैश्विक संस्थानों में विकासशील देशों को अधिक प्रतिनिधित्व देने की वकालत करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ सीधे संपर्क में हैं। उन्होंने जी-20 और संयुक्त राष्ट्र जैसे बड़े वैश्विक मंचों पर भी इस संघर्ष को समाप्त कराने में संवाद का समर्थन किया है। इस तरह से वह कूटनीतिक तौर पर सभी पक्षों से जुड़े हैं। ये तमाम कवायदें भारत के इस विश्वास को पुष्ट करती हैं कि संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही शांति संभव है। साल 2026 में हमारा कदम सतर्क, संतुलित और आशावादी रहेगा। इस तरह, बहुध्रुवीय दुनिया में हमारी विदेश नीति के केंद्र में रणनीतिक स्वायत्तता, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास ही रहेगा।

(लेखक पूर्व विदेश सचिव व सांसद है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

समस्याओं के समाधान में हमें निराश नहीं करेगा यह वर्ष

(कैलाश सत्यार्थी)

एक पुरानी कहावत है- उम्मीद पर दुनिया कायम है। उम्मीद अनंत संभावनाओं से भरा एक सकारात्मक भाव है। मगर इन उम्मीदों को साकार करने के लिए ईमानदारी, कठोर इच्छाशक्ति, वास्तविकता की समझ, व्यावहारिक रणनीति और क्रियाशीलता आवश्यक हैं। पिछले कुछ वर्ष अकल्पनीय उपलब्धियों और अप्रत्याशित संकटों के साल रहे हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान व चिकित्सा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां और विश्व की आर्थिक समृद्धि, शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति जैसी उपलब्धियां एक तरफ हैं, तो कोरोना संकट और युद्धों में बढ़ोतरी (जिनमें हजारों बेकसूर बच्चों, महिलाओं व नागरिकों की हत्याएं हुईं) पर्यावरण संकट, धार्मिक व राजनीतिक अतिवाद तथा आर्थिक गैर-बराबरी में वृद्धि जैसी गंभीर चुनौतियां दूसरी ओर हैं। मैं हमेशा से आशावादी रहा हूं, इसलिए यह मानने को तैयार नहीं कि आज दुनिया में जितने संसाधन मौजूद हैं; गंभीर से गंभीर समस्याओं की जितनी जानकारी और उनके समाधानों की समझ है; जितनी उन्नत टेक्नोलॉजी और सूचनाओं का भंडार है, वैश्विक विकास का स्पष्ट एजेंडा है और मनुष्य की स्वतंत्रता व न्याय के लिए जितने कानून-कायदे बने हुए हैं, वे सब मिलकर साल 2026 को पहले से बेहतर बनाने को नाकाफी हैं। दुर्भाग्य से, आज हरेक स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी की जबर्दस्त कमी है, इसीलिए एक-दूसरे की समस्याओं को जानने, उन्हें खुद की समस्या की तरह महसूस करने और शिद्दत के साथ उनका समाधान तलाशने के प्रयासों की जरूरत है। समस्याओं का रोना रोने के बजाय हमें समाधान की संस्कृति विकसित करनी होगी। यही करुणा है, इसीलिए अनेक विश्व नेताओं और नोबेल विजेताओं के साथ मैंने करुणा के वैश्वीकरण का आंदोलन शुरू किया है। साल-डेढ़ साल के भीतर ही इस आंदोलन को दुनिया भर में जितना समर्थन मिला है, उसने 2026 की मेरी उम्मीदों को कई गुना बढ़ा दिया है। युवा पीढ़ी मेरी उम्मीद की सबसे बड़ी किरण है। गरीब से गरीब परिवार के बच्चे भी आज अच्छी पढ़ाई के लिए लालायित हैं। वे अपने लिए बड़े-बड़े सपने देखने लगे हैं। पहले के मुकाबले बाहरी दुनिया के बारे में उनकी जानकारी के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ा है। किशोरों और युवाओं का एक बड़ा समूह समाज और राजनीति की गहरी समझ रखता है। यह पीढ़ी विश्व की साझा धरोहर और ताकत है। तमाम सरकारों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे इस शक्ति को सार्थक, सकारात्मक और समाजोपयोगी बनाने के ठोस प्रयास करें। बच्चों और युवाओं की शिक्षा, नवाचार और शोध के क्षेत्रों में गुणवत्ता व गतिशीलता के लिए सरकारों तथा विश्व समुदाय को पर्याप्त निवेश करना चाहिए। मत-मजहब और विचारधारा के नाम पर फैलाए जा रहे झूठ, धर्मांधता, उन्माद, हिंसा, घृणा, अवैज्ञानिकता व अश्लीलता जैसे भटकाव से युवाओं को बचाना जरूरी है। सकारात्मक और रचनात्मक सोच रखने वाले नौजवानों को प्रोत्साहित करते हुए अलग-अलग क्षेत्र में नेतृत्व देने की जरूरत है। हमारे सामने आर्थिक विषमता व बेरोजगारी की गंभीर चुनौतियां हैं। मुझे उम्मीद है कि सरकारें, उद्योग जगत और समाज परस्पर भरोसे, सम्मान और भागीदारी के साथ इनका निराकरण करेंगे। भारत को ही लीजिए। 2026 में एक साल के लिए यह ब्रिक्स का अध्यक्ष रहेगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5967

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5966

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5967

1	2	3	■	4	5	6	■
7			■	8			9
	■	■	10	■		■	
11	12			■	13	14	
15		■	■	16			■
17		18	■		■	19	
	■		■	20	21		■
22			■	23		■	24

संकेतः बाएं से दाएं
1. विश्व का सबसे बड़ा बैंक इस देश में स्थित है (3)
4. यह घोंसला न बनाने वाली पक्षी है, कोकिल (3)
7. जो रिश्तें में पति की बहन हो (3)
8. जिसकी सभी सतह समान हो, हमवार (4)
11. खैर-आफियत का अपभ्रंश, कुशल-मंगल (4)
13. मुर्गे की जाति का एक पक्षी जिसे लड़ाने के लोग पालते है (3)
15. सूजी, कण (2)
16. समाचार, खबर, संदेश (3)
17. कोई घटना अथवा कौतुक देखने के लिए एकत्रित जनसमूह, भीड़, जमघट (3)
19. काव्य की रचना करने वाला, शायर (2)
20. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
22. अपवित्र, अशुद्ध, अशुचि (3)
23. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
24. प्रातःकाल का अर्ध प्रकाश, प्रकाश की किरण (1)

ऊपर से नीचे
1. प्राण की रक्षा होना, कुशल मनाना (8)
2. कत्था, चूना आदि लगाकर खाया जाने वाला एक प्रसिद्ध लता का पत्ता, ताम्बूल (2)
3. नदी का पुल्लिंग (2)
4. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई जो लगभग दो मील के बराबर होती है (2)
5. यह कार्तिक शुक्ल द्वितीय को होने वाला पर्व भाईदूज को यह भी कहा जाता है (5)
6. दुर्व्यसन, बुरी आदत, कुटेव (2)
9. चित्रकला में लता की आकृति का अंकन (3)
10. पुत्र, बेटा (2)
12. रस्म, प्रथा, रीति (3)
14. क्रोध या आवेश में आना, तमतमाना (4)
16. शलभ (2)
18. प्रेमपात्र, प्रियतम (3)
21. मनोयोग से कार्य में लगा हुआ (2)

वर्ग पहेली 5966 का हल

र	वी	न्द्र	ना	थ	टै	गो	र
ज	र	■	या	र	■	द	म
त	■	रा	ब	■	न	भ	■
प	र	ख	■	आ	ग	रा	■
ट	का	■	आ	यु	■	ई	श
■	बी	घा	■	र्वे	■	■	क
ख	■	म	द	र	गा	र	■
र	क्षा	■	शा	■	ना	द	■

आज का राशिफल

मेष
आज आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिलेगी। किसी पुरानी समस्या का समाधान मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन पर आपको काफी ध्यान देना चाहिये। परिवार के सदस्यों की चिन्ता रहेगी। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आयेंगी।

वृष
किसी बड़े कार्य को लेकर धन की समस्या हल हो सकती है। धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने के लिये दिन काफी शुभ है। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आयेंगी।मित्रों और परिजनों से परामर्श लेना लाभकारी होगा। बच्चों को कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता मिल सकती है।

कर्क
नया काम शुरू करने के लिये दिन शुभ नहीं है। कार्यक्षेत्र में आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। अवांछित यात्रा करनी पड़ सकती है।

सिंह
आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से समय बहुत अच्छा है।

मिथुन
सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। रक्तचाप और गठिया रोगियों को परेशानी होने की सम्भावना है। माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। लम्बी दूरी की यात्रा न करें।

कन्या
आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आयेंगी।

तुला
जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बितायेंगे। दिन आपके लिये काफी अच्छा है बस अपने खर्चों पर नियन्त्रण रखें। काफी दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आयेंगी। अनुसन्धान सम्बन्धित प्रोजेक्ट्स में सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक
आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होने से आप प्रसन्न रहेंगे। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। धन के लेन-देन से आपको लाभ मिलेगा। लोग आपसे काफी अपेक्षायें रखे हुये हैं, जिसे आप पूरा भी करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

मकर
आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना माँगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की सलाह लेना लाभकारी रहेगा। लापरवाही के कारण आपके काम की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

कुंभ
अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आयेंगी। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है। बच्चों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

धनु
कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिजनों के साथ घूमने जा सकते हैं। परिवार में शान्ति का वातावरण रहेगा। बच्चों के करियर की चिन्ता हो सकती है। विद्वान लोगों की संगति आपके लिये लाभकारी होगी।

मीन
नया व्यवसाय शुरू करने के लिये दिन बेहद शुभ है। आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में स्थापित होगी। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। परिस्थितियाँ आपके पक्ष में रहेंगी। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

एक्टर विनीत कुमार सिंह ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

विनीत कुमार सिंह ने नए साल की शुरुआत नई ऊर्जा और नए प्लान के साथ की है। 2025 उनके लिए शानदार रहा, जिसमें एक के बाद एक हिट फिल्में आईं। इनमें उनकी बड़ी सफलता छावा भी शामिल है। अब 2026 की शुरुआत उनके लिए और भी धमाकेदार हो रही है। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर पूजा मुहूर्त का वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं।

विनीत का पोस्ट

विनीत ने शूटिंग के पहले दिन की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। इनमें टीम पूजा करती दिख रही है और विक्रम सेट पर काम करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में विनीत अपनी को-स्टार सैयामी खेर के साथ आरती करते दिखे। टीम के बाकी लोग पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। एक और क्लिप में विनीत भावुक होकर विक्रम को गले लगाते नजर आए। बाकी फोटो में टीम काम में व्यस्त है।

विनीत का नोट

विनीत ने इन शानदार पर पूजा मुहूर्त की तस्वीरों और वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को सबके सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। तब तक इस प्रक्रिया को एंजॉय करें और कुछ जादू बनाएं।

फिल्म के बारे में

विक्रम फडनिस कई मराठी फिल्में बना चुके हैं, लेकिन यह उनकी बॉलीवुड में डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म है। विनीत ने डिजाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ एक नई फिल्म शुरू की है। उन्होंने इस कहानी को बहुत खूबसूरत और अपने दिल के करीब बताया है। इस फिल्म में विनीत के साथ सैयामी खेर नजर आएंगी। इस अनटाइटल्ड फिल्म में विनीत और सैयामी के अलावा ताहिर राज भसीन और सुचित्रा पिल्लई भी हैं।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने बात की।

अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है। तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है। उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है। डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

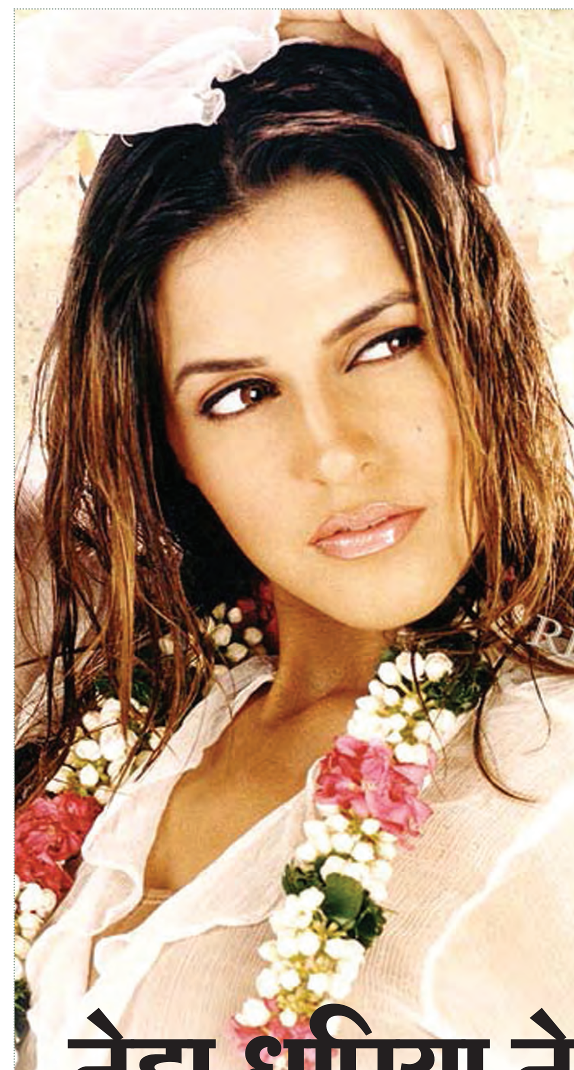

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे में बात की

एक्ट्रेस नेहा धूपिया को सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसे शोज में शानदार अभिनय करने के लिए हर तरफ से तारीफ मिल रही है। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है कि अच्छा काम करने पर खूब मौके मिलते हैं। उन्होंने बताया कि तीन-चार साल तक उनके पास काम नहीं था और वह घर बैठी थीं, जिससे उनको एंग्जाइटी होने लगी थी। वह रोती भी थीं। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया, जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं तो मुझे बेचैनी होती है। इंडस्ट्री में 20 साल बिताने के बाद भी, जब काम नहीं होता तो मैं तकिए पर सिर रखकर रोती हूं। मैंने तीन दिन पहले भी ऐसा ही किया था। मैं इस बारे में कोई दुख भरी कहानी नहीं बनाना चाहती क्योंकि मुझे फिल्मों का काम बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे कभी निराश नहीं करेगा। नेहा ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में एक्ट्रर्स को हमेशा मोटी चमड़ी वाला बनने की सलाह दी जाती है, लेकिन प्रोजेक्ट खोना और लगातार आलोचना का सामना करना काफी मुश्किल हो सकता है। सबसे जरूरी बात तो ये है कि कि जब आप काम नहीं कर रहे होते हैं, तो आपके आस-पास वाला हर कोई काम कर रहा होता है। आप लाइफ को ऐसे जाते हुए देखते हैं। मुझमें और एक नए कलाकार में बस यही फर्क है कि मैं ऐसी चीजों से बाहर निकलना जानती हूं। मैं कई बार इस तरह की चीजों से गुजर चुकी हूं।

अक्षय खन्ना से होती हैं मोटिवेट

उन्होंने आगे कहा कि काम से हमेशा और काम मिलता है। अक्षय खन्ना के करियर से उन्हें अब मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा, काम से और काम मिलना जरूरी है। अगर मेरे हालिया दो शोज से कुछ नहीं मिलता तो कोई फायदा नहीं। क्या काम से अच्छा काम मिलता है? कभी-कभी तो समझ ही नहीं आता... फिर अक्षय खन्ना का करियर देखती हूं तो सोचती हूं कि हमें भी 6 साल घर बैठ जाना चाहिए। यही उम्मीद है कि काम से और काम मिलता रहेगा।

नेहा धूपिया कभी बेरोजगार नहीं रहीं

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनको तीन-चार साल तक एक्टिंग का कोई काम नहीं मिलता तो वह थक जाती हैं लेकिन भगवान की कृपा से कभी बेरोजगार नहीं रहीं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि वह खाली हो क्योंकि वह बहुत कुछ करती हैं। उससे वह थक जाती हैं लेकिन अंत में संतोष होता है कि कुछ किया है।

...अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन

रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुई कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह प्रलय पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।'

फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा इस बात से लगता है डर

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हैं, जो हर तरह के किरदार में खुद को सहजता से ढाल लेते हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में सिनेमा और अपने करियर को लेकर कई बातें साझा की हैं।

आप अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं, आपको किस तरह का सिनेमा ज्यादा पसंद है?

मेरे लिए कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच की रेखा कभी दीवार नहीं रही। मैं यह मानता हूं कि दोनों तरह की फिल्में साथ चल सकती हैं। बस कहानी ईमानदार होनी चाहिए और उसमें नयापन होना चाहिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा डर सुरक्षित और उबाऊ सिनेमा से लगता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि हर काम में कुछ नया और लगातार एक्सपेरिमेंट करता रहूं। आगे मैं बड़े बजट की फिल्में जरूर करूंगा लेकिन मेरी मूल पहचान वही है, जिससे मैंने शुरुआत की थी। कुछ अलग, कुछ हटकर फिल्में करना ही मेरा मकसद है। मैं हमेशा अपनी ऑडियंस को चौंकाना चाहता हूं।

फिल्मों की सफलता का पैमाना आपके लिए क्या है?

'थामा' की हाई ओपनिंग और 'ड्रीम गर्ल 2' का 100 करोड़ क्लब में शामिल होना, मैं इन दोनों बातों को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता। कोविड के बाद थिएटर का पूरा सिस्टम बदल चुका है।

ऐसे समय में इन फिल्मों का चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज ऑडियंस को सबसे ज्यादा खींचने वाली चीज जिज्ञासा है। हमने यह भी देखा है कि बिना बड़े सुपरस्टार वाली फिल्में भी चली हैं। अच्छी कहानी अपने आप ही ऑडियंस खींचती है।

आप कई फ्रैंचाइजी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं? इन फिल्मों के चयन की वजह क्या रही है?

मैंने कोई रणनीति बनाकर फ्रैंचाइजी फिल्मों पर काम नहीं किया। चाहे 'बधाई हो' हो या 'ड्रीम गर्ल' या फिर 'शुभ मंगल..', ये किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं थीं। मेरे लिए हमेशा स्क्रिप्ट ही सबसे अहम रही है। स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद ही मैं इन फिल्मों से जुड़ा हूं।'

आप ऑडियंस को क्या नया दिखाना चाहते हैं?

कोविड के बाद लगातार 100 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली फिल्मों को मैं सिर्फ नंबर की तरह नहीं देखता। बॉक्स ऑफिस की सफलता जरूरी है, क्योंकि यह ऑडियंस के भरोसे को दिखाती है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार ऑडियंस को कुछ ऐसा दूं, जो उन्होंने पहले न देखा हो।

अपने करियर के मौजूदा दौर और आने वाले काम को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं?

साल 2026 में मैं कई तरह के किरदारों में नजर आऊंगा। मेरी हर फिल्म की तैयारी अलग रही है। कहीं ज्यादा शारीरिक तैयारी करनी पड़ी, तो कहीं भावनात्मक गहराई में जाना पड़ा। लेकिन अच्छी टीम के साथ काम करने से सब कुछ आसान लगा। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता के बाद मैं इस दौर को संतोषजनक मानता हूं।

भारतीय सिनेमा को लेकर आपका क्या नजरिया है?

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि हम एक बहुत दिलचस्प दौर में हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने कई बेहतरीन फिल्में देखी हैं। चाहे 'लापता लेडीज' हो, 'होमबाउंड' हो या दूसरी फिल्में। इन फिल्मों ने नए कलाकारों को आगे आने का मौका दिया है। आज इंडस्ट्री में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। मुझे उत्सुकता है कि आने वाले समय में वे क्या-क्या काम करेंगे? यह देखकर भी अच्छा लगता है कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहा है। हमारा कंटेंट इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है। बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में जगह बना रहा है। वहां उसे सराहा भी जा रहा है। यह भारतीय सिनेमा का सुनहरा दौर है।'

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के डीडवाना में एक साथ 12 मोरों की मौत

डीडवाना, एजेंसी। राजस्थान के डीडवाना जिले से सामने आई एक दिल दहला देने वाली घटना ने न सिर्फ प्रशासन बल्कि आम लोगों और वन्यजीव प्रेमियों को भी गहरी चिंता में डाल दिया है। जिले के ग्राम दौलतपुरा के पास एक साथ 12 राष्ट्रीय पक्षी मोरों के मृत मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जिस धरती को मोरों का सुरक्षित आश्रय माना जाता था, वहां इस तरह की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग में खलबली मच गई। सूचना पर वन विभाग की रेंजर ममता अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचीं। मौके का मुआयना करने के बाद सभी मृत मोरों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। विभाग ने मेडिकल टीम को भी तत्काल सूचित किया और पूरे क्षेत्र को निगरानी में ले लिया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, सुबह जब कुछ लोग खेतों की ओर जा रहे थे, तब उन्होंने एक स्थान पर कई मोरों को मृत अवस्था में देखा। देखते ही देखते यह खबर पूरे गांव में फैल गई। थोड़ी ही देर में वहां लोगों की भीड़ जुट गई। किसी के लिए यह दृश्य बेहद पीड़ादायक था तो किसी के लिए भय पैदा करने वाला। गांव में दिनभर इसी घटना की चर्चा होती रही और माहौल पूरी तरह गमगीन नजर आया। फिलहाल मोरों की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

ठाकरे ब्रदर्स आए साथ, पवार परिवार का भी मिलन

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में साल 2026 की शुरुआत एक बड़े चुनावी दंगल के साथ होने जा रही है। राज्य के 29 नगर निकायों के लिए 15 जनवरी को मतदान होना है। कानूनी लड़ाई और लंबी देरी के बाद हो रहे ये चुनाव न केवल स्थानीय सत्ता का भविष्य तय करेंगे, बल्कि राज्य के बड़े सियासी गठबंधनों महायुति और महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की मजबूती की भी अग्निपरीक्षा लेंगे। इस चुनाव की सबसे बड़ी सुर्खी रिश्तों का दोबारा जुड़ना है। पिछले दो दशकों से अलग राह पर चलने वाले ठाकरे ब्रदर्स (उद्धव और राज ठाकरे) अब एक साथ आ गए हैं। 'मराठी अस्मिता' के मुद्दे पर शिवसेना (यूबीटी) और मनसे (एमएनएस) ने गठबंधन किया है। राज ठाकरे ने स्पष्ट किया कि यह गठबंधन मराठी मानुस के हक की लड़ाई के लिए है। वहीं दूसरी ओर, पवार परिवार में भी सुलह की सुगहाट दिख रही है। अजीत पवार ने घोषणा की है कि पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम चुनावों के लिए उनका गुट और शरद पवार का गुट (एनसीपी-एसपी) मिलकर चुनाव लड़ेंगे। अजीत पवार ने इसे 'परिवार का मिलन' बताया है, हालांकि यह तालमेल फिलहाल केवल इन दो शहरों तक ही सीमित है। इन चुनावों का महत्व सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारी-भरकम बजट और संसाधनों की भी लड़ाई है।

कोहरे में अब धीमी नहीं होगी ट्रेन की रफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। कोहरे में रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। ट्रेन संचालन को पहले से अधिक सुरक्षित और सुचारू बनाने के उद्देश्य से रेलवे ने गाजियाबाद-दिल्ली समेत अन्य महत्वपूर्ण रूट पर फॉग सेफ्टी डिवाइस (एफएसडी) सिग्नल सिस्टम लगाया है। इस अत्याधुनिक तकनीक के लगने से ट्रेन के कोहरे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका कम हो जाएगी और ट्रेन का संचालन भी सुगम हो सकेगा। शीतकाल में उत्तर भारत के कई हिस्सों में घना कोहरा छा जाता है, जिससे रेल पटरियों पर दृश्यता बेहद कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में लोको पायलट को आगे लगे सिग्नल स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते, जिसके कारण ट्रेन की गति नियंत्रित करनी पड़ती है। उससे ट्रेन का संचालन भी प्रभावित होता है और ट्रेन खराब मौसम के कारण देरी से स्टेशन तक पहुंचती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने गाजियाबाद-दिल्ली आदि विभिन्न रूटों पर चलने वाली कई ट्रेन में एफएसडी लगाया है। इस सिग्नल सिस्टम के तहत लोको पायलट को अगला सिग्नल पहले ही दिखाई देने लगेगा। जैसे ही ट्रेन किसी सिग्नल के निर्धारित दायरे में प्रवेश करेगी, उससे संबंधित जानकारी लोको पायलट को डिस्प्ले पर उपलब्ध हो जाएगी। इससे लोको पायलट को यह पता चल सकेगा कि सिग्नल कौनसा है।

सिद्धारमैया ने बतौर मुख्यमंत्री रिकॉर्ड किया बराबर

पांच साल के कार्यकाल को पूरा करने पर भरोसा जताया है

मैसूरु, एजेंसी।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बतौर मुख्यमंत्री एक रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उन्होंने सबसे लंबे समय तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहने के देवराज उर्स के रिकॉर्ड की मंगलवार को बराबरी कर ली। हालांकि उनके कार्यकाल पूरा करने को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। इन सबसे इतर सिद्धारमैया ने अपने पांच साल के कार्यकाल को पूरा करने पर भरोसा जताया है। साथ ही यह भी कहा कि जब आलाकमान उन्हें बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल फेरबदल के संबंध में चर्चा के लिए बुलाएगा तो वे उनसे इस बारे में बात करेंगे। सिद्धारमैया ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि मैंने कोई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए राजनीति नहीं की है। यह महज एक संयोग है।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में, सिद्धारमैया ने मंगलवार, छह जनवरी को देवराज उर्स के सबसे लंबे समय (2,792 दिन) तक सेवा करने वाले कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। सात जनवरी को इस संख्या को पार कर ली। यह अनूठा रिकॉर्ड ऐसे समय में सामने आया है जब सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया है और राज्य में मुख्यमंत्री बदले जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं, क्योंकि कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा

समय पूरा कर लिया है। सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच 2023 में हुए समझौते ने इस अटकलबाजी को और हवा दी।

राज्य में सामाजिक न्याय और भूमि सुधारों के प्रतीक माने जाने वाले उर्स दो बार मुख्यमंत्री रहे - पहली बार 20 मार्च, 1972 से 31 दिसंबर, 1977 तक 2,113 दिनों के लिए और दूसरी बार 28 फरवरी, 1978 से 7 जनवरी, 1980 तक 679 दिनों के लिए। सिद्धारमैया, जो उर्स के बाद पांच साल पूरे करने वाले एकमात्र मुख्यमंत्री भी हैं। अपने पहले कार्यकाल में 13 मई, 2013 से 15 मई, 2018 तक 1,829 दिनों तक पद पर रहे। अपने दूसरे कार्यकाल में, 20 मई 2023 से अब तक, उन्होंने 963 दिन पूरे कर लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी किसी रिकॉर्ड के बारे में नहीं सोचा था और उन्होंने केवल यही सोचा था कि वे एक बार विधायक बन जाएं।

सिद्धारमैया ने कहा कि मैं विधायक बना, मुझे अवसर मिले, मैं मंत्री बना, उपमुख्यमंत्री बना, विपक्ष का नेता बना और मुख्यमंत्री भी बना। मुझे अवसर मिले और मैंने अपने कर्तव्यों का निर्वाह किया। उन्होंने कहा कि देवराज उर्स और मैं दोनों मैसूरु से हैं, लेकिन हमारे कार्यकाल अलग-अलग रहे हैं। वे (उर्स) 1972 से 1980 तक मुख्यमंत्री रहे। मैं 2013 से 2018 और 2023 से अब तक दो बार मुख्यमंत्री रह चुका हूं। आगे, आलाकमान जो भी निर्णय लेगा, वही होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा से वह संतुष्ट हैं और जनता की सेवा करना उन्हें खुशी देता है। उन्होंने कहा कि राजनीति का अर्थ है गरीबों, दलितों, पिछड़ों के लिए न्याय करना और उनके हितों की रक्षा करना। सिद्धारमैया के प्रशंसकों ने अपने नेता की इस उपलब्धि का जश्न कई स्थानों पर दावतों का आयोजन करके मनाया।

बयान पर भाजपा का गुस्सा फूट पड़ा है

कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर भड़की भाजपा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने मंगलवार को बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस नेता पर अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर हमले पर सवाल उठाते हुए पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप लगे हैं। दरअसल पृथ्वीराज ने एक बयान में यह कहा है कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी किडनैप कर लेंगे। इस बयान पर भाजपा का गुस्सा फूट पड़ा है।

इससे पहले पृथ्वीराज चव्हाण ने एक बयान में कहा था,' पचास प्रतिशत टैरिफ के साथ व्यापार बिल्कुल संभव नहीं है। एक तरह से उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार को रोक दिया है, खासकर भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात को। अब सीधा प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता, इसलिए टैरिफ को व्यापार रोकने के लिए एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। भारत को यह सहना पड़ेगा। '

उन्होंने आगे कहा था, 'हमारे लोगों को पहले अमेरिका को निर्यात से जो मुनाफा होता था, वह अब नहीं मिलेगा। हमें वैकल्पिक बाजार ढूंढने होंगे और इसकी कोशिशें चल हैं।' इसके बाद अचानक उन्होंने सवाल उठाया और कहा, 'अब सवाल ये है कि क्या वेनेजुएला में जो हुआ वह भारत में होगा क्या? कि हमारे प्रधानमंत्री को किडनैप करके ट्रंप साहब ले जाएंगे क्या... वहीं बचा है अब बस। '

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी ने पृथ्वीराज चव्हाण को देशद्रोही कहा है। भाजपा के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चव्हाण के बयान पर गुस्सा जाहिर करते हुए कांग्रेस पर निचले स्तर पर गिरने का आरोप लगाया।

भाजपा प्रवक्ता ने लिखा, 'कांग्रेस रोजाना नई गिरावट पर जा रही है। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण बेशर्मी से भारत की स्थिति की तुलना वेनेजुएला से कर रहे हैं। यह पूछकर कि 'जो वेनेजुएला में हुआ, क्या वह भारत में हो सकता है ', कांग्रेस अपनी भारत विरोधी मानसिकता साफ कर रही है। राहुल गांधी भारत में अराजकता चाहते हैं। राहुल गांधी भारत के मामलों में विदेशी दखल चाहते हैं! '

दोबारा रेड जोन में पहुंचा एक्यूआई, घना कोहरा और ठंड बढ़ने के आसार

नोएडा, एजेंसी।
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। एक दिन के लिए ऑरेंज जोन में आने के बाद दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स दोबारा रेड जोन में दर्ज किया गया है। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विभिन्न मॉनिटरिंग स्टेशनों से मिले आंकड़े बताते हैं कि करीब 90 प्रतिशत इलाके खराब से बेहद खराब श्रेणी में हैं। दिल्ली की बात करें तो कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। ओखला फेज-2 में एक्यूआई 342, पटपड़गंज में 332, पंजाबी बाग में 324, पूसा में 345, आरके पुरम में 337, रोहिणी में 319, सिरिफोर्ट में 342, सोनिया विहार में 320 और श्री अरबिंदो मार्ग पर 308 एक्यूआई दर्ज किया गया। हालांकि, शादिपुर में एक्यूआई 165 रहा, जो येलो जोन में है, लेकिन यह राहत सीमित इलाकों तक ही सिमटी नजर आई। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 309, सेक्टर-62 पर 269, सेक्टर-1 में 312 और सेक्टर-116 में 324 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया।

गाजियाबाद के इलाकों में प्रदूषण का स्तर और ज्यादा गंभीर दिखा। लोनी में एक्यूआई 385, वसुंधरा में 344, संजय नगर में 286 और इंदिरापुरम में 244 एक्यूआई दर्ज किया गया, जो यह दर्शाता है कि औद्योगिक और रिहायशी दोनों क्षेत्रों में हवा सांस लेने लायक नहीं है।

मौसम विभाग के अनुसार, हाल के दिनों में चली तेज हवाओं के कारण स्मॉग और प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर कुछ हद तक लगाम जरूर लगी है, लेकिन पूरी तरह राहत नहीं मिली है। 7 जनवरी को अधिकतम तापमान करीब 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह और दोपहर के समय घना कोहरा छाया रहा, जबकि दिनभर 'कोल्ड डे' की स्थिति बनी रही।

नाबालिग बेटी के रेप केस में सरकारी कर्मचारी की सजा और उम्रकैद पर अदालत की रोक

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति के आजीविका के अधिकार को कम नहीं किया जा सकता है। उसे भी रोजी रोटी कमाने का अधिकार है। कोर्ट ने एक सरकारी कर्मचारी (लेखपाल) की सज़ा और उम्रकैद पर रोक लगाते हुए यह टिप्पणी की जिस पर अपनी 16 साल की बेटी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ़ इस मामले में शामिल होने की वजह से उसकी ज़िंदगी जीने के लिए रोजी-रोटी कमाने के अधिकार को कम नहीं किया जा सकता।

मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा-द्व की पीठ ने यह भी कहा कि यह अपील 2024 की है और केसों के भारी बैकलॉग के कारण निकट भविष्य में इसकी सुनवाई की बहुत कम संभावना है। ट्रायल कोर्ट ने पिछले साल मई में आरोपी पिता को पॉक्सो एक्ट की धारा 6 (गंभीर यौन उत्पीड़न) और आईपीसी की धारा 313, 323, 504 और 506 के तहत दोषी ठहराया और उसे उम्रकैद की सज़ा

सुनाई। कोर्ट ने उसके दोस्त और तलाक के केस में उसके वकील को भी उम्रकैद की सज़ा सुनाई है। तीनों आरोपियों ने अपनी सज़ा और उम्रकैद को अपील दाखिल कर चुनौती दी है। देने के लिए हाई कोर्ट का रुख किया।

मामले के अनुसार अपीलकर्ता की अलग रह रही पत्नी (शिकायतकर्ता) ने 12 जनवरी, 2020 को प्राथमिकी दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि उसका पति (अपीलकर्ता) उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न तब से कर रहा है, जब वह तीसरी क्लास में थी (10 साल की)। उसने बताया कि जब उसे इस दुर्व्यवहार के बारे में पता चला तो उसने बेटी को जयपुर के एक स्कूल में भेज दिया। हालांकि, आरोप है कि अपीलकर्ता लड़की को स्कूल से होटलों में ले जाता था, जहां वह और उसके दोस्त (सह-आरोपी) उसका यौन उत्पीड़न करते थे। प्राथमिकी में यह भी आरोप लगाया कि लड़की गर्भवती हो गई और उसे जबरन गर्भपात करवाना पड़ा। अपीलकर्ता की माँ (पीड़िता की दादी) और दूसरी पत्नी भी इस दुर्व्यवहार में शामिल थीं। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उसके विरोध करने पर उसे और उसकी बेटी दोनों को पीटा गया और धमकी दी गई। इसलिए वे इस घटना के बारे में किसी को नहीं बता सके। ट्रायल कोर्ट ने पिता (अपीलकर्ता), उसके दोस्त और उसके वकील को दोषी ठहराया।

फर्जी डिग्री घोटाला: मां-बेटे को ईडी ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कराया

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला के मानव भारती विश्वविद्यालय से जुड़े फर्जी डिग्री घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को बड़ी कानूनी सफलता मिली है। शिमला स्थित विशेष पीएमएलए अदालत ने इस मामले में आशोनी कंवर और उनके बेटे मनदीप राणा को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया है। यह आदेश भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओए), 2018 के तहत ईडी शिमला उप-आंचलिक कार्यालय की ओर से दायर आवेदन पर

हुआ है। ईडी के अनुसार यह कार्रवाई सोलन जिले के धर्मपुर थाना में दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर शुरू की गई जांच के बाद की गई है। ये एफआईआर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई थीं। जांच में सामने आया कि इस घोटाले का मुख्य आरोपी राज कुमार राणा है। उसने अपनी पत्नी आशोनी कंवर और बेटे मनदीप राणा सहित अन्य सहयोगियों की मदद से एजेंटों और छात्रों से पैसे लेकर फर्जी डिग्रियां बेचीं। ईडी की जांच में यह भी पाया गया कि ये फर्जी डिग्रियां मानव भारती विश्वविद्यालय सोलन के नाम पर जारी की गईं। इस अवैध गतिविधि से करीब 387 करोड़ रुपये की अपराध से जुड़ी आय अर्जित की गई। एजेंसी के मुताबिक इस पैसे का इस्तेमाल राज कुमार राणा, आशोनी कंवर और मनदीप राणा ने अपने नाम पर और उनसे जुड़ी संस्थाओं के नाम पर देश के विभिन्न राज्यों में चल और अचल संपत्तियां खरीदने में किया। ईडी ने इस मामले में अब तक करीब 200 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। इन कुर्क की गई संपत्तियों की पुष्टि पीएमएलए के तहत नियुक्त माननीय न्यायनिर्णायक प्राधिकारी ने भी कर दी है। इससे पहले भी ईडी ने इस घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पीएमएलए, 2002 के तहत शिमला की विशेष अदालत में अभियोजन शिकायत दाखिल की थी। राणा समेत कुल 14 लोगों और दो संस्थाओं को आरोपी बनाया गया था। विशेष अदालत ने 4 जनवरी 2023 को इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए आशोनी कंवर और मनदीप राणा को समन जारी किए थे।

वीबी-जी राम जी का विरोध करना विपक्ष की मजबूरी वरना खुल जाएगी पोल: योगी

लखनऊ , एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विकसित भारत-जी राम जी कानून, 2025 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक सुधार का स्वागत होना चाहिए था, उसी का विरोध कर विपक्ष अपने पुराने भ्रष्टाचार मॉडल का खुला समर्थन कर रहा है। यह विरोध विकास का नहीं, बल्कि पोल खुलने के डर का परिणाम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस प्रेस वार्ता की आवश्यकता इसलिए पड़ी, क्योंकि जिन लोगों ने वर्षों तक देश के संसाधनों पर डकैती डाली, गरीबों को भूखा रहने और नौजवानों को पलायन के लिए मजबूर किया, वे आज सुधारों और विकसित भारत की संकल्पना पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर ऐसे लोग कानून का समर्थन करेंगे तो उनकी असलियत सामने आ जाएगी, इसलिए वे विरोध कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन इस अधिनियम पर लगातार प्रश्न खड़े कर रहे हैं, जबकि यह ग्रामीण भारत, किसानों और श्रमिकों के हित में उठाया गया बड़ा कदम है। एनडीए सरकार का आभार जताने के बजाय विपक्ष भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करने वाली अपनी पुरानी परंपराओं का ही समर्थन कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत की परिकल्पना को स्पष्ट करते हुए कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब राज्य विकसित होंगे और राज्य तभी विकसित होंगे, जब गांव विकसित होंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान देना इस अधिनियम का मूल उद्देश्य है। इसी लक्ष्य के साथ यह कानून लाया गया है और वह इसका पूर्ण समर्थन करते हैं। उल्लेख करते हुए कहा कि उनके शासनकाल में अधूरी और अस्थायी परिसंपत्तियां, फर्जी हाजिरी, भुगतान में कटौती जैसी भ्रष्टाचार की शिकायतें हर जनपद और हर ग्राम पंचायत से सामने आती थीं।

डीएमके से तकरार और टीवीके से इकरार, 32 पर कांग्रेस नहीं तैयार

टीम राहुल ने कैसे बढ़ा दी स्टालिन की टेंशन

चेन्नई/नई दिल्ली, एजेंसी।
तमिलनाडु में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले वहां सियासी हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अगुवाई वाली सत्ताधारी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने सहयोगी पार्टी कांग्रेस को 234 सदस्यों वाली विधानसभा में मात्र 32 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऑफर दिया है। इससे कांग्रेस नाराज हो गई है। कांग्रेस नेता अब अन्य विकल्पों की तलाश में जुट गए हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में कहा गया है कि तमिलनाडु कांग्रेस के कुछ नेता शीर्ष नेतृत्व खासकर राहुल गांधी से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके से गठबंधन की संभानवाएं तलाशने का अनुरोध करने की तैयारी में हैं।

यह स्थिति सीएम स्टालिन के लिए टेंशन दे सकती है। दरअसल, कांग्रेस पार्टी ने अपने आंतरिक सर्वे के हिसाब से 40 सीटों का टारगेट सेट किया था लेकिन डीएमके ने उसे महज 32 सीटें ऑफर की हैं। अब ऐसी तनातनी के बाद कांग्रेस 38 सीटों तक पहुंच पाई है लेकिन स्टालिन की पार्टी टस से मस नहीं हो रही। लिहाजा, कांग्रेस ने दूसरे विकल्पों की तलाश तेज कर दी है। इसी कड़ी में कांग्रेस के कुछ नेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) से संभावित गठबंधन का मुद्दा पार्टी नेतृत्व, खासकर राहुल गांधी के सामने रखने की तैयारी में हैं।

कांग्रेस सांसद माणिक्कम टैगोर ने सोमवार को साफ कहा कि पार्टी सिर्फ सीटों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि अगर गठबंधन सत्ता में आता है तो सरकार में हिस्सेदारी भी चाहती है। उनके इस बयान को पार्टी कार्यकर्ताओं के दबाव और चुनाव से पहले रणनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

टैगोर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके ने कांग्रेस को अपना 'प्राकृतिक सहयोगी' बताया है। इससे तमिलनाडु की राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा तेज़ हो गई है। टीवीके के प्रवक्ता फेलिक्स जेराल्ड ने कहा कि विजय और राहुल गांधी के बीच दोस्ताना संबंध हैं और कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना काफ़ी अधिक है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु कांग्रेस के अंदरूनी हितों के कारण बातचीत में देरी हो सकती है।

फैसला विजय करेंगे: इस बीच टीवीके नेता निर्मल कुमार ने कहा कि गठबंधन को लेकर अंतिम फैसला पार्टी प्रमुख विजय ही करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमारे नेता सभी से सलाह-मशविरा कर गठबंधन को लेकर घोषणा करेंगे। चुनाव में अभी करीब दो महीने का समय है।' कुल मिलाकर, डीएमके के साथ सीट बंटवारे को लेकर असमंजस, सत्ता में हिस्सेदारी की मांग और टीवीके के साथ संभावित गठबंधन,इन सबने तमिलनाडु की राजनीति को चुनाव से पहले और दिलचस्प बना दिया है। आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि कांग्रेस किस रास्ते पर आगे बढ़ती है।

टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, मिचेल सेंटनर होंगे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। कप्तान के साथ ही मिचेल सेंटनर विश्व कप में सबसे अनुभवी खिलाड़ी भी होंगे। वह अपना 9वां आईसीसी इवेंट खेलेंगे। उनके साथ अनुभवी स्पिनर ईश सोढ़ी भी टीम का हिस्सा हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी का साल 2025 में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्हें भी टीम में जगह दी गई है। डफी ने पिछले साल तीनों फॉर्मेट मिलाकर 81 विकेट लिए थे। टी20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में वह दूसरे नंबर पर हैं। तेज गेंदबाजी में डफी के साथ लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी और एडम मिल्ने को जगह दी गई है। जिमी नीशम भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल हैं।

ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र टीम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी को मजबूत करेंगे। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सीफर्ट को दी गई है। काइल जैमीसन रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल हैं। जेमीसन को टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिल सकता है। टूर्नामेंट के दौरान फर्ग्यूसन और मैट हेनरी दोनों पैटरनिटी लीव लेने वाले हैं। इस दौरान जैमिसन की टीम में एंट्री हो सकती है। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर टी20 विश्व कप को लेकर उत्साहित हैं। वॉल्टर ने कहा, 'विश्व कप खास होते हैं, और भारत आधुनिक क्रिकेट की धड़कन है, और इससे बेहतर जगहें बहुत कम हैं। उन्होंने कहा कि मेगा इवेंट के लिए चुनी गई टीम संतुलित है। हमारे पास बैटिंग में बहुत पावर और स्किल है, क्वालिटी बॉलर हैं जो हालात के हिसाब से ढल सकते हैं, साथ ही पांच ऑल-राउंडर हैं जो सभी कुछ अलग लाते हैं। यह एक अनुभवी ग्रुप है, और खिलाड़ी सब-कॉन्टिनेंट में खेलने के लिए नए नहीं हैं, जो उनके लिए फायदेमंद होगा। न्यूजीलैंड को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, साउथ अफ्रीका और यूएई के साथ रखा गया है। टीम का पहला मुकाबला 8 फरवरी को चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ होगा। विश्व कप भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक खेला जाना है।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड टीम

मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।
ट्रैवलिंग रिजर्व: काइल जैमीसन

मलेशिया ओपन

पीवी सिंधू की जुझारू जीत, प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर, एजेंसी। लंबे समय तक चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने बुधवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू ने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 22-20 से शिकस्त दी।

चोट के बाद दमदार वापसी– सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी BWF वर्ल्ड टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थीं। इस मुकाबले में उन्होंने वापसी पर आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और कोर्ट पर अपनी लय को बखूबी संभाला।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड मजबूत

विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू ने सुंग को करियर में दूसरी बार हराया और उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। सिंधू की आक्रामकता और अनुभव निर्णायक साबित हुए।

- **दूसरे गेम में दिखा असली संघर्ष** – पहले गेम में सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। उन्होंने 6-2 की बढ़त हासिल की और आसानी से पहला गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि दूसरे गेम में कहानी बदली। सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। इसके बाद 28 वर्षीय सुंग ने 17-14 की बढ़त बनाई, मगर सिंधू ने हार नहीं मानी। भारतीय खिलाड़ी ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 17-17 कर दिया और 20-20 के बाद लगातार दो अंक लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सूर्यवंशी ने 63 बॉल पर सेंचुरी बनाई

आरोन के साथ 200+ रन की ओपनिंग पार्टनरशिप

साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरा वनडे

बेनोनी (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे अंडर-19 वनडे में शतक जड़ दिया है। बेनोनी के विलोमूर पार्क स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में उन्होंने 63 बॉल पर सेंचुरी पूरी की। 14 साल के वैभव ने 74 बॉल पर 127 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 10 छक्के और 9 चौके लगाए। वैभव ने आरोन जॉर्ज के साथ 227 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में कप्तानी भी कर रहे हैं। बतौर कप्तान भारत के लिए ये उनकी पहली सेंचुरी है।

टीम में 2 बदलाव– भारतीय टीम ने इस मैच में अपनी प्लेइंग 11 में दो बदलाव किए हैं। इस मैच में दीपेश देवेंद्रन और खिलन पटेल को आराम दिया गया है। उनकी जगह उद्धव मोहन और हेनिल पटेल की प्लेइंग 11 में जगह मिली है।

दूसरे वनडे में 19 बॉल पर फिफ्टी लगाई थी

इससे पहले वैभव ने सोमवार को साउथ अफ्रीका की अंडर-19 टीम के खिलाफ 19 बॉल पर फिफ्टी बनाई थी। उन्होंने 24 बॉल में 68 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 छक्के और एक चौका भी जमाया था। इस तरह उन्होंने 68 में से 64 रन बाउंड्री से बनाए थे।

भारत सीरीज में 2-0 से आगे

भारत तीन मैच की सीरीज में 2-0 से आगे है। टीम ने पहला मैच 25 रन और दूसरा मैच 8 विकेट से जीता था।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत– आरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश पंगालिया, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, मोहम्मद एनान, खिलान पटेल, उधव मोहन, हेनिल पटेल।

साउथ अफ्रीका– जोरिच वान शल्कविक, अदनान लागाडियन, मुहम्मद बुलबुलिया (कप्तान), जेसन राउल्स, डेनियल बोसमैन, पॉल जेम्स, लेथाबो फाह्लामोहलाका (विकेटकीपर), कॉर्न बोथा, माइकल क्रुइस्कैम्प, जे जे बैसन, एनटांडो सोनी।

लक्ष्य मलेशिया ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे

सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को हराया; आयुष शेट्टी भी जीते

मलेशिया (एजेंसी)। मलेशिया ओपन में 70 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य सेन ने वर्ल्ड रैंकिंग में 21वें नंबर के खिलाड़ी जिया हेंग

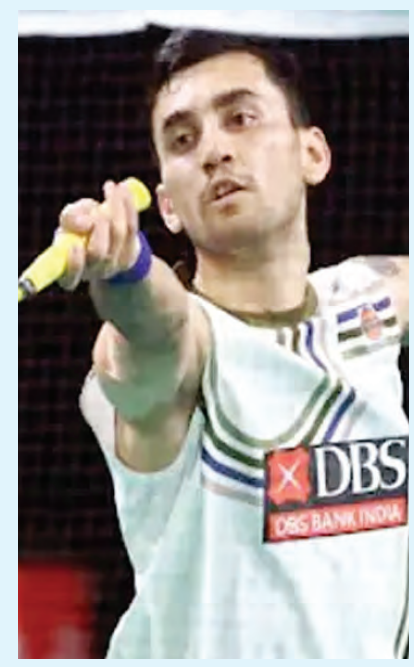

जेसन तेह को 21-16, 15-21, 21-14 से मात दी।भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने नए सीजन की बेहतरीन शुरुआत करते हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के मेन्स सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में लक्ष्य ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को हराया।

70 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने वर्ल्ड रैंकिंग में 21वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 21-16, 15-21, 21-14 से मात दी।

24 साल के लक्ष्य सेन ने पिछले सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था और हॉन्ग कॉन्ग ओपन में फाइनल तक का सफर तय किया था। 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लक्ष्य इस समय वर्ल्ड रैंकिंग में 13वें स्थान पर हैं। अब दूसरे दौर में उनका सामना हॉन्ग कॉन्ग के ली च्युक यिउ से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव को हराया है।

आयुष शेट्टी की शानदार जीत

मेन्स सिंगल्स के एक अन्य मुकाबले में भारत के आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया के ली जी जिया को सीधे गेमों में 21-12, 21-17 से हरा दिया। अब दूसरे दौर में आयुष के सामने बड़ी चुनौती होगी, जहां उनका सामना चीन के वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी शी यू छी से होगा।

विमेंस सिंगल्स में मालविका बंसोड़ बाहर– विमेंस सिंगल्स में भारत की मालविका बंसोड़ की वापसी जीत के साथ नहीं हो सकी। बाएं घुटने की चोट के कारण करीब छह महीने बाद वापसी कर रहीं मालविका को पहले दौर में थाईलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त राचानोक इंतानोन के खिलाफ 11-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

यूनाईटेड कप

कोको गॉफ की दमदार जीत

पर्थ, एजेंसी। अमेरिकी स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने पिछले मैच की हार को भुलाते हुए बुधवार को शानदार वापसी की और यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में यूनान के खिलाफ अमेरिका को 1–0 की बढ़त दिला दी। मौजूदा चैंपियन अमेरिका की ओर से खेलते हुए गॉफ ने यूनान की शीर्ष खिलाड़ी मारिया सकारी को 6–3, 6–2 से शिकस्त दी।

हार के बाद मजबूत वापसी

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज गॉफ को इससे पहले ग्रुप चरण के अपने आखिरी एकल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें स्पेन की जेसिका बौज़ास मानेरो के खिलाफ 6–1, 6–7 (3), 6–0 से हार मिली थी। हालांकि, क्वार्टरफाइनल जैसे अहम मुकाबले में गॉफ ने आक्रामक और संतुलित खेल दिखाते हुए आलोचकों को करारा जवाब दिया।

सेमीफाइनल की ओर अमेरिका

अब यदि टेलर फ्रिट्ज पुरुष एकल में यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास को हराने में सफल रहते हैं, तो अमेरिका शनिवार को सिडनी में होने वाले सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगा।

एशेज 5वां टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया के पास 183 की बढ़त

इंग्लैंड की अच्छी शुरुआत, स्टोक्स चिंता के सबब

सिडनी, एजेंसी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में पांचवें और आखिरी टेस्ट के चौथे दिन बुधवार (7 जनवरी) को ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी में 567 रन पर ऑल आउट होने के बाद बेन स्टोक्स की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम ने अच्छी वापसी की। हालांकि, स्टोक्स की चोट ने इंग्लैंड की चिंता बढ़ा दी है। चौथे दिन लंच तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 1 विकेट पर 80 रन बना लिए थे। वह ऑस्ट्रेलिया से 103 रन पीछे था। ओपनर बेन डकेट (48 गेंदों में 40 रन, जिसमें छह चौके शामिल हैं) और जैकब बेथेल (52 गेंदों में 28 रन, जिसमें चार चौके शामिल हैं) क्रीज पर थे। चौथे दिन का खेलने शुरू होने पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 124 ओवर में

518/7 था। इंग्लैंड की पहली पारी में 384 रन के जवाब में मेजबान टीम 134 रन से आगे थी। स्टीव स्मिथ (205 गेंदों में 129 रन, 15 चौके और एक छक्का) और ब्यू वेबस्टर (58 गेंदों में 42 रन, चार चौके) क्रीज पर थे। मेजबान टीम स्कोर में 49 रन और जोड़र पहली पारी में 567 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे उसे 183 रन की बढ़त मिली।

बेन स्टोक्स चोटिल

इंग्लैंड की चिंता कप्तान बेन स्टोक्स की चोट ने बढ़ा दी है। वह सिडनी में पांचवें और आखिरी टेस्ट के चौथे दिन 15 मिनट बाद ही दाहिनी जांघ को पकड़कर मैदान से बाहर चले गए। स्टोक्स बुधवार को अपने दूसरे ओवर में सुबह की 10वीं गेंद फेंकने के बाद रुके और तुरंत ड्रेसिंग रूम की ओर चले गए। वह अपने 28वें ओवर की चार गेंदें फेंक चुके थे। एक प्रवक्ता ने कहा, 'बेन स्टोक्स अभी दाहिने पैर की मांशपेशी में दिक्कत हुई है।'

ब्रिटिश जूनियर ओपन

खिताब जीतने से चूकीं अनाहत सिंह

बर्मिंघम, एजेंसी। भारत की शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह मंगलवार को बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में हुए मशहूर ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वैश के महिला अंडर-19 फाइनल में खिताब जीतने से चूक गईं। अनाहत को फाइनल में फ्रांस की दूसरी सीड लॉरेन बाल्टायन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अनाहत सिंह को लॉरेन बाल्टायन ने 9-11, 11-7, 3-11, 9-11 से हराया। अनाहत मशहूर स्क्वैश टूर्नामेंट में अपने पहले महिला अंडर-19 फाइनल में पहुंचीं थीं। उन्होंने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका एल कराक्सी को 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से हराया था। अनाहत ने पिछले साल के बीजेओ यू-17 फाइनल और विश्व जूनियर चैंपियनशिप क्वार्टर फाइनल में मलिका को हराया था। उन्होंने बार-बार फ्रंट कॉर्नर पर निशाना साधा और उन मौकों को विनर्स में बदलकर टूर्नामेंट के 100वें एनिवर्सरी एडिशन के दौरान सीधे गेम में मैच जीत लिया। अपने सेमीफाइनल मुकाबले से पहले, अनाहत ने मिस्र की बार्ब समेह (5/8) को 11-4, 10-12, 11-9, 11-3 के स्कोर से हराकर फाइनल चार में जगह बनाई।

बांग्लादेश को भारत में ही खेलने होंगे वर्ल्ड कप मुकाबले

- **आईसीसी ने वेन्यू बदलने की मांग खारिज की, नहीं खेले तो पॉइंट्स कटेंगे**

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की टी-20 वर्ल्ड कप के वेन्यू बदलने की मांग को खारिज कर दी है। आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश को अपने सभी लीग मैच भारत में ही खेलने होंगे, नहीं तो उसे अपने अंक गंवाने पड़ेंगे। बीसीबी ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच खेलने से इनकार कर दिया था और आईसीसी से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की अपील की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और कुछ अन्य अधिकारी मुंबई में मौजूद थे। उन्होंने पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों से चर्चा की और उसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से बातचीत की। आईसीसी ने साफतौर पर कहा कि वेन्यू में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और बांग्लादेश को भारत में ही वर्ल्ड कप के मैच खेलने होंगे, नहीं तो उसे अंक गंवाने होंगे। मुस्तफिजुर रहमान ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आखिरी बार आईपीएल खेला था। 2025 में मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइटराइडर्स ने खरीदा था। मुस्तफिजुर रहमान ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आखिरी बार आईपीएल खेला था। 2025 में मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइटराइडर्स ने खरीदा था।

महिला आईपीएल सीजन-4

मुंबई-आरसीबी के बीच ओपनिंग मुकाबला कल

2 टीमों ने कप्तान बदले, 8 दिन में 22 मैच होंगे

मुंबई (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का चौथा सीजन 9 जनवरी से शुरू होने वाला है। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा। मुकाबला शाम 7:30 बजे नवी मुंबई के डीवाय पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा।

5 टीमों के बीच 28 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 22 मैच खेले जाएंगे। वडोदरा में 3 फरवरी को एलिमिनेटर और 5 फरवरी को फाइनल होगा। 2 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। नए सीजन से पहले 5 में से 2 टीमों ने अपने कप्तान बदल लिए।

इस फॉर्मेट में खेला जाएगा टूर्नामेंट– डब्ल्यूआईपीएल हर बार की तरह लीग फॉर्मेट में खेला जाएगा। पांचों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 2-2 मैच खेलेंगी। यानी एक टीम टूर्नामेंट में 8 मैच खेलेगी। लीग स्टेज खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल के टॉप पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में एंट्री करेगी। वहीं 2 और 3 नंबर की टीमों के बीच एलिमिनेटर होगा, जिसे जीतने वाली टीम भी फाइनल में जगह बनाएगी। 4 और 5 नंबर की टीम बाहर हो जाएगी।

कितने दिन डबल हेडर होंगे?

डब्ल्यूपीएल में 3 सीजन तक एक भी डबल हेडर यानी एक दिन में 2 मैच नहीं हुए। हालांकि, इस बार शेड्यूल में 2 डबल हेडर शामिल हैं। दोनों ही डीवाय पाटील स्टेडियम में शनिवार को होंगे। पहला डबल हेडर 10 जनवरी और दूसरा 17 जनवरी को खेला जाएगा।

किस वेन्यू पर कितने मैच होंगे – इस बार 4 की बजाय 2 ही वेन्यू पर टूर्नामेंट खेला जाएगा। मुंबई के डीवाय पाटील स्टेडियम में शुरुआती 11 मैच और वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में आखिर के 11 मैच होंगे। वडोदरा में ही प्लेऑफ के दोनों मुकाबले होंगे।

पांच टीमें ले रही हैं हिस्सा – चौथे सीजन में भी 5 टीमें ही हिस्सा ले रही हैं। मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, यूपी वॉरियर्ज और गुजरात जायंट्स। इनमें मुंबई, गुजरात और बेंगलुरु को छोड़कर बाकी टीमों ने अपनी कप्तान को बदल लिया। दिल्ली की कप्तानी जेमिमा रोड्रिग्ज करेंगी। वहीं यूपी की कप्तान मेग लैनिंग रहेंगी, जिन्होंने इससे पहले दिल्ली की कप्तानी करते हुए टीम को तीनों सीजन फाइनल तक पहुंचाया।

न्यूज बाइट्स

नगर निकाय चुनाव की मांग को लेकर भाजपा का धरना-प्रदर्शन

दुमका (नि. सं.)। झारखंड में लोकतंत्र को लगातार कमजोर किए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष गौरवकांत की नेतृत्व में बुधवार को पुराना समाहरणालय परिसर, दुमका में धरना-प्रदर्शन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से पूर्व सांसद सुनील सोरेन एवं कार्यक्रम प्रभारी निवास मंडल शामिल हुए, जबकि मंच संचालन नगर अध्यक्ष मृणाल मिश्रा ने किया । यह धरना 2 वर्षों से लंबित नगर निकाय चुनाव को अविलंब कराने, चुनाव दलीय आधार पर कराने तथा ईवीएम के माध्यम से मतदान सुनिश्चित करने की मांग को लेकर आयोजित किया गया। धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सुनील सोरेन ने कहा कि राज्य में नगर निकाय चुनाव न कराकर हेमंत सोरेन सरकार लोकतंत्र की खुली हत्या कर रही है। जनप्रतिनिधियों के अभाव में नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पंचायतें पूरी तरह प्रशासकों के भरोसे चल रही हैं, जिससे आम जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए त्रस्त है और भ्रष्टाचार बेलगाम हो चुका है। निवास मंडल ने कहा कि वर्ष 2018 में रघुवर दास सरकार के कार्यकाल में नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर एवं ईवीएम से पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए गए थे, लेकिन वर्तमान सरकार अपनी संभावित हार के डर से चुनाव से भाग रही है। निवास मंडल ने कड़ी और तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि दुमका के वरिष्ठ पत्रकार मृत्युंजय पांडेय जी को हंसडीहा के थाना प्रभारी द्वारा बंद कमरे में पीटा जाना न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला है। निवास मंडल ने पुलिस कप्तान से स्पष्ट शब्दों में मांग की कि ऐसे अधिकारी को केवल निलंबित करना कोई सजा नहीं है। ऐसे कृत्य करने वाले अफसर पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सख्त धाराएं लगाकर तत्काल जेल भेजा जाना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी वर्दी की आड़ में लोकतंत्र की आवाज को कुचलने की हिम्मत न कर सके।

इंफ्रास्ट्रक्चर ईसीएल से संबंधित हुई समीक्षा बैठक

दुमका (नि. सं.)। उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में इंफ्रास्ट्रक्चर ईसीएल से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में ईसीएल के अधिकारियों के द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से तालाझारी मौजा, डुमरिया आरएनआर साइट, पहाड़पुर मौजा, बसडीहा मौजा के भूमि अधिग्रहण, मुआवजा नौकरी, पुनर्वास स्थल पर मूलभूत सुविधाएं के बारे में उपायुक्त को अवगत कराया गया। कार्य प्रगति धीमी होने के कारण उपायुक्त के द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए जिन भी लोगों का हाउस मेजरमेंट का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं प्लॉट एलॉटमेंट हो गया है उन्हें कैंप मोड में 15 दिन के भीतर मुआवजा देने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। मौके पर अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, अनुमंडल पदाधिकारी, गोड्डा बैद्यनाथ उरांव, अनुमंडल पदाधिकारी महागामा आलोक वरण केसरी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी गोड्डा रितेश जयसवाल, दिनेश शर्मा, महाप्रबंधक (संचालन), राजमहल क्षेत्र सहित ईसीएल के अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

दुमका ने साहेबगंज को 24 रनों से हराया, करण कुमार सिन्हा को मिला मैन ऑफ द मैच

गोड्डा (नि. सं.)। जेएससीए इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-19 टूर्नामेंट के तहत बुधवार को दुमका में खेले गए चौथे मुकाबले में मेजबान दुमका ने साहेबगंज को 24 रनों से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। यह मैच 7 जनवरी 2026 को दुमका के ए टीम क्रिकेट ग्राउंड में खेला गया, जहां मुकाबला सुबह 9 बजे शुरू हुआ और 50-50 ओवर का निर्धारित था। टॉस जीतकर दुमका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। दुमका की पूरी टीम 36.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 195 रन ही बना सकी। दुमका की ओर से करण कुमार सिन्हा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 64 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं साहेबगंज की ओर से गेंदबाजी में सचिन कुमार और पीयूष गुप्ता ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीन-तीन विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साहेबगंज की टीम संघर्ष करती नजर आई और 48.3 ओवर में 171 रनों पर सिमट गई। दुमका की ओर से विभु और आशुतोष ने घातक गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट हासिल किए और टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ दुमका ने मुकाबला 24 रनों से अपने नाम किया। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए दुमका के करण कुमार सिन्हा को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार जेएससीए द्वारा नियुक्त टीआरडीओ संतोष तिवारी एवं दुमका के अधिवक्ता सह पत्रकार कुमार प्रभात द्वारा ट्रॉफी और 5000 रुपये की नकद राशि देकर प्रदान किया गया। मौके पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव शावार्न मनोज कुणाल ने जेएससीए से नियुक्त निर्णायक राजेश्वर सिंह, संजय पांडे, टीआरडीओ संतोष तिवारी, एलओ प्रणय तिवारी, स्कोरर ज्ञान रंजन तथा उपस्थित दुमका के खेलप्रेमियों का आभार व्यक्त किया। वहीं अंडर-16 वर्ग को लेकर जानकारी देते हुए सचिव शावार्न मनोज कुणाल ने बताया कि आज कुल 12 खिलाड़ियों ने अपने दस्तावेज जमा कर ऑनलाइन एंट्री कराई है। उन्होंने अंडर-16 के सभी इच्छुक खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे कल अपने-अपने दस्तावेजों की मूल प्रति के साथ संघ कार्यालय में उपस्थित हों।

दुमका में नालसा के अभियान से गूंजा नशा मुक्त भारत का संकल्प

दुमका (नि. सं.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा 'नालसा नशा मुक्त भारत योजना-2025' के तहत जिले में नशामुक्ति को लेकर एक व्यापक जन जागरूकता साप्ताहिक अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान डालसा अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधांशु कुमार शशि तथा सचिव उत्तम सागर राणा के कुशल मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ये वॉलिंटियर्स गैर-सरकारी संगठनों , आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत कर रहे हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को नशे की लत से दूर रखकर एक स्वस्थ और सकारात्मक समाज का निर्माण करना है। इसी क्रम में बुधवार को दुमका शहर के कानुपाडा में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स की टीम ने विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। "जीवन को हाँ, नशे को ना" के संदेश के साथ युवाओं को नशे के जाल से बाहर निकलने और पुनर्वास के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। युवाओं ने इस दौरान नशा छोड़ने और समाज को जागरूक करने के लिए एकजुटता का परिचय दिया। डालसा की ओर से लोगों को मार्गदर्शन देते हुए बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति नशे की लत का शिकार है, तो वह सरकारी मदद ले सकता है। इसके लिए विशेषज्ञों ने टोल-फ्री नंबरों की जानकारी साझा की राष्ट्रीय टोल फ्री नशा मुक्ति हेल्पलाइन **14446,24x7** नशा मुक्ति सहायता नंबर **1800-11-0031**

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | काठीकुंड(दुमका)

दुमका थाना क्षेत्र अंतर्गत काठीकुंड– शिकारीपाड़ा मुख्य मार्ग स्थित कालाझर गांव के पास सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के शिकार सभी युवक पंदनपहाड़ी पंचायत अंतर्गत बंदरपानी गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार तीनों युवक काठीकुंड से अपने घर लौट रहे थे, इसी दौरान कालाझर मोड़ के पास ट्रक की चपेट में आने से दुर्घटना का शिकार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी त्रिपुरारी कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काठीकुंड पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त मोड़ पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए मोड़ के पास स्पीड ब्रेकर एवं सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है।

कारूड़ीमोड़ के पास चला विशेष अभियान, कई वाहनों का कटा चालान

गोपीकांदर (दुमका) (नि. सं.)। गोविंदपुर–साहिबगंज स्टेट हाईवे पर गोपीकांदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कारूड़ीमोड़ के पास बुधवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) मृत्युंजय कुमार के निर्देश पर थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान के दौरान एसआई भारत भूषण सिंह एवं एएसआई राजन सिंह द्वारा दोपहिया वाहनों की हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, डिक्की, इंश्योरेंस सहित कागजातों की जांच की गई। वहीं बड़े वाहनों में सीट बेल्ट, लाइसेंस, इंश्योरेंस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, परमिट तथा प्रेशर हॉर्न व डबल प्रेशर हॉर्न की सघन जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कई वाहनों का चालान काटा गया।वाहन जांच के दौरान मुंशी बृजमोहन सिंह, सत्यम कुमार सहित अन्य सहायक पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और आगे भी इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

सरैयाहाट निरीक्षण में सख्त हुए उपायुक्त

स्वास्थ्य केंद्र से लेकर पीडीएस तक गड़बड़ियों पर कार्रवाई के निर्देश

निज संवाददाता | दुमका

उपायुक्त बुधवर को सरैयाहाट प्रखंड के निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक एवं विकास कार्यों में कई गंभीर खामियां सामने आईं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बारीडीह के निरीक्षण में आवश्यक दवाओं एवं विभिन्न जांच किटों की कमी पाई गई। इस पर उपायुक्त ने चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी, एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट के फार्मासिस्ट को शो-कॉज करने का निर्देश दिया। साथ ही सीएचसी सरैयाहाट के फार्मासिस्ट का मानदेय स्थगित करने के आदेश भी दिए गए। मामलों में समुचित ध्यान नहीं दिए जाने पर सरैयाहाट की प्रभारी प्रभा रानी के प्रति उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की।

निरीक्षण के क्रम में बाल विकास परियोजना कार्यालय सरैयाहाट में रोकड़ बही अद्यतन नहीं पाए जाने पर नजीर को शो-कॉज करने एवं मानदेय रोकने का निर्देश दिया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त परिसंपत्तियों का योग्य लाभुकों के बीच समय पर वितरण नहीं होने पर सीडीपीओ से स्पष्टीकरण मांगा गया। बभनखेता गांव के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने कम अनाज वितरण की शिकायत की, जिस पर उपायुक्त ने संबंधित पीडीएस डीलर के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं मनरेगा कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर रोजगार सेवक से स्पष्टीकरण तलब किया गया।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी पंचायत में कोई भी चापाकल खराब नहीं रहना चाहिए और पेयजल की समस्या किसी भी परिस्थिति में उत्पन्न न हो, यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कर्मियों के लॉग बुक एवं अन्य अभिलेखों की जांच की गई। पाई गई त्रुटियों में सुधार करते हुए एक सप्ताह के भीतर सभी लॉग बुक एवं पंजी अद्यतन करने का निर्देश दिया गया, अन्यथा संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई। इसी क्रम में उपायुक्त के निर्देशानुसार सरैयाहाट प्रखंड अंतर्गत 15 पंचायतों में नामित वरीय पदाधिकारियों द्वारा व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जन वितरण प्रणाली, पंचायत भवनों में कर्मियों की उपस्थिति, सरकारी विद्यालयों की मूलभूत सुविधाएं, मध्यान्ह भोजन, आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण आहार, मनरेगा एवं आवास योजनाओं के कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की भी गहन समीक्षा की गई।

जिला आजीविका कन्वर्जेंस समिति की हुई बैठक

क्लस्टर आधारित खेती को दें बढ़ावा जिससे किसानों की आय में हो स्थायी सुधार : डीसी

निज संवाददाता | गोड्डा

उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में जिला आजीविका कन्वर्जेंस समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा बताया गया बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में आजीविका सृजन को सुदृढ़ करना एवं कृषकों की आय में वृद्धि हेतु विभिन्न फसल उगाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा करना है। बैठक के दौरान प्रेजेंटेशन के माध्यम से मिलेट्स, मखाना, बरबट्टी, बांस, लेमनग्रास के संबंध में जानकारियां प्रदान की गई।

बैठक के दौरान कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान, गव्य, जेएसएलपीएस सहित संबंधित विभागों द्वारा अपने-अपने विभागीय योजनाओं एवं प्रगति की जानकारी दी गई। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि जिले की भौगोलिक स्थिति, मिट्टी की गुणवत्ता एवं जल उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए किसानों को परंपरागत फसलों के साथ-साथ वैकल्पिक एवं नगदी फसलों की ओर प्रोत्साहित किए जाए। दलहन, तिलहन, सब्जी उत्पादन, फलोद्यान, औषधीय पौधों, मशरूम उत्पादन एवं बहुफसली खेती (मल्टी क्रॉपिंग) को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से सामूहिक खेती, बीज उत्पादन, नर्सरी विकास एवं कृषि आधारित लघु उद्यमों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण बीज, उन्नत कृषि तकनीक एवं सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए।

इसके अतिरिक्त सिंचाई सुविधा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा एवं बाजार से जुड़ाव (मार्केट लिंकेज) को भी सशक्त करने पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी कृषि सत्र में क्लस्टर आधारित खेती को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ किसानों की आय में स्थायी सुधार हो सके। सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए आजीविका संवर्धन से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक बेहतर कृषि प्रणाली में सुधार को लेकर जानकारी साझा की गई। मौके पर उपविकास आयुक्त दीपक कुमार दूबे, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल, कृषि विज्ञान केंद्र डॉ॰ रविशंकर, एलडीएम चंदन कुमार चौहान, डीपीएम नाबार्ड नूतनराज, जिला पशुपालन पदाधिकारी मनोज कुमार सिंह, जिला मत्स्य पदाधिकारी सुशील हांसदा, जिला सहकारिता पदाधिकारी विजय कुमार नाग, जिला कृषि पदाधिकारी अभिजीत शर्मा, ईओडीबी प्रबंधूक मनीष कुमार, वरीय प्रबंधक क्षारक्राफ्ट अब्दुल कादिर, पीएमयू सहित अन्य पदाधिकारीगण मौजूद थे।

दुमका में सजेगी सिनेमा की महफिल: 10 जनवरी से 'विंटर फिल्म फेस्टिवल' का आगाज, एंट्री फ्री

चार बड़ी फिल्मों से होगा गुलज़ार

निज संवाददाता | दुमका

जिला प्रशासन दुमका की पहल पर पर्यटन, कला–संस्कृति एवं युवा कार्य विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 10 और 11 जनवरी को 'दुमका विंटर फिल्म फेस्टिवल' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय यह फिल्म महोत्सव दुमका के सिनेप्रेमियों के लिए सिनेमा, संगीत और सांस्कृतिक विविधता का यादगार मंच बनने जा रहा है। फिल्म फेस्टिवल का शुभारंभ 10 जनवरी को अपराह्न 4 बजे दुमका स्थित कन्वेंशन सेंटर में एक आकर्षक म्यूजिकल शो के साथ होगा। उद्घाटन अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा गीत–संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिससे पूरे माहौल में उत्सव का रंग घुल जाएगा। इसके पश्चात विभिन्न भाषाओं और विषयों पर आधारित चर्चित और प्रेरणादायक फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, फिल्म फेस्टिवल में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। दर्शकों को फर्स्ट-कम, फर्स्ट-सर्व के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सांस्कृतिक आयोजन का आनंद उठा सकें।

फिल्म प्रदर्शन कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा

पहले दिन 10 जनवरी को संध्या 5 बजे हिंदी फिल्म मैदान (2024) और रात 8 बजे संथाली भाषा की फिल्म ईपीआईएल (2016) दिखाई जाएगी। दूसरे दिन 11 जनवरी को संध्या 4 बजे हिंदी फिल्म गांधी (1982) तथा संध्या 7 बजे पारिवारिक मनोरंजन से भरपूर फिल्म द जंगल बुक (2016) का प्रदर्शन किया जाएगा।

दुमका विंटर फिल्म फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय दर्शकों को राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सिनेमाई कला से परिचित कराना है। इसके साथ ही युवाओं, विद्यार्थियों और बच्चों में रचनात्मक सोच, सामाजिक संदेश और सांस्कृतिक समझ विकसित करना भी इस आयोजन की प्रमुख मंशा है। जिला प्रशासन को उम्मीद है कि यह फिल्म महोत्सव दुमका में सांस्कृतिक गतिविधियों को नई पहचान देगा और आने वाले समय में ऐसे आयोजनों की परंपरा को मजबूत करेगा।

पुलिस केंद्र दुमका में धूमधाम से मनाया गया सोहराय पर्व

दुमका (नि. सं.)। सोहराय पर्व समिति, पुलिस केंद्र दुमका के सदस्यों द्वारा अतिथियों एवं पत्रकारों का पारंपरिक तरीके से पुष्पगुच्छ और सोल भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) विजय कुमार महतो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (जरमुंडी) अमित कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) एकुंग डुंगडुंग, पुलिस उपाधीक्षक आकाश भारद्वाज, पुलिस उपाधीक्षक अमित रविदास, परिचारी प्रवर रमेश कुमार मंडल, परिचारी पवन कुमार, परिचारी अभय सिंह, परिचारी मसांग हांसदा सहित पुलिस केंद्र दुमका के पदाधिकारी, पुलिस एसोसिएशन एवं पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा सदस्य, पुलिस अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने आम लोगों के साथ मिलकर सोहराय पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने जिलेवासियों को सोहराय पर्व की शुभकामनाएं दीं। वहीं परिचारी प्रवर ने अपने संबोधन में कहा कि सोहराय पर्व प्रकृति से जुड़ा त्योहार है, जो आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि दुमका पुलिस परिवार हर वर्ष इस पर्व को पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाता आ रहा है। कार्यक्रम के दौरान सभी लोग पारंपरिक नृत्य-संगीत में झूमते नजर आए और सामूहिक रूप से खुशियां साझा कीं।

एसकेएमयू में धूमधाम से मना सोहराय महापर्व, संताली भाषा दिवस पर सांस्कृतिक चेतना का संदेश

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका परिसर स्थित स्नातकोत्तर संताली विभाग द्वारा "सोहराय महापर्व एवं संताली भाषा दिवस" का भव्य आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विभाग के छात्र–छात्राओं के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम से पूर्व नायकी सुनील मुर्मू एवं आतो मोड़ें होड़ द्वारा गोड टांडी में विधि–विधान से पूजा-अर्चना की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ) कुनूल कांदीर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में परीक्षा नियंत्रक डॉ रीना नीलिमा लकड़ा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत अमर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. (डॉ) कुनूल कांदीर ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में सोहराय महापर्व का आयोजन गर्व का विषय है। यह पर्व प्रकृति, पशु एवं मानव के बीच संतुलन और खुशहाली का प्रतीक है। उन्होंने भविष्य में विश्वविद्यालय स्तर पर सामूहिक रूप से सोहराय पर्व मनाने की घोषणा भी की।

विभागाध्यक्ष डॉ सुशील टुडू ने स्वागत भाषण दिया। इसके पश्चात डॉ निर्मल मुर्मू ने संताली भाषा का परिचय देते हुए संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल होने की ऐतिहासिक प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संताली भाषा ऑस्ट्रिक भाषा परिवार की सबसे बड़ी भाषा है, जिसे 22 दिसंबर 2003 को लोकसभा, 23 दिसंबर 2003 को राज्यसभा से पारित किया गया तथा 7 जनवरी 2004 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा अनुमोदन मिला।

एसपी कॉलेज दुमका की संताली विभागाध्यक्ष डॉ होलिका कुमारी मरांडी ने सोहराय पर्व के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर व्याख्यान दिया। वहीं विशिष्ट अतिथि परीक्षा नियंत्रक डॉ रीना नीलिमा लकड़ा ने कहा कि सोहराय आदिवासियों का सबसे बड़ा पर्व है, जो प्रकृति के साथ पशुओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। विश्वविद्यालय में इसका आयोजन यह दर्शाता है कि यह संस्थान शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति को भी समान महत्व दे रहा है।

समारोह में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ विनय कुमार सिन्हा, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ धनंजय कुमार मिश्र, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ पी.पी. सिंह सहित विभिन्न संकायों के अध्यक्षों ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ शर्मिला सोरेन ने कहा कि संताली भाषा का आठवीं अनुसूची में शामिल होना अत्यंत गौरवपूर्ण है और देवनागरी लिपि के कारण संताली भाषा का विकास सरल और वैज्ञानिक रूप से संभव हुआ है।

मंच संचालन दिलीप कुमार टुडू ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आनंद हेम्ब्रम, सुनील मुर्मू, आरती टुडू, रोशनराज टुडू, देव मुर्मू, सलबिना टुडू, एलियस मरांडी, सोनू मुर्मू, मुन्ना हांसदा, सुजाता टुडू, पिंकी मुर्मू, मेघाकिरन हांसदा सहित कई छात्र–छात्राओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दुपट्टे के सहारे पेड़ से लटका मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

निज संवाददाता | महागामा(गोड्डा)

हनवारा प्रखंड अंतर्गत हनवारा थाना क्षेत्र के सुंदरचक गांव से एक अत्यंत हृदयविदारक घटना सामने आई है। गांव निवासी सत्तार उर्फ सत्रु की नाबालिग पुत्री ने गांव के समीप स्थित आम के बगीचे में अपने ही दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक घटना से परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक और स्तब्धता का माहौल व्याप्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाबालिग लड़की घर से निकलकर गांव के पास स्थित आम के बगीचे की ओर गई थी। काफी समय बीत जाने के बाद जब वह घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई और उसकी खोजबीन शुरू की गई। खोज के दौरान आम के बगीचे में पेड़ से दुपट्टे के सहारे उसका शव लटका हुआ पाया गया। यह दृश्य देखते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

घटना की सूचना मिलते ही हनवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ भी की। हनवारा थाना प्रभारी ध्रुव कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। इस दुखद घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और सभी इस घटना से आहत नजर आ रहे हैं।

चार बड़ी फिल्मों से होगा गुलज़ार

तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय के छात्रों ने किसानों को सिखाईं आधुनिक तकनीकें

निज संवाददाता | दुमका

तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय, गोड्डा के विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में एक विशेष शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। यह कार्यक्रम दुमका प्रखंड के स्कूल टोला एवं मांझी टोला, सिरुआडीह में संपन्न हुआ, जिसमें किसानों और छात्रों के बीच कृषि ज्ञान का सार्थक आदान–प्रदान देखने को मिला। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राएं काजल कुमारी, पूनम कुमारी, मनीषा कुमारी एवं सोनम कुमारी गुप्ता ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने फसल प्रबंधन, उन्नत बीजों का चयन, मृदा स्वास्थ्य, संतुलित पोषण प्रबंधन तथा नई कृषि तकनीकों पर व्यावहारिक रूप से प्रकाश डाला। वहीं किसानों ने भी अपने वर्षों के अनुभव साझा करते हुए पारंपरिक खेती की पद्धतियों, स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप फसल चयन, जल संरक्षण और कम लागत में बेहतर उत्पादन के उपायों से छात्रों को अवगत कराया।

इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि यह केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ज्ञान के दो-तरफा आदान–प्रदान का सशक्त मंच बना। जहां छात्रों को जमीनी स्तर की वास्तविक कृषि चुनौतियों को समझने का अवसर मिला, वहीं किसानों को आधुनिक कृषि विज्ञान से जुड़ने का लाभ प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सस्य विज्ञान के प्राध्यापक सतीश कुमार पांडेय भी उपस्थित रहे और उन्होंने छात्र किसान सहभागिता को कृषि के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

कृषि महाविद्यालय गोड्डा के छात्रों ने किया दुमका का भ्रमण

गोड्डा (नि. सं.)। तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय, गोड्डा के बीएससी (कृषि) सातवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने आरएडब्लूई (ग्रामीण कृषि कार्यानुभव कार्यक्रम) के अंतर्गत दुमका जिले के गंदरकपुर ग्राम स्थित बेराकुंडी टोला का भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा कृषि सूचना केंद्र का सफल स्थापना एवं उद्घाटन किया गया।इस कार्यक्रम में बॉयज़ ग्रुप–बी 4 के विद्यार्थी नयन सिंह मुंडा, जयदीप गुप्ता, अनिकेत प्रकाश, रिकी जॉन एक्का एवं इसैक निखिल बारला ने सक्रिय भूमिका निभाई। कृषि सूचना केंद्र का उद्घाटन महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अमृत कुमार झा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।